जबलपुर रविवार 15 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, षष्ठी

वर्ष 32 अंक 136 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत


करियर दर्पण
स्वतंत्र मत
3
12वीं के बाद इन 5 फील्ड में बना सकते हैं करियर, हाई ग्रोथ के साथ मिलेगी हाई सैलरी
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अवसर और चुनौतियाँ
इस हफ्ते चौथे 6 नई मिनिरेलें, देखने के पारम्परिक ऊर्जा स्कूल तक, 12वीं से इंजीनियर तक के लिए मौके

अब हर रोज दर्पण
▸▸ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान
32.2°C
न्यूनतम तापमान
13.2 °C
सूर्योदय - 6.24 | सूर्यास्त - 5.26


सतना की बेटी गार्गी ने कॉमनवेल्थ ...
▸▸ 4


59 वर्ष की हुयी जूही चावला ...
▸▸ 7


जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन ...
▸▸ 10

चुनाव आयोग ने 14 करोड़ मतदाताओं को अवैध बताया: राहुल

हैदराबाद

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत सम्मेलन 2026 के समापन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव और निर्वाचन आयोग को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का भी जिक्र किया। इस दौरान तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी भी मौजूद रहे। राहुल गांधी ने कहा, 2024 के लोकसभा चुनाव में जिन 14 करोड़ लोगों ने वोट दिया था, कुछ महीने पहले उन्हें या तो ऐसा मतदाता बताया गया जिसका कोई अस्तित्व नहीं था या फिर ऐसा व्यक्ति बताया गया जिसने वोट ही नहीं दिया था। अगर निर्वाचन आयोग ने 14 करोड़ मतदाताओं को अवैध गैर-मतदाता घोषित कर दिया है, तो फिर वह चुनाव वैध कैसे हो सकता है? उन्होंने आगे कहा, महाराष्ट्र इसका एक उदाहरण है। वहां पहले लोकसभा चुनाव हुआ। हमारे गठबंधन ने चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। लेकिन तीन महीने बाद ही हम बुरी तरह हार गए। जब हमने इसकी बारीकियों को देखना शुरू किया, तो पाया कि दोनों चुनावों में हमें बिल्कुल बराबर वोट मिले थे। तीन महीने में 70 लाख नए मतदाता जुड़ गए। इन सभी 70 लाख मतदाताओं ने भाजपा को वोट दिया। इसके बाद भाजपा चुनाव जीत गई। भारत सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, आपको कारोबार के शीर्ष पदों पर ऐसे लोग मिलेंगे। शिक्षा जगत में भी ऐसे लोग मिलेंगे। वे ऐसा दिखाते हैं, जैसे उन्हें सब कुछ पता है। राजनीति में हम उन्हें फासीवादी कहते हैं। उन्होंने कहा, फासीवादी लोग अक्सर चिल्लाते हैं। वे शोर मचाते हैं। वे जोर-जोर से बोलते हैं। वे किसी की बात नहीं सुनते। जबकि ज्यादातर लोग दूसरों की बात सुनते हैं। ध्यान देते हैं और विनम्र रहते हैं। इसलिए फासीवादी लोगों की आवाज ज्यादा तेज होती है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, इतिहास में ऐसा देखा गया है कि जब व्यवस्थाएं टूटती हैं, तब फासीवादी लोग अचानक सामने आ जाते हैं। पिछले एक दशक से फासीवादी लोग लगातार भागते रहे हैं। वे उछलते-कूदते रहे हैं। वे चिल्लाते और शोर मचाते रहे हैं।

भारत सम्मेलन 2026 का समापन



2014 में हमने बिल्कुल नया चुनाव देखा

राहुल गांधी ने कहा, 2014 में हमने एक बिल्कुल नया चुनाव देखा। ऐसा चुनाव हमने पहले कभी नहीं देखा था। राजनीतिक व्यवस्था में लाखों-करोड़ों डॉलर लगाए गए। जिस चुनावी व्यवस्था का इस्तेमाल करीबी मुकाबलों और गठबंधन की राजनीति के लिए किया जाता था, उसे अचानक पूरी तरह बदल दिया गया। अगर मैं यह कहूं कि विपक्ष इस बदलाव से हैरान नहीं था, तो यह झूठ होगा। उन्होंने कहा, एक दशक तक भारतीय राजनीति में यह संकट बना रहा। फिर अचानक हमें पता चला कि आखिर क्या हो रहा था।

बंद होंगे प्रदूषण फैलाने वाले 191 उद्योग

नई दिल्ली (वार्ता)

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण के उपायों में तेजी लाने और नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश देने के साथ ही इस दौरान प्रदूषण नियंत्रण उपकरण नहीं लगाने वाले 191 उद्योगों को तत्काल बंद करने को भी कहा है। यादव ने शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की रोकथाम के उपायों की समीक्षा बैठक में कहा कि अब केवल योजनाएं बनाने के बजाय समयबद्ध तरीके से जमीनी स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। प्रदूषण नियंत्रण के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय और अधिकारियों की जवाबदेही तय करना भी जरूरी है।

अब मदर डेयरी दूध भी महंगा

भोपाल

सांची और अमूल के बाद अब मदर डेयरी ने भी दूध महंगा कर दिया है। मध्य प्रदेश में कीमतें 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ी हैं। शनिवार से ही रेट लागू हो गए हैं। मदर डेयरी ने अपने हर वैरिएंट में बढ़ोतरी की है। इससे पहले 12 नवंबर को अमूल और 14 नवंबर को सांची ने अपने दूध के रेट में इजाफा किया था।

12 हजार रिश्वत लेते पकड़ाई पंचायत सचिव

इंदौर

गांव में व्यापार-व्यवसाय करने के लिए लाइसेंस जारी करने के एवज में रिश्वत मांगना असरावद बुजुर्ग की महिला सचिव को महंगा पड़ गया। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इंदौर की टीम ने पंचायत सचिव श्यामा साहू को ग्राम रेणुका टेकरी, असरावद बुजुर्ग निवासी अनोखी गवलिया से 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई असरावद बुजुर्ग स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर की गई।

दो बसों में टक्कर, 4 श्रद्धालुओं की मौत

तरनतारन

पंजाब के तरनतारन जिले में शनिवार शाम एनएच-54 पर नौशहरा के पास तीर्थ यात्रियों से भरी दो बसों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री घायल हो गए। दोनों बसें पंजाब सरकार की तीर्थ यात्रा स्कीम के तहत श्रद्धालुओं को लेकर धार्मिक यात्रा पर गई थीं। यात्री अमृतसर स्थित सचखंड श्री हरमंदिर साहिब (गोल्डन टेंपल) में माथा टेकने के बाद वापस लौट रहे थे।

'दुनिया अधिक अस्थिर होगी'

जयशंकर ने बताई नई विश्व व्यवस्था की तस्वीर

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी बड़े संघर्षों के बीच दुनिया की एक नई बहुध्रुवीय व्यवस्था बन रही है। इसें देशों के बीच कड़ा मुकाबला होगा। अब फैसले लेने वाले स्वायत्त केंद्रों की संख्या भी बढ़ेगी। दुनिया का दृष्टिकोण भी पहले से ज्यादा लेन-देन पर आधारित होगा। उन्होंने कहा, दुनिया इस समय एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। इसमें चीजें पहले से कहीं ज्यादा जटिल होंगी और भविष्य का अनुमान लगाना भी मुश्किल होगा। इसकी वजह है को सबसे ऊपर रखने वाले देशों की बढ़ती संख्या। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में संघर्ष, तनाव, अनिश्चितता और अस्थिरता देखने को मिल रही है। इनका असर देशों पर पड़ रहा है।



जयशंकर एक समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, यही उस दौर की सोच और पहचान होगी, जिसमें हम प्रवेश कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप इसे अराजकता के रूप में देखें। लेकिन निश्चित रूप से देशों के बीच मुकाबला ज्यादा कड़ा होगा। देश अपने राष्ट्रीय हितों को ज्यादा मजबूती से सामने रखेंगे। इस लिहाज से दुनिया स्वाभाविक रूप से ज्यादा अस्थिर होगी। उन्होंने कहा, नई विश्व व्यवस्था ज्यादा बहुध्रुवीय होगी। इसमें स्वतंत्र रूप से फैसले लेने वाले केंद्रों की संख्या भी काफी ज्यादा होगी। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर देश अपने विकल्पों और फैसलों में राष्ट्रीय हितों को ज्यादा प्राथमिकता देंगे। राष्ट्रीय हितों के कारण देशों के गठबंधन पहले की तरह मजबूत नहीं रहेंगे। वे ज्यादा लेन-देन पर आधारित होंगे। क्योंकि ये एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यानी गठबंधन कम मजबूत होंगे और उनमें लेन-देन का नजरिया ज्यादा होगा। विदेश मंत्री ने कहा, भारत को इस नई स्थिति का सामना करने के लिए देश के भीतर अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार की आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, मेरे लिए ये हमारी विदेश नीति की बुनियादी नींव हैं,क्योंकि इस दौर में आप देश की क्षमताओं को बहुत मजबूत किए बिना प्रभावी विदेश नीति नहीं अपना सकते।

मैन्युफैक्चरिंग में भारत कहां चूका

जयशंकर ने देश में औद्योगीकरण के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में इस दिशा में एक बहुत मजबूत नींव रखी गई है। जयशंकर ने कहा कि भारत 1960 के दशक से लेकर 1990 के दशक के आखिर तक कई मायनों में विनिर्माण के मौके का फायदा उठाने से चूक गया। उन्होंने कहा, हमारे पास सुधार हुए होंगे, लेकिन असल में ये कई खोए हुए दशक थे। उन्होंने आगे कहा, 1992 से पहले के जो दशक हमने खोए, उनमें हुए सुधार भी सिर्फ गलतियों को ठीक करने की कोशिश थे। यह भी एक आंशिक सुधार था।

अमेरिका-चीन में टकराव का असर

अमेरिका और चीन के बीच टकराव के सवाल पर जयशंकर ने कहा कि यह दुनिया में अस्थिरता की एक बड़ी वजह है। हालांकि, उन्होंने कहा कि दुनिया में हो रहे बदलावों के पीछे कई दूसरे कारण भी हैं। उन्होंने कहा, आप यह नहीं कह सकते कि अमेरिका-चीन के बीच तनाव ही खाड़ी क्षेत्र या यूक्रेन में हो रही घटनाओं की वजह है। निश्चित रूप से अमेरिका और चीन के बीच मुकाबला दुनिया में कुल मिलाकर तनाव और अस्थिरता की एक बड़ी वजह है। उन्होंने आगे कहा, इसका एक असर यह हुआ है कि कई देश इनके बीच फंस जाते हैं।

अमेरिका-भारत से संबंधों पर असर

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव के नतीजों से भारत-अमेरिका संबंधों में बदलाव आने के सवाल पर जयशंकर ने कहा, मैं आमतौर पर दूसरे देशों की घरेलू राजनीति पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से बचता हूं। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देश समझौते से जुड़े ज्यादातर मुद्दों को सुलझा चुके हैं। अब बाकी बचे मुद्दों पर बातचीत चल रही है। ऐसे में इस समझौते को जल्द अंतिम रूप दिया जा सकता है। जयशंकर ने कहा कि दोनों देश बातचीत के आखिरी दौर में पहुंच चुके हैं।

चीन के साथ सीमा विवाद

जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ भारत की सीमा अब पहले से ज्यादा सक्रिय हो गई है। इस वजह से वहां भारतीय सैनिकों की लगातार और पहले से ज्यादा तैनाती की जरूरत है। उन्होंने सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भारत की नीतियों के बारे में भी बताया। जयशंकर ने कहा कि 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवां घाटी में हुई हिंसक झड़पों के बाद भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपनी सैन्य क्षमताएं बढ़ाई हैं। उन्होंने कहा, हम जो काम अभी भी कर रहे हैं, उससे सैनिकों की यह संख्या बनाए रखने में मदद मिलेगी।



शेख हसीना की वापसी के लिए भारत ने दो शर्तें रखीं

नई दिल्ली/ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी को लेकर भारत ने दो शर्तें रखी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अधिकारी चाहते हैं कि बांग्लादेश की सेना खुद भारत आए और हसीना को अपने साथ वापस ले जाए। भारत की दूसरी शर्त है कि फांसी की सजा के खिलाफ बांग्लादेश सरकार उन्हें निष्पक्ष सुनवाई का भरोसा दे। यानी बांग्लादेश लौटने पर उन्हें अदालत में अपना पक्ष रखने का पूरा मौका मिले। हालांकि, भारत सरकार ने इन दोनों शर्तों पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हसीना ने दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की इच्छा जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत पिछले कुछ महीनों से उनकी वापसी को लेकर बांग्लादेश सरकार से बातचीत कर रहा है। शेख हसीना 5 अगस्त 2024 को सैन्य विमान से भारत पहुंची थीं। भारतीय अधिकारी के मुताबिक अगर उन्हें वापस ले जाना है, तो बांग्लादेशी सेना को ही ऐसा करना होगा। इसके लिए बांग्लादेश सैन्य विमान दिल्ली भेज सकता है या अपनी सेना के जरिए उन्हें सीमा तक ला सकता है। भारत इस पूरी प्रक्रिया में जरूरी इंतजाम करने को तैयार है। बांग्लादेश की अदालत हसीना को मौत की सजा सुना चुकी है। भारत चाहता है कि उन्हें इस फैसले के खिलाफ अपील करने का मौका मिले। साथ ही, जुलाई 2024 में हुई हिंसा से जुड़े आरोपों पर नए सिरे से सुनवाई हो। भारत के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया कि भारत हसीना को बिना निष्पक्ष सुनवाई का मौका दिए फांसी के लिए नहीं सौंपना चाहता। भारत चाहता है कि इस पूरी सुनवाई पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय और वर्ल्ड मीडिया की नजर रहे। हालांकि, 13 नवंबर को भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से हसीना की वापसी को लेकर सवाल पूछा गया। उनसे पूछा गया कि क्या भारत ने बांग्लादेश से सैन्य विमान भेजने और हसीना को निष्पक्ष सुनवाई का मौका देने की गारंटी मांगी है। इस पर जायसवाल ने कहा कि मेरे पास इस बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है।

लोकसभा सीटें 50प्रतिशत बढ़ाने के प्रस्ताव पर एनसीपी (एसपी) सहमत

मुंबई। एनसीपी (शरद गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ाने के भाजपा के प्रस्ताव का समर्थन करने को तैयार है। इसके साथ ही महिला आरक्षण लागू करने की भी बात कही गई है। सुले ने बताया कि भाजपा ने परिसीमन विधेयक पर चर्चा के लिए विपक्षी नेताओं को बैठक में बुलाया था। बैठक में भाजपा ने सभी राज्यों में लोकसभा सीटें 50 प्रतिशत बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। हालांकि, सुले ने स्पष्ट किया कि एनसीपी (एसपी) ने विधेयक का समर्थन करने का अभी औपचारिक फैसला नहीं लिया है। पार्टी को प्रस्तावित



विधेयक की आधिकारिक कॉपी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस प्रस्ताव पर इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ भी चर्चा करना चाहती है। अगर सभी दल सहमत होते हैं, तो एनसीपी (एसपी) इसका समर्थन करने के लिए तैयार है। सुप्रिया सुले ने कहा कि उनकी पार्टी परिसीमन और महिला आरक्षण दोनों विधेयकों को पारित होते देखना चाहती है। इसके लिए व्यापक राजनीतिक सहमति बनाना जरूरी है। उन्होंने लोकसभा सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि छोटे निर्वाचन क्षेत्र होने से सांसदों के लिए मतदाताओं तक पहुंचना आसान होगा।

कर्नाटक लोक सेवा आयोग के तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक ने ही लीक किया पेपर

बेंगलुरु। कर्नाटक लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि आयोग के तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार ने अपने सहयोगी के जरिए उम्मीदवारों को सही उत्तरों वाले प्रश्नपत्र लीक किए थे। इसके बदले आवेदकों से 20 लाख से 40 लाख रुपये तक की रिश्वत मांगी गई थी। इस मामले में ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत 1.22 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में कर्नाटक लोक सेवा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष शिवशंकरप्पा साहूकार, सदस्य गीता बीवी शिवमूर्ति और तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार की संपत्तियां शामिल हैं।

नेपाल के जनकपुर धाम और भारत के अयोध्या के बीच दौड़ेगी ट्रेन

रेलवे ने साप्ताहिक ट्रेन सेवा को दी मंजूरी

नई दिल्ली (वार्ता)। रेलवे ने सीमा पार संपर्क, धार्मिक पर्यटन और भारत-नेपाल मित्रता को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए अयोध्या और नेपाल में जनकपुर धाम के बीच साप्ताहिक ट्रेन चलाने को निर्णय लिया है। रेलवे ने शनिवार को बताया कि भारत और नेपाल के दो धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश स्थित अयोध्या और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच नयी साप्ताहिक रेल सेवा शुरू करने को मंजूरी दी गयी है। रेलवे के अनुसार यह रेल सेवा रामायण परंपरा से जुड़े दो प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ेगी। जनकपुर धाम को माता सीता की जन्मस्थली और अयोध्या को प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली माना जाता है। इस पहल से दोनों देशों के यात्रियों को इन प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक पहुंचने में सुविधा होगी। साथ ही दोनों देशों की साझा सांस्कृतिक विरासत भी मजबूत होगी। करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह साप्ताहिक ट्रेन जनकपुर धाम को अयोध्या कैंट से जोड़ेगी।



एसडीओ के पास 3 करोड़ का सोना, 26 लाख कैश

होटल-रिसॉर्ट समेत 7.60 करोड़ की संपत्ति मिली

छिंदवाड़ा (स्वतंत्र मत)

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के एसडीओ संजीव शर्मा के छिंदवाड़ा और पचमढ़ी स्थित ठिकानों पर शनिवार सुबह लोकायुक्त ने छापा मारा। अब तक 26 लाख रुपए कैश, 2.5 किलो सोना (कीमत 3.50 करोड़ रुपए), 1.6 किलो चांदी (कीमत 2.94 लाख रुपए) और दो होटल-रिसॉर्ट समेत करीब 7 करोड़ 60 लाख रुपए की संपत्ति का खुलासा हुआ है। पचमढ़ी में लोकायुक्त डीएसपी वीरेंद्र सिंह ने बताया- लोकायुक्त को जमीनों की खरीद-बिक्री से जुड़े 28 दस्तावेज और एग्रीमेंट भी मिले हैं। प्रारंभिक जांच में संजीव की संपत्ति आय से 228 प्रतिशत अधिक संभावित थी, जबकि छापे के दौरान अब तक की गणना में यह करीब 560 प्रतिशत अधिक बताई गई है। लोकायुक्त की दो टीमों ने शनिवार सुबह 7 बजे कार्रवाई शुरू की। पचमढ़ी में लोकायुक्त एसपी सुनील पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने एसडीओ के सरकारी आवास और कार्यालय की तलाशी ली। वहीं, छिंदवाड़ा में डीएसपी के नेतृत्व में दूसरी टीम ने उनके पैतृक मकान की सर्च की। कार्रवाई के लिए नर्मदापुरम की विशेष अदालत से सर्च वारंट लिया गया था। संजीव शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी। प्रारंभिक सत्यापन में उनकी संभावित संपत्ति आय से 228 प्रतिशत अधिक पाई गई थी। इसके बाद लोकायुक्त ने दोनों ठिकानों पर तलाशी शुरू की। पचमढ़ी स्थित संजीव शर्मा के सरकारी आवास से मटकुली के इकोटेल होटल एंड रिसॉर्ट के दस्तावेज मिले हैं। इसे 2016-17 में खरीदा गया था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ रुपए है। पचमढ़ी के सेरेनिटी द विला होटल के दस्तावेज भी मिले हैं।



छिंदवाड़ा-पचमढ़ी से मिला 2.5 किलो सोना

लोकायुक्त टीम ने छिंदवाड़ा की प्रोफेसर कॉलोनी स्थित पैतृक मकान की तलाशी ली। यहां से 3 लाख 1 हजार 800 रुपए कैश, 927.924 ग्राम सोना और 356 ग्राम चांदी मिली। घर में दो अलमारियां बंद मिली थीं। उनकी चाबियां संजीव शर्मा के पास बताई गईं। पचमढ़ी स्थित सरकारी आवास से 23 लाख 35 हजार रुपए कैश, 1,600 ग्राम सोना और 1,300 ग्राम चांदी के जेवर मिले। दोनों जगह से कुल 26 लाख 36 हजार 800 रुपए कैश, 2,527.924 ग्राम सोना और 1,656 ग्राम चांदी मिली।

3.50 करोड़ का सोना, 2.94 लाख की चांदी

लोकायुक्त के नए आकलन के मुताबिक 2,527.924 ग्राम सोने की अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ 50 लाख रुपए और 1,656 ग्राम चांदी की कीमत करीब 2 लाख 94 हजार रुपए है। अब तक मिली संपत्ति में 26.36 लाख रुपए नकद, 3.50 करोड़ रुपए का सोना, 2.94 लाख रुपए की चांदी, 31.20 लाख रुपए के चार वाहन, 3 करोड़ रुपए के होटल-रिसॉर्ट और 50 लाख रुपए का घरेलू सामान शामिल है।

मधुमेह से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने डायबिटीज जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

शहडोल (स्वतंत्रमत)

मधुमेह (डायबिटीज) जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन को जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देने के उद्देश्य से शहडोल में डायबिटीज जागरूकता रैली निकाली गई। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल तथा कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जयस्तंभ चौक से गांधी स्टेडियम तक निकाली गई रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने सहभागिता की। रैली के माध्यम से नागरिकों को मधुमेह के कारणों, लक्षणों, बचाव और समय पर जांच के महत्व की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, खानपान में सावधानी बरतने और शारीरिक गतिविधियों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।



क्या हैं मधुमेह के प्रमुख लक्षण

मधुमेह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें शरीर में रक्त शर्करा का स्तर सामान्य से अधिक हो जाता है। शरीर में इंसुलिन की कमी अथवा उसका प्रभाव ठीक से नहीं होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न होती है। बार-बार पेशाब आना, अत्यधिक प्यास लगना, सामान्य से अधिक भूख लगना, बिना किसी स्पष्ट कारण के वजन कम होना, थकान और कमजोरी महसूस होना, आंखों से धुंधला दिखाई देना तथा घाव भरने में अधिक समय लगना इसके प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। हालांकि, कई लोगों में शुरुआती अवस्था में कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते।

संतुलित खानपान और नियमित व्यायाम से बचाव संभव

मधुमेह से बचाव और इसके नियंत्रण के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेना जरूरी है। भोजन में हरी सब्जियां, दालें, साबुत अनाज और रेशे युक्त खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए। अधिक मीठे पदार्थ, शक्कर युक्त पेय और अत्यधिक तैलीय भोजन से परहेज करना चाहिए। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलना, योग एवं व्यायाम करना, वजन नियंत्रित रखना और पर्याप्त नींद लेना भी लाभकारी है। विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित रूप से रक्त शर्करा की जांच कराना महत्वपूर्ण है। परिवार में मधुमेह का इतिहास होने, अधिक वजन या अन्य जोखिम कारक होने पर चिकित्सकीय सलाह के अनुसार जांच करानी चाहिए। मधुमेह की पहचान होने पर चिकित्सक की सलाह से दवाओं का नियमित सेवन और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण जरूरी है। डायबिटीज जागरूकता रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि मधुमेह से बचाव के लिए जागरूकता, नियमित जांच और अनुशासित जीवनशैली बेहद जरूरी है। समय पर बीमारी की पहचान और उचित उपचार से इसके गंभीर दुष्परिणामों से बचा जा सकता है।

कांग्रेस ने मनाई पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती



शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी की अध्यक्षता में देश के प्रथम प्रधानमंत्री, आधुनिक भारत के निर्माता एवं भारत रत्न से सम्मानित स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती कांग्रेस भवन, शहडोल में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित कांग्रेसजनों द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया, तत्पश्चात उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व, विचारों तथा राष्ट्र निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान को स्मरण करते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश कटारे, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नीरज द्विवेदी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुलदीप निगम एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का जीवन देश की एकता, अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों और आधुनिक भारत के निर्माण के प्रति समर्पित रहा। स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल तक, उनका योगदान भारतीय इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा।

वक्ताओं ने कहा कि पंडित नेहरू ने देश को वैज्ञानिक सोच, आधुनिक शिक्षा, औद्योगिक विकास, कृषि सुधार, अनुसंधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि नेहरू जी बच्चों से विशेष स्नेह रखते थे, यही कारण है कि बच्चे उन्हें प्यार से श्चाचा नेहरूश् कहकर पुकारते थे। उनका मानना था कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनके सर्वांगीण विकास से ही एक सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव है। उनके बताए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कटारे,पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी,जिला उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, वरिष्ठ कांग्रेसी सुनील खरे, वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीनिवास शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी रविंद्र तिवारी, शिक्षक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रामनरेश तिवारी,जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, नगर अध्यक्ष प्रभात पाण्डेय, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रमोद जैन, युवाकाँग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम, अकरम खान, धन्नू वर्मा, अजय सनपाल, महेंद्र यादव, आशू सिंह, योगेश साहू आदि काँग्रेसजन उपस्थित रहे।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध कार्यवाही

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशन एवं खनि अधिकारी के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण एवं कार्यवाही की जा रही है। खनिज विभाग के अमले द्वारा अक्टूबर से 12 नवंबर तक की गई जांच एवं कार्यवाही के दौरान विभिन्न प्रकरणों में नियमानुसार कलेक्टर न्यायालय द्वारा अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। खनिज विभाग द्वारा अवैध परिवहन के कुल 20 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 3.87 लाख रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित कर वसूल किया गया। इसी प्रकार अवैध उत्खनन के 04 प्रकरणों में 2.20 लाख रुपये तथा अवैध भण्डारण के 02 प्रकरणों में 4.29 लाख रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित कर वसूली की गई है। इस प्रकार उक्त अवधि में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के कुल 26 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 10.36 लाख रुपये की अर्थदण्ड राशि अधिरोपित कर वसूल की गई है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। खनिज संसाधनों के संरक्षण, अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा शासन के राजस्व की हानि रोकने के उद्देश्य से जिले में नियमित निरीक्षण एवं निगरानी की जा रही है।



गौमाता का संरक्षण एवं संवर्धन हम सबका दायित्व है : उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

ग्राम निपानिया में स्व. शंभूनाथ शुक्ल गौशाला एवं मंदिर निर्माण का किया भूमि पूजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ग्राम निपानिया में स्व. शंभूनाथ शुक्ल की स्मृति में निर्मित होने वाली गौशाला तथा स्व. गायत्री शुक्ला एवं स्व. पंडित चन्द्रकान्त शुक्ला की स्मृति में मंदिर निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया। लगभग 12 एकड़ भूमि में विकसित होने वाली इस गौशाला में 100 गौमाताओं के रखरखाव एवं संरक्षण की व्यवस्था रहेगी। गौशाला का निर्माण अमरनाथ शुक्ल एवं उनके पुत्र समीर शुक्ल द्वारा कराया जा रहा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि गौमाता का संरक्षण एवं संवर्धन हम सभी का दायित्व है। भारतीय संस्कृति में गाय का विशेष महत्व है। मान्यता है कि गौमाता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का निवास होता है। गौसेवा और गौसंरक्षण हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना योगदान देना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गौशालाओं के माध्यम से अनुदान उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से भी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। गौवंश की नस्ल सुधार के लिए पशु चिकित्सा विभाग के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही वृंदावन ग्राम की अवधारणा के माध्यम से गौवंश संरक्षण, दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के निर्माण से निराश्रित गौवंश को सुरक्षित आश्रय मिलेगा तथा उनके समुचित रखरखाव और देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी। ग्राम निपानिया में 12 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही यह गौशाला गौसेवा एवं गौसंरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक जयसिंह मरावी, विधायक मनीषा सिंह, राजेश पाण्डेय, भूपेन्द्र मिश्रा, अमित मिश्रा, प्रियंक त्रिपाठी, अनिल द्विवेदी, संतोष लोहानी, कलेक्टर पार्थ जायसवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, एसडीएम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।



बांधवगढ़ में श्रीमती इंद्राणी बालन इंटरप्रिटेशन सेंटर का भूमि पूजन संपन्न

पुनीत बालन ग्रुप वनकर्मियों के जीवन बीमा पर हर साल खर्च कर रहा 34 लाख रुपये, गश्त के लिए तीन वाहन भी देगा

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला परिक्षेत्र में शुक्रवार 13 नवंबर को श्श्रीमती इंद्राणी बालन इंटरप्रिटेशन सेंटरश् का भूमि पूजन गरिमामय समारोह के बीच संपन्न हुआ। इस केंद्र का निर्माण पुनीत बालन ग्रुप के सहयोग से कराया जा रहा है। कार्यक्रम में मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह, पुनीत बालन, उनकी पत्नी एवं माणिकचंद ऑक्सिरिच की सीएमडी जान्हवी धारिवाल-बालन तथा श्रीमती शोभा धारिवाल सहित वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास शाखा) बी.एस. अन्निगिरी, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय, उप संचालक योहान कटारा, सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी ताला सहित वन विभाग का अमला मौजूद रहा। इसके अलावा रिसॉर्ट एसोसिएशन, गाइड एसोसिएशन एवं जिप्सी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि पुनीत बालन ग्रुप वर्ष 2021 से लगातार बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और यहां कार्यरत वनकर्मियों के कल्याण एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए सहयोग प्रदान कर रहा है। ग्रुप द्वारा टाइगर रिजर्व के करीब 1100 वनकर्मियों, सुरक्षा श्रमिकों, गाइडों तथा जिप्सी एसोसिएशन के सदस्यों एवं चालकों का जीवन बीमा कराया गया है। इसके लिए लगभग 34 लाख रुपये का वार्षिक प्रीमियम ग्रुप स्वयं वहन कर रहा है। पिछले पांच वर्षों से यह सहयोग जारी है और आगामी दस वर्षों तक बीमा प्रीमियम जमा करने का विश्वास भी दिया गया है। वन्यजीवों की सुरक्षा एवं गश्त व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुनीत बालन ग्रुप द्वारा तीन इसुजु वाहन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन वाहनों को इसी माह के अंत तक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस अवसर पर पुनीत बालन ने कहा कि वन्यजीव और प्रकृति संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जंगलों की सुरक्षा में दिन-रात जुटे वनकर्मी एवं सुरक्षा श्रमिक इस कार्य के वास्तविक आधार स्तंभ हैं। उनके और उनके परिवारों के जीवन को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से ग्रुप लगातार सहयोग कर रहा है और भविष्य में भी यह प्रयास जारी रहेगा। वहीं क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने पुनीत बालन ग्रुप के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों में वन्यजीवों की सुरक्षा करने वाले वनकर्मियों के लिए जीवन बीमा और गश्त के लिए वाहनों की सुविधा उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण पहल है।



बांधवगढ़ में मृत मिला तेंदुआ, दूसरे मांसाहारी वन्यजीव से संघर्ष में गई जान

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर रेंज अंतर्गत बघड़ो बीट के वन क्षेत्र में शनिवार 14 नवंबर को गश्त के दौरान एक तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। तेंदुए का शव कुछ दिन पुराना बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों, पशु चिकित्सकों एवं संबंधित विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच की कार्रवाई की गई। क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने बताया कि पनपथा परिक्षेत्र अधिकारी, बीट प्रभारी एवं अन्य वनकर्मियों द्वारा पैदल गश्त की जा रही थी। इसी दौरान बघड़ो बीट के जंगल में तेंदुए का शव दिखाई दिया। इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ कार्यालय, भोपाल एवं राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को दी गई। मौके पर पहुंची टीम द्वारा डॉग स्क्वाड एवं मेटल डिटेक्टर की सहायता से जांच की गई,जिसमें कोई भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि सामने नहीं आई।इसके बाद एनटीसीए की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत क्षेत्र संचालक, उप संचालक,वन्यप्राणी विशेषज्ञ, जनप्रतिनिधि एवं एनटीसीए प्रतिनिधि की उपस्थिति में वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी और पशु चिकित्सकों की टीम ने मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम में तेंदुए की मौत किसी अन्य मांसाहारी वन्यजीव के साथ संघर्ष के दौरान होना पाया गया। वन विभाग के अनुसार तेंदुए की मृत्यु प्राकृतिक कारणों से हुई है। प्रयोगशाला परीक्षण के लिए आवश्यक नमूने एकत्रित करने के बाद नियमानुसार शव के भस्मीकरण की कार्रवाई पूरी की गई। पूरी प्रक्रिया की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई।



पांच स्कूलों में आयोजित हुई किशोर स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियां

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशानुसार जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में नोडल अधिकारी डॉ. संदीप सिंह के मार्गदर्शन में जिले के स्कूलों में किशोर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विगत दिवस किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाताओं द्वारा पांच स्कूलों में आउटरीच गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें कुल 768 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। इनमें 277 छात्र एवं 491 छात्राएं शामिल रहीं। आउटरीच गतिविधि के दौरान चंदिया के किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता राकेश चौधरी ने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पथरहठा एवं शासकीय हाई स्कूल पतरेई में विद्यार्थियों को तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत शपथ दिलाई तथा तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। इसी प्रकार मानपुर की परामर्शदाता पूनम मिश्रा ने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल गोवर्दे में पोषण, माहवारी स्वच्छता एवं नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता सत्र आयोजित किया। जिला चिकित्सालय की किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता पूजा पांडेय ने शासकीय हाई स्कूल विकेटगंज में विद्यार्थियों को उमंग स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं, मानसिक स्वास्थ्य एवं नशे के दुरुपयोग से होने वाले नुकसान के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोर-किशोरियों को स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं नशामुक्ति के प्रति जागरूक कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।



न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह-2026 का शुभारंभ विद्यार्थियों को दी गई कानून और अधिकारों की जानकारी

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा ने बच्चों से किया संवाद, उनके सवालों के दिए जवाब

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के तत्वावधान में शनिवार 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर आरसी स्कूल में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह-2026 का शुभारंभ किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रियदर्शन शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं न्यायाधीश श्रीमती नजमा बेगम विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां वीणावादिनी सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर आरसी स्कूल के वाइस प्रिंसिपल द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्रियदर्शन शर्मा ने उपस्थित विद्यार्थियों को कानून की महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए उनके मौलिक अधिकारों, विधिक सहायता एवं न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बच्चों को कानून के प्रति जागरूक रहने और अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को समझने की बात कही। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे, जिनका न्यायाधीश द्वारा सरल एवं सहज भाषा में जवाब दिया गया। उल्लेखनीय है कि न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का आयोजन 14 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आमजन तक विधिक सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने तथा सभी के लिए न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रतिदिन विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 नवंबर को मैराथन एवं वॉकथॉन, 16 नवंबर को जेलों में विधिक जागरूकता शिविर एवं बाल देखरेख संस्थाओं का निरीक्षण, 17 नवंबर को विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विधिक साक्षरता कार्यक्रम, 18 नवंबर को दिव्यांगजनों के लिए जागरूकता एवं सहायता शिविर तथा 19 नवंबर को ग्रामीण एवं श्रमिक क्षेत्रों में विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। वहीं 20 नवंबर को विधिक जागरूकता प्रदर्शनी, बाइक एवं साइकिल रैली के साथ सप्ताह का समापन होगा। कार्यक्रम में विधिक सेवा से फिरोज मंसूरी, महेश तिवारी एवं पैरालीगल वॉलेंटियर के.के. शुक्ला सहित विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।





सप्ताह के चर्चित शब्द (करंट अफेयर्स)

आज की प्रतियोगी परीक्षाओं में करंट अफेयर्स यानी सामयिक घटनाक्रम की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। चाहे यूपीएससी हो, एसएससी, बैंकिंग, रेलवे, एनडीए या राज्य स्तर की सरकारी भर्तियाँ, हर परीक्षा में देश-दुनिया की ताज़ा घटनाओं से जुड़े प्रश्न अब निर्णायक साबित होते हैं। कभी सिर्फ़ रटे-रटाए तथ्यों से काम चल जाता था, लेकिन अब परीक्षक यह परखते हैं कि अभ्यर्थी अपने आसपास की घटनाओं को कितनी गहराई से समझता है। इस अंक में गत सप्ताह चर्चा में रहे विषिष्ट परीक्षापयोगी शब्दों को चयनित किया गया है।

अग्निपथ योजना

अग्निपथ सेना में भर्ती की वह योजना है जिसके तहत युवा अग्निवीर के रूप में सेवा करते हैं। मूल ढाँचे में चार साल की सेवा है और हर बैच के अधिकतम 25 प्रतिशत को नियमित सेवा के लिए चुना जाता है। अब पात्र अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल देने के फ़ैसले की ख़बर आई है, इसलिए यह शब्द चर्चा में है। योजना 2022 में शुरू हुई थी। चार साल पूरे होने पर अग्निवीरों को सेवा निधि पैकेज मिलता है। युवाओं के करियर के नज़रिए से यह बदलाव अहम माना जा रहा है।

जीएसटी कलेक्शन

जीएसटी यानी वस्तु एवं सेवा कर देश की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली है, जिसकी वसूली सरकार की कमाई का बड़ा हिस्सा है। अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये पहुँच गया। रिफ़ंड के बाद शुद्ध राजस्व 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें घरेलू वसूली मज़बूत रही और आयात से जुड़े कर में 42.2 प्रतिशत की तेज़ बढ़त हुई।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव

मध्यावधि चुनाव अमेरिका में राष्ट्रपति के चार साल के कार्यकाल के बीच में होने वाले कांग्रेस के चुनाव हैं। अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनाव 3 नवंबर 2026 को हुए, और रिपोर्टों में डेमोक्रेट्स को बड़ी बढ़त मिली। अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन (हाउस) में 435 और ऊपरी सदन (सीनेट) में 100 सदस्य होते हैं, हाउस का कार्यकाल 2 साल और सीनेट का 6 साल है। नतीजे राष्ट्रपति की नीतियों को आगे बढ़ाने की ताक़त तय करते हैं।

ग्रिड-स्केल ऊर्जा भंडारण

इसका अर्थ है बिजली को बड़े पैमाने पर बैटरी जैसी प्रणालियों में जमा करना, ताकि ज़रूरत पड़ने पर उसे ग्रिड में दिया जा सके। सौर और पवन ऊर्जा हर समय नहीं मिलती, इसलिए भंडारण उनके लिए बेहद ज़रूरी है। योजना का लक्ष्य वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 के बीच 92 ळी भंडारण क्षमता बनाना है, और इसके लिए 4,371.10 करोड़ रुपये का परिव्यय रखा गया है। इससे हरित ऊर्जा का उपयोग बढ़ेगा और बिजली की आपूर्ति ज़्यादा भरोसेमंद बनेगी। यह भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों से जुड़ा क़दम है।

बाल श्रम क़ानून

बाल श्रम का मतलब बच्चों से ऐसा काम कराना है जो उनकी पढ़ाई, सेहत और विकास को नुक़सान पहुँचाए। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को बाल श्रम क़ानून का पालन मज़बूत करने का निर्देश दिया है। 2016 के संशोधन के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम पर रखना प्रतिबंधित है, और 14 से 18 वर्ष के किशोरों को ख़तरनाक कामों में लगाना मना है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय राज्यों की एजेंसियों के साथ तालमेल करेगा। स्कूली विद्यार्थियों के लिए यह जागरूकता का अहम मुद्दा है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो का संन्यास

क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल के महान फुटबॉलर हैं और अंतरराष्ट्रीय फ़ुटबॉल के सबसे सफल खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने 5 नवंबर 2026 को अंतरराष्ट्रीय फ़ुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने पुर्तगाल का प्रतिनिधित्व करने को सम्मान और ज़िम्मेदारी बताया। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर अगस्त 2003 में शुरू हुआ था। खेल प्रेमियों के लिए यह एक युग का अंत है।

12वीं के बाद इन 5 फील्ड में बना सकते हैं करियर, हाई ग्रोथ के साथ मिलेगी हाई सैलरी



12वीं क्लास छात्र जीवन का सबसे अहम पड़ाव होता है। क्योंकि इसके बाद करियर के अनुसार कोर्स का चुनाव करना पड़ता है। ऐसे समय में ज्यादातर छात्र जहां परंपरागत मेडिकल, इंजीनियरिंग व कॉसर्म जैसे कोर्स का चुनाव करते हैं, तो वहीं कुछ ऐसे भी छात्र होते हैं जो अपरंपरागत कोर्स का चुनाव करते हैं। अगर आप भी दुनिया के कदम से कदम मिलाकर चलना चाहते हैं और जिंदगी में कुछ हटकर करना चाहते है, तो हम आपको नए जमाने के उन कोर्स के बारे में बताने जा रहे है जिनमें आपको न सिर्फबेहतरीन सैलरी मिलेगी, बल्कि इन कोर्स को कम समय में भी किया जा सकता है।

पब्लिक रिलेशन

डिजिटल मार्केटिंग के इस दौर में हर कंपनी अपनी छवि सुधारना चाहती है। इसके लिए कंपनियां पब्लिक रिलेशन एक्सपर्ट को हायर करती हैं। समाज के बदलते परिदृश्य को देखते हुए किसी प्रॉडक्ट या किसी व्यक्ति की छवि काफी मायने रखती है इसके लिए पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल काम करते है। आज कोई कंपनी, सेलिब्रिटी, बिजनेसमैन, राजनेता, समाज से जुड़े लोग, मिलेनियर्स आदि जनता के सामने बेहतर तरीके से अपने आप को प्रमोट करने के लिए पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल को हायर करते है। इस फील्ड में पहले की अपेक्षा अब करियर की बेहतरीन संभावनाएं उपलब्ध है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

कोरोना के बाद से पूरे विश्व के साथ भारत में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। आज के समय में इस तकनीक का उपयोग हर जगह हो रहा है। यह तकनीक फोन या कंप्यूटर में उपलब्ध शतरंज जैसे गेम, गूगल और एलेक्सा वॉयस असिस्टेंट समेत रोबोट जैसे डिवाइस के रूप में मौजूद है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया की श्रेष्ठ तकनीकों में से एक है। इस तकनीक की सहायता से ऐसा सिस्टम तैयार किया जा सकता है, जो मानव बुद्धिमत्ता यानी इंटेलिजेंस के बराबर होगा।

इस तकनीक के माध्यम से अल्गोरिदम सीखने, पहचानने, समस्या-समाधान, भाषा, लॉजिकल रीजनिंग आदि आसानी से समझा जा सकता है। इसके अलावा यह तकनीक खुद सोचने, समझने और कार्य करने में सक्षम है। हालांकि, इस तकनीक पर अब भी काम चल रहा है, लेकिन करियर विकल्प के रूप में यह शानदार फ ील्ड बनकर उभरा है। यहां

फोटोग्राफी

छात्रों के बीच फोटोग्राफी हमेशा से ही डिमांडिंग करियर ऑप्शन रहा है। आधुनिक और डिजिटल कैमरे के आने से अब फोटोग्राफी पहले से ज्यादा आसान हो गई है। आज फोटोग्राफी न सिर्फएक ग्लैमर वाला करियर ऑप्शन है बल्कि इसमें नाम और पैसा भी अच्छा कमाया जा सकता है। डिजिटल मीडिया की वजह से अब हर कोई फोटोग्राफखींचकर लोगों का अटेंशन पाना चाहता है इसलिए इस फील्ड में पहले की अपेक्षा अब करियर की ज्यादा संभावनाएं बढ़ गई है।

आज के समय में ऐसे कई कॉलेज और यूनिवर्सिटी है जो फोटोग्राफी के सर्टिफि केट कोर्स से लेकर डिग्री तक के कोर्स करवाते है। अगर आप भी फोटोग्राफी में दिलचस्पी रखते है तो इनमें से किसी कोर्स में एडमिशन लेकर अपना करियर बना सकते है। अगर आप कैमरे की बारीकियों को अच्छे से समझा है और आप अच्छी फोटो खींच लेते है तो इस फील्ड में जॉब और सैलरी की कमी नहीं है।

रिस्क मैनेजर

रिस्क मैनेजर आज के समय में एक उभरता हुआ करियर ऑप्शन है। इसमें किसी भी स्थिति को संभालने के लिए एनालिसिस स्किल के साथ-साथ मैनेजमेंट और कम्युनिकेशन स्किल का होना भी जरूरी है। क्योंकि इनका कार्य कंपनी को किसी भी तरह के रिस्क से बाहर निकाला है। लागत कम करने के निरंतर दबाव ने कई संस्थानों को विभिन्न प्रक्रियाओं को आउटसोर्स करने के लिए प्रेरित किया है, जिनका रिस्क मैनेजरों को मूल्यांकन और निगरानी करनी पड़ती है। इसके अलावा, उन्हें इस बात पर विचार करना होता है कि कैसे एआई और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकी प्रगति उन्हें कम लागत पर जोखिम का प्रबंधन करने में सक्षम बना सकती है।

स्पोर्ट्स मैनेजमेंट

आज के समय में आईपीएल की तरह कई खेलों के भी प्रीमियर टूर्नामेंट होने लगे है। इन टूर्नामेंट को करवाने में स्पोर्ट्स मैनेजर की अहम भूमिका होती है। आज स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एक उभरता हुआ करियर विकल्प है। आज हमारे देश में क्रिकेट ही नही बल्कि फुटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी, टेनिस, बॉक्सिंग जैसे खेल खूब लोकप्रिय हो रहे है जिस वजह से स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में करियर के कई ऑप्शन खुल गये है। दरअसल इन खेलों और खिलाड़ियों को लोकप्रिय बनाने में स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के प्रोफेशनल की अहम भूमिका होती है।

ये लोग मैच के आयोजन से लेकर उसकी पब्लिसिटी, मार्केटिंग और प्रबंधन की मुख्य भूमिका निभाते है। आज स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्रोफेशनल की दुनियाभर में डिमांड है। स्पोर्ट्स मैनेजमेंट फील्ड में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में डिग्री या डिप्लोमा जरूरी है। देश की कई यूनिवर्सिटी में स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स संचालित किए जा रहे है आप इनमें से किसी में भी एडमिशन ले सकते है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अवसर और चुनौतियाँ

21वीं सदी को यदि तकनीक का युग कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस क्रांति के केंद्र में है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता। जो अवधारणा कुछ दशक पहले तक केवल विज्ञान कथाओं तक सीमित थी, वह आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है।

एआई क्या है?- एआई वह तकनीक है जो मानवीय बौद्धिक क्षमताओं, जैसे सोचना, सीखना, समस्या सुलझाना और निर्णय लेना, का अनुकरण करती है। स्मार्टफ़ोन के फ़ेशियल रिकग्निशन से लेकर स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म पर फ़िल्मों की अनुशंसा (रिकमेंडेशन) तक, एआई हर क़दम पर मौजूद है।

दैनिक जीवन में एआई के स्वर्णिम अवसर

- स्मार्ट गैजेट्स और व्यक्तिगत सहायक, एलेक्सा, सिरी और गूगल असिस्टेंट जैसे वॉयस असिस्टेंट वॉयस कमांड पर अलार्म सेट करते हैं, संगीत बजाते हैं और दैनिक कार्यक्रम व्यवस्थित करते हैं।
- स्वास्थ्य और चिकित्सा, एआई आधारित एल्गोरिदम बीमारियों की शुरुआती पहचान, सटीक मेडिकल इमेजिंग और व्यक्तिगत उपचार योजनाओं में डॉक्टरों की मदद करते हैं।



स्मार्टवॉच लगातार दिल की धड़कन और नींद के पैटर्न पर नज़र रखकर स्वास्थ्य अलर्ट देती हैं।

- शिक्षा और स्व-अध्ययन, यह तकनीक वैयक्तिक शिक्षण (पर्सनलाइज़्ड लर्निंग) को बढ़ावा देती है, जहाँ छात्र अपनी गति के अनुसार जटिल विषय समझ सकते हैं और तुरंत शंकाओं का समाधान पा सकते हैं।
- यातायात और लॉजिस्टिक्स, गूगल मैप्स जैसे जीपीएस टूल्स रियल-टाइम ट्रैफ़िक डेटा का विश्लेषण कर सबसे छोटा और सुरक्षित मार्ग सुझाते हैं, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होती है।
- ई-कॉमर्स और मनोरंजन, उपयोगकर्ता की प्राथमिकताओं और रुचियों को समझकर ख़रीदारी तथा डिजिटल कंटेंट देखने का अनुभव अधिक सटीक व्यक्तिगत बन गया है।

चुनौतियाँ और चिंताएँ

अपार सुविधाओं के साथ एआई के अनियंत्रित उपयोग ने कई गंभीर सामाजिक और व्यक्तिगत चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं।

- डेटा गोपनीयता का संकट, एआई मॉडल बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत डेटा का विश्लेषण करके काम करते हैं। इससे निजी जानकारियों के लीक होने और निगरानी (सर्विलांस) का ख़तरा बढ़ गया है।
- तकनीक पर अत्यधिक निर्भरतारू साधारण गणनाओं और दैनिक निर्णयों के लिए भी मशीनों पर निर्भर रहने से मानवीय रचनात्मकता, मौलिक सोच और समस्या-समाधान क्षमता प्रभावित हो रही है।
- डीपफ़े क और साइबर सुरक्षा, एआई की मदद से भ्रामक सूचनाएँ, फ़र्ज़ी ऑडियो और डीपफ़ेक वीडियो बनाकर व्यक्तियों की छवि और सामाजिक सद्भाव को नुक़सान पहुँचाया जा रहा है।
- रोज़गार पर प्रभाव, विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी और नियमित कार्यों का स्वचालन (ऑटोमेशन) होने से पारंपरिक नौकरियों के समाप्त होने की चिंता बढ़ रही है।

संतुलन और भविष्य की राह

एआई केवल एक उपकरण है, उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि मानव समाज उसका उपयोग किस प्रकार करता है। जोखिमों को कम करने के लिए सख़्त डेटा सुरक्षा क़ानून, नैतिक दिशानिर्देश और साइबर सुरक्षा जागरूकता अनिवार्य हैं। युवाओं को नए तकनीकी कौशल से लैस करने की आवश्यकता है, ताकि वे तकनीक के शिकार बनने के बजाय उसके संचालक बन सकें।



नीलू गुप्ता,
टीचर
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
गोविंदगंज,
दमोहनाका,
जबलपुर।

सही और फर्जी कंसल्टेंट की पहचान कैसे करें

हर साल हज़ारों विद्यार्थी विदेश में पढ़ाई की चाह में कंसल्टेंट के पास जाते हैं। कई अच्छे सलाहकार हैं, पर कुछ फ़र्ज़ी एजेंट झूठे वादे करके लाखों रुपये ठग लेते हैं। थोड़ी सावधानी से आप इनसे बच सकते हैं।

संभल जाएं, ये हो सकते हैं फर्जी कंसल्टेंट

- 100 प्रतिशत वीज़ा या एडमीषन की गारंटी देना। कोई भी वीज़ा की गारंटी नहीं दे सकता, यह दूतावास तय करता है।
- जल्दबाज़ी का दबाव बनाना जैसे आज ही पैसे जमा करो, वरना सीट चली जाएगी जैसी बातें।
- नक़द भुगतान की माँग और रसीद देने से इनकार करना।
- फ़र्ज़ी दस्तावेज़ बनाने का सुझाव देना नक़ली बैंक बैलेंस, जाली मार्कशीट या झूठा अनुभव। इससे वीज़ा रद्द और स्थायी प्रतिबंध तक लग सकता है।
- लिखित अनुबंध न देना और फ़ीस या रिफंड की शर्तें साफ़न बताना।
- सिर्फ़ चुनिंदा, कम-जाने विश्वविद्यालयों पर ज़ोर, जहाँ उन्हें ज़्यादा कमीशन मिलता है।

सही कंसल्टेंट की पहचान

- विश्वविद्यालय की सूची में नाम देन, कई विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर अधिकृत प्रतिनिधियों की सूची देते हैं। वहीं से पुष्टि करें।
- लिखित अनुबंध, सेवाएँ, कुल शुल्क और रिफ़ंड नीति काग़ज़ पर हों।
- वह ख़र्च, जोखिम और अस्वीकृति की संभावना खुलकर बताए।

खुद जाँचने के आसान तरीक़े

- सीधे विश्वविद्यालय को ईमेल करें और पूछें कि क्या यह एजेंट उनका अधिकृत प्रतिनिधि है।
- आवेदन और वीज़ा की जानकारी आधिकारिक वेबसाइटों (विश्वविद्यालय और संबंधित देश के दूतावास) से मिलाएँ।
- भुगतान बैंक के ज़रिए करें और हर रसीद सँभालकर रखें।
- अपने दस्तावेज़ों की मूल प्रतियाँ अपने पास रखें।

इस हफ़्ते की 6 बड़ी भर्तियाँ, रेलवे से परमाणु ऊर्जा स्कूल तक, 12वीं से इंजीनियर तक के लिए मौके

1. रेलवे भर्ती बोर्ड, एनटीपीसी और स्टेशन मास्टर

- स्नातक स्तर के 3,548, 12वीं स्तर के 1,688 और स्टेशन मास्टर के 1,215 पद बताए गए हैं।
- स्नातक स्तर में गुड्स ट्रेन मैनेजर, टिकट सुपरवाइज़र और जूनियर अकाउंट असिस्टेंट/टाइपिस्ट जैसे पद हैं। 12वीं पास के लिए क्लर्क-कम-टाइपिस्ट जैसे पद हैं। स्टेशन मास्टर का पद लेवल-6 का है, जो इन भर्तियों में सबसे ऊँचे वेतनमान वाले पदों में गिना जाता है।
- 12वीं स्तर की भर्ती में आवेदन 16 नवंबर तक चलेगा। स्टेशन मास्टर के लिए फ़ॉर्म 27 अक्टूबर से 25 नवंबर तक भरे जा सकेंगे।
- चयन प्रक्रिया (पिछली भर्तियों के पैटर्न के अनुसार), कंप्यूटर आधारित परीक्षा के चरण, पद के अनुसार टाइपिंग या एप्टीट्यूड टेस्ट, फिर दस्तावेज़ सत्यापन और मेडिकल जाँच। सही पैटर्न अधिसूचना में देखें।
- तैयारी का सुझाव, गणित, तार्किक क्षमता और सामान्य जागरूकता पर ज़ोर दें। क्लर्क-कम-टाइपिस्ट के उम्मीदवार टाइपिंग की गति अभी से बढ़ाएँ।



2. परमाणु ऊर्जा शिक्षा सोसायटी शिक्षक भर्ती

- कुल 254 अनुमानित पद, जिनमें बदलाव हो सकता है। इनमें 4 प्रिंसिपल, 1 वाइस प्रिंसिपल, 32 पीजीटी, 104 टीजीटी, 13 लाइब्रेरियन, 89 पीआरटी, 10 पीआरटी (संगीत) और 8 बालवाटिका शिक्षक के पद हैं।
- आवेदन 2 नवंबर से 22 नवंबर 2026 तक होंगे। पीजीटी के लिए संबंधित विषय में मास्टर्स और बी.एड. चाहिए। बालवाटिका शिक्षक के लिए 12वीं के साथ नर्सरी या प्रारंभिक बाल शिक्षा में डिप्लोमा माँगा गया है।
- टीजीटी और लाइब्रेरियन के लिए अधिकतम 35 वर्ष, पीआरटी और पीआरटी (संगीत) और बालवाटिका शिक्षक के लिए 30 वर्ष, जबकि पीजीटी के लिए अधिकतम 40 वर्ष। आयु की गणना 22 नवंबर 2026 को की जाएगी।
- चयन, कंप्यूटर आधारित टेस्ट, स्किल टेस्ट या इंटरव्यू और दस्तावेज़ सत्यापन।

3. नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, ग्रेजुएट अप्रेंटिस

- 200 ग्रेजुएट अप्रेंटिस, जो अलग-अलग राज्यों में बाँटे गए हैं। योग्यता, किसी भी स्ट्रीम में स्नातक। यानी विज्ञान, वाणिज्य और कला, तीनों के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदन की अवधि, 4 से 18 नवंबर 2026 तक है। दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए 10 वर्ष की छूट बताई गई है।

4. हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल), मलाजखंड, ट्रेड अप्रेंटिस

- कुल पद 171, अंतिम तिथि 24 नवंबर 2026। योग्यता, 10वीं पास और संबंधित ट्रेड में आईटीआई।
- एचसीएल का मलाजखंड कॉपर प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश में है और देश की सबसे बड़ी हार्ड रॉक ओपन-पिट खदान है, जिसे 12 नवंबर 1982 को देश को समर्पित किया गया था। यह बालाघाट ज़िले में है, इसलिए प्रदेश के आईटीआई पास युवाओं के लिए नज़दीकी अवसर है।
- आयु 18 से 25 वर्ष, प्रशिक्षण अवधि ट्रेड के अनुसार 1 से 3 वर्ष और चयन 10वीं तथा आईटीआई के अंकों की मेरिट पर होता रहा है।

5. पावरग्रिड (पीजीसीआईएल) इंजीनियर ट्रेनी

- कुल 319, जिनमें 250 इलेक्ट्रिकल, 48 सिविल और 21 कंप्यूटर साइंस के हैं। चयन का आधार, गेट स्कोर। यानी अलग से कोई लिखित परीक्षा नहीं होती, गेट स्कोर में अच्छा प्रदर्शन ही चयन की बुनियाद है।
- आवेदन, 3 नवंबर से 18 नवंबर 2026 तक। आयु सीमा, अधिकतम 28 वर्ष। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट मिलती है।

6. बिहार विधानसभा सचिवालय

- अंतिम तिथि, 6 दिसंबर 2026। पद और योग्यता, आपकी सूची में ऑफ़िस अटेंडेंट व अन्य पद हैं। यह भर्ती 12वीं पास युवाओं के लिए है और आवेदन 6 दिसंबर तक होंगे।

रटने से आगे, समझ की परीक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ता करंट अफेयर्स का महत्व

आज की प्रतियोगी परीक्षाओं में करंट अफेयर्स यानी सामयिक घटनाक्रम की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। हर परीक्षा में देश-दुनिया की ताज़ा घटनाओं से जुड़े प्रश्न निर्णायक साबित होते हैं। पहले रटे-रटाए तथ्यों से काम चल जाता था, लेकिन अब परीक्षक परखते हैं कि अभ्यर्थी अपने आसपास की घटनाओं को कितनी गहराई से समझता है।

किन क्षेत्रों से पूछे जाते हैं प्रश्न

राष्ट्रीय मुद्दे - सरकारी योजनाएँ, नए क़ानून, सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण फ़ैसले।

अर्थव्यवस्था - जीएसटी, आरबीआई की नीतियाँ, बजट, शेयर बाज़ार।

अंतरराष्ट्रीय संबंध - द्विपक्षीय समझौते, सैन्य अभ्यास, वैश्विक सम्मेलन।

विज्ञान और तकनीकरू एआई, अंतरिक्ष, ऊर्जा, साइबर सुरक्षा।

पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, चक्रवात, संरक्षण रिपोर्टें।

खेल और पुरस्कार - टूर्नामेंट, रिकॉर्ड, सम्मान और नियुक्तियां।

परीक्षा का बदलता स्वरूप

अब प्रश्न केवल क्या हुआ तक सीमित नहीं रहते। वे यह भी पूछते हैं कि घटना क्यों हुई, उसका असर क्या होगा और उसका संबंध किस नीति या क़ानून से है। इसलिए ख़बर के साथ उसकी पृष्ठभूमि समझना ज़रूरी है।

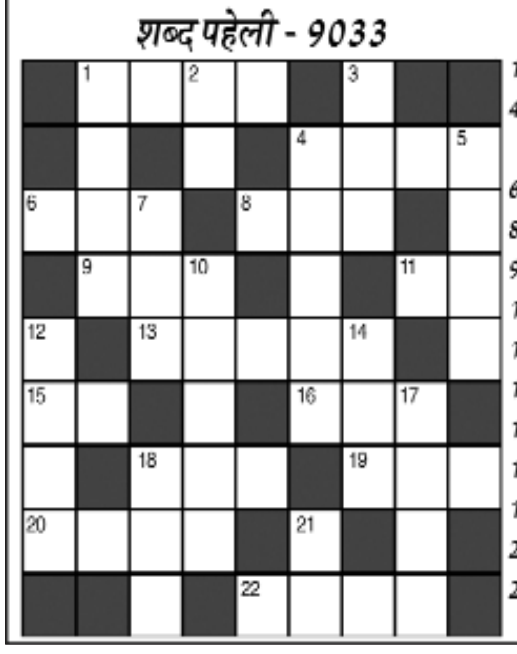
तैयारी के आसान तरीक़े

- रोज़ अख़बार पढ़ें, हर दिन 30 से 45 मिनट दें, मुख्य ख़बरें व संपादकीय ज़रूर देखें।
- नोट्स बनाएँ, हर ख़बर के लिए तारीख़, स्थान, व्यक्ति और संबंधित योजना का संक्षिप्त नोट लिखें।
- नियमित दोहराव, साप्ताहिक और मासिक पुनरावृत्ति से जानकारी याद रहती है।
- स्थिर और सामयिक ज्ञान जोड़ें, किसी चक्रवात की ख़बर को पढ़ते समय उसके नामकरण और मौसम विज्ञान की मूल बातें भी समझें।
- मॉक टेस्ट और क्विज़ हल करें, इससे अपनी कमज़ोरी पता चलती है।
- विश्वसनीय स्रोत चुनें, बीबीसी, प्रतिष्ठित अख़बार और आधिकारिक वेबसाइटें सबसे भरोसेमंद हैं।

दर्पण टिप्स

करंट अफेयर्स रातों-रात नहीं सीखे जाते, यह रोज़ की आदत से बनता है। जो परीक्षार्थी नियमित अख़बार पढ़ने, नोट्स बनाने और दोहराने की आदत डाल लेते हैं, वे किसी भी परीक्षा में बढ़त हासिल करते हैं। इसका फ़ायदा केवल परीक्षा तक सीमित नहीं है, यह सजग और जागरूक नागरिक बनने में भी मदद करता है।

शब्द पहेली - 9033



बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान, नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट, मायानगरी-3,2
15. सूर्य, भास्कर-2
16. उपनदी, कैनाल-3
18. व्यंग, परिहास-3
19. कौर, ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल, असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा, रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर, नशा, गरुर-2
3. चिंतन, विचारना-3
4. परजन भावना, गैरपन-5
5. भिड़ना, गुत्थमगुत्था-4
7. रेखा, लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा, हद, बॉर्डर-4
14. शाखा, डाली-3
17. रिवाज, परंपरा-4
18. पाबंदी, रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली - 9032 का हल

इ	ज	र	न	■	क	र	न	व
र	न	■	र	म	ल	■	था	ह
द	■	■	ल	■	ध	न	■	ला
न	ह	न	■	म	ना	क	र	ना
■	■	र	■	ना	■	ग	■	■
ह	थ	ना	र	ना	■	र	स	द
म	■	ई	ख	■	र	■	■	ल
नि	त	■	था	द	क	■	क	द
क	र	ब	ला	■	म	ल	म	ल

Jagrutideur.com, Bangalore

सतना की बेटी गार्गी ने कॉमनवेल्थ कराते चैंपियनशिप में भारत को दिलाया दो कांस्य पदक

सतना स्वतंत्रमत।

दीपावली के पर्व पर जहां पूरा देश रोशनी और खुशियों के उत्सव में सराबोर था वहीं सतना की बेटी गार्गी सिंह ने सात समंदर पार स्कॉटलैंड में अपने शानदार प्रदर्शन से देश और विंध्य का नाम रोशन कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। ग्लासगो स्कॉटलैंड में आयोजित 12वीं कॉमनवेल्थ कराते चैंपियनशिप 2026 में गार्गी सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। उनकी इस दोहरी अंतरराष्ट्रीय सफलता से सतना सहित पूरे मध्य प्रदेश में खुशी और गौरव का माहौल है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो स्थित ग्लासगो इंटरनेशनल एरिना लंदन रोड में 5 से 8 नवंबर तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 30 से अधिक कॉमनवेल्थ देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में सतना की प्रतिभाशाली कराते खिलाड़ी गार्गी सिंह ने सीनियर विमेंस हेवीवेट 68 किलोग्राम से अधिक व्यक्तिगत कुमिते स्पर्धा में अपने दमखम और तकनीकी कौशल का शानदार परिचय दिया। उन्होंने लगातार तीन राउंड में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। सेमीफाइनल में बेहद मामूली अंतर से हार के बाद उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। गार्गी की दूसरी बड़ी उपलब्धि टीम फाइट स्पर्धा में सामने आई जहां उन्होंने भारतीय टीम का नेतृत्व करते हुए टीम को एक और कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण



भूमिका निभाई। इस तरह व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाओं में पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

नागौद के ग्राम कोटा निवासी श्रीमती नंदिता अतुल सिंह की पुत्री गार्गी सिंह सतना की ऐसी विशिष्ट खिलाड़ी हैं जिन्हें मध्य प्रदेश शासन द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित एकलव्य अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। वह सतना की एकमात्र एकलव्य अवार्ड प्राप्त खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही गार्गी बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड एंबेसडर तथा सतना गौरव सम्मान से भी सम्मानित हैं। जापान लास विगास सहित 6 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेल कर इतने ही पदक जीत चुकी हैं।

गार्गी वर्तमान में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ;सीआई सएफ में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने कराते खेल कोटे के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल कर खेल के दम पर अपने करियर को नई पहचान दी। नौकरी की जिम्मेदारियों के साथ.साथ उनका खेल के प्रति समर्पण लगातार जारी है। वर्तमान में वह मध्य प्रदेश राज्य मार्शल आर्ट्स कराते खेल अकादमी में अभ्यासरत हैं। मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्पोर्ट्स डायरेक्टर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी चंचल शेखर द्वारा भी गार्गी को इस कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप की शानदार सफलता पर सम्मानित किया गया। गार्गी सिंह आरपीएस मार्शल आर्ट्स एंड फिटनेस एकेडमी की वरिष्ठ कराते खिलाड़ी हैं। उन्होंने जिले में मार्शल आर्ट्स के जनक स्वर्गीय शिहान रामायण प्रताप सिंह से कराते का प्रारंभिक प्रशिक्षण और खेल के गुर सीखे। उनके पूर्व कोच एवं अंतरराष्ट्रीय कराते खिलाड़ी सेंसाई अंबुज सिंह बघेल ने गार्गी की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता निश्चित रूप से न केवल सतना और विंध्य क्षेत्रए बल्कि पूरे भारतवर्ष का नाम रोशन करने वाली है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सतना जिला कराते एसोसिएशन के अध्यक्ष राजलालन सिंह , संरक्षक पुष्कर सिंह तोमर, गिरीश अग्रवाल, शैंकी कैला उपाध्यक्ष पदम रंजन मिश्रा सचिव अंबुज सिंह बघेल, संयुक्त सचिव संजीव मिश्रा, मणि सिंह, अनुषा सिंह, रामायण सिंह परिहार, राजनीत दिनकर, अभिमन्यु सिंह, अभिजीत सिंह, आदित्य प्रताप सिंह, नमन उपाध्याय, अभय सिंह भदोरिया, श्रोता मलिक, राहुल सिंह, राणा शमशेर सिंह, दिशा बारी, पुष्पांजलि पयासी, ध्रुव त्रिपाठी आरपी,स मार्शल आर्ट्स , फिटनेस ,केडमी की डायरेक्टर श्रीमती अन्नू रामायण प्रताप सिंह सहित समस्त पदाधिकारियों, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने बधाई दी है, और शुभकामना, व्यक्त की हैं।



भारतीय मजदूर संघ मैहर की जिला सम्मेलन पूर्व समीक्षा बैठक संपन्न

सतना स्वतंत्रमत। भारतीय मजदूर संघ जिला मैहर के तत्वावधान में बीडी कॉलोनी पटेहरा में जिला सम्मेलन पूर्व समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी जिला सम्मेलन की तैयारियों जिला कार्यकारिणी की समीक्षा तथा संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी दिनेश शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष विजय मिश्रा ने की। इस अवसर पर मार्गदर्शक मंडल के सदस्य कंधीलाल बुनकर एवं कमल श्रीवास्तव की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में आगामी जिला सम्मेलन को भारतीय मजदूर संघ की संगठनात्मक रीति.नीति एवं परंपराओं के अनुरूप सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा की गई। साथ ही जिला कार्यकारिणी की गतिविधियोंए संगठनात्मक विस्तार एवं विभिन्न संबद्ध इकाइयों की सहभागिता पर भी विचार.विमर्श हुआ। बैठक का संचालन जिला मंत्री मनोज शुक्ला ने किया।

इस अवसर पर पूर्व जिला मंत्री सतना राजेंद्र उपाध्याय विधि परामर्शदाता सतना पद्मधर द्विवेदी एवं गणेश प्रसाद गर्ग उपस्थित रहे। मैहर जिले से जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार विश्वकर्मा भवन एवं सह निर्माण से अतुल वर्मा बीड़ी मजदूर संघ से सलमा बेगम के.जी.एस. सीमेंट के महामंत्री धर्मेंद्र भुजवा कृषि मजदूर संघ से लक्ष्मीकांत तिवारी पर्यावरण मंच से संतोष बुंदेला राज्य कर्मचारी संघ से मुनेन्द्र शुक्ला फुटपाथ व्यापारी संघ से चंद्रावती साकेत तथा जिला विधि परामर्शदाता कल्पना सिंह सहित विभिन्न इकाइयों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक में जिला सम्मेलन की तैयारियों को गति देने तथा सभी संबद्ध इकाइयों के समन्वय से संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

शिवम हत्याकांड का आरोपी दोष मुक्त

सतना स्वतंत्रमत। बहुचर्चित शिवम मिश्रा अपहरण और हत्याकांड में पुलिस थाना कोलगवा द्वारा आरोपी बनाये गए स्मोंटी सिंह को सतना की सत्र न्यायालय द्वारा किया गया दोषमुक्त। स्मोंटी सिंह की ओर से पैरवी अधिवक्ता राजीव सिंह परिहार शेरा सिंह ने की् उल्लेखनीय है कि वर्ष 2007 में 29 जनवरी को स्कूल से घर लौटते समय शिवम मिश्रा का अज्ञात व्यक्तियों ने किया था अपहरण और उमरिया के सेजवाही जंगल में मिली थी लाश अभियोजन ने अपने मामले को साबित करने के लिए 39 गवाहों को न्यायालय के सामने किया था पेश फिर भी आरोपी के खिलाफमामला साबित नहीं कर पाया।



करेली में 9 आवारा सांड़ों को पकड़कर मोहद गौशाला भेजा

अब तक 72 गोवंश सुरक्षित पहुंचाए

करेली। नगर में आम नागरिकों के लिए परेशानी और दुर्घटनाओं का कारण बन रहे आवारा गोवंश के विरुद्ध नगर पालिका परिषद करेली द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार, 13 नवंबर को नगर पालिका की टीम ने कार्रवाई करते हुए 9 खतरनाक सांड़ों को सुरक्षित पकड़कर मोहद गौशाला पहुंचाया। ये सांड़ लंबे समय से नगर के बाजार, मुख्य मार्गों एवं विभिन्न मोहल्लों में घूमकर लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए थे। इनके हमलों से कई लोग घायल भी हो चुके थे। नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार के निर्देश पर सुबह से ही कर्मचारियों की टीम ने अभियान शुरू किया। कर्मचारियों ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए सभी 9 सांड़ों को सुरक्षित पकड़ा और मोहद गौशाला भिजवाया।

नगर पालिका से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस अभियान के तहत अब तक कुल 72 गोवंश को सुरक्षित रूप से मोहद गौशाला पहुंचाया जा चुका है। इससे नगर के प्रमुख मार्गों, बाजारों एवं रहवासी क्षेत्रों में आवारा गोवंश से होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी और नागरिकों को राहत मिलेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार ने इस सराहनीय कार्य के लिए अभियान में जुटे सभी कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा और नगर की व्यवस्था बनाए रखना नगर पालिका की प्राथमिकता है। आवारा गोवंश को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

किसान संघ ने प्रशासन को बतायी समस्याएं, शीघ्र निदान की मांग

नरसिंहपुर। भारतीय किसान संघ ने कलेक्टर परिसर में होने वाली विभागीय बैठक में किसानो के प्रति होने वाली समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया । प्रशासन की ओर से जिला पंचायत अधिकारी गजेंद्र नागेश, एडिशनल कलेक्टर अरविंद सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया एवं एसडीएम महेंद्र पटेल उपस्थित थे एवं प्रशासन के अधिकारियों से समस्याओं के निदान की मांग की गई। किसानों ने बताया नरसिंहपुर जिले में लगातार बारिश के कारण खरीफ फसल उड़द सोयाबीन में 90 प्रतिशत फसल खराब हो चुके हैं एवं कुछ स्थानों पर मक्का में भारी नुकसान हुआ है प्रधानमंत्री फसल बीमा एवं आरबीसी एक्ट 6(4)के तहत क्षतिपूर्ति राशि दिलवाई जावे। जिले में बंदोबस्त कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जावे। सभी तहसीलों में फौती अविवादित बंटवारे एवं सीमांकन के प्रकारों का समाधि में निराकरण न होने पर संबंधित अधिकारी की जवाब देही तय की जावे। कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर का स्वीकृत विस्तार कार्य शीघ्र कराया जावे तथा कृषि उपज मंडी में मंडी अधिनियम 36(3) का कड़ाई से पालन करवाया जावे, जिले की सभी मंडियों में बिना देर लगाए ट्रालियों में ही अनाज में बोली लगाई जावे,कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर का मूल सूचकांक डिस्प्ले बोर्ड शीघ्र चालू किया जावे,गोटेगांव बहुत आयत मटर उत्पादक तहसील है इसलिए गोटेगांव तहसील में मटर मंडी स्थापित की जावे , गन्ना खरीदी 600 रुपए प्रति कुंतल कुंटल से प्रारंभ की जावे तथा हर 15 दिन बाद शुगर रिकवरी चेक कर मूल वृद्धि की जावे, किसानों का गन्ना तुलाई के 1 सप्ताह बाद किसानों के खाते में भुगतान किया जावे, बड़गुमा स्थित एग्रो सूगर मिल गन्ना किसानों का लंबित भुगतान शीघ्र कराया जावे,गन्ना अनुसंधान केंद्र बोहानी में गन्ना बीज में किसानों को लूटा जा रहा है उचित दर पर किसानों को बीज देने हेतु निर्देशित किया जावे,गन्ना में शुगर रिकवरी चेक करने हेतु कमेटी गठित की जावे कमेटी में किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जावे। गन्ना



खरीदी एवं भुगतान की दैनिक जानकारी पोर्टल एवं सोशल मीडिया पर सभी किसानों को दी जावे, नरसिंहपुर में स्वीकृत ट्रांसफार्मर एरिया स्टोर फोरलेन से लगी कठौतिया ग्राम में शासकीय भूमि पर स्थापित किया जावे उठने स्थान जिले का केंद्रीय भी है। करकबेल डीसी अंतर्गत ग्राम मल्हांआ झिरी गुटोरी घाट पिंडरई आदि बहुत से ग्राम है जिनके आसपास कई किलोमीटर तक सब स्टेशन ना होने के कारण कई कई दिनों तक विद्युत आपूर्ति बंद रहती है युक्त ग्रामों के बीच ग्राम झिरी में सब स्टेशन बनाया जावे।गुडभट्टी संचालक हेतु एम एमसी योजना अंतर्गत गन्ना क्रेशर हेतु अटल ज्योति का स्थाई कनेक्शन लेने हेतु पात्र किसानो की फाइलें पेंडिंग है आवश्यक कार्रवाई करते हुए गुड भट्टी संचालक हेतु ट्रांसफार्मर स्थापित किया जावे, जिले में सिंचाई हेतु 12 घंटे दिन एवं रात 2 शिफ्टों में बिजली प्रदाय की जावे क्योंकि जिले में कुछ ग्रामों में पानी का अभाव होने के कारण बिजली व्यर्थ जाती है ,अटल ज्योति के अंतर्गत कई ग्रामों में केवल विभिन्न ट्रांसफार्मर रखे हुए हैं बार-बार कहने के बाद भी कनेक्शन केवल नहीं लगाई गई है विद्युत अधिकारी किसानों के पास अटल ज्योति का स्थाई कनेक्शन कृषि सिंचाई हेतु स्थाई कनेक्शन एवं सोलर पैनल होने के बाद भी बिजली चोरी का प्रकरण बना देते हैं जहां जांच आवेदन देने के बाद जांच नहीं करते जांच रिपोर्ट दी जावे तथा ऐसे प्रकरणों को नष्ट किया जावे। रानी अवंती बाई पर बरगी परियोजना की सभी माइंस क्षतिग्रस्त है तथा झाड़ पेड़ खड़े हुए हैं मरम्मत एवं साफ सफाई करवरकर अंतिम छोर तक पानी पहुंच जावे आलोद जलाशय से गोरखपुर की तरफ जाने वाली है नहर पिछले साल से टूटी हुई है जिसे शीघ्र सुधार किया जावे जिले में रवि फसल हेतु खाद उपलब्ध होने के बाद भी टोकन बुक न होने के कारण किसान खाद से बचे थे वितरण व्यवस्था को ठीक है जावे जिससे सरलता से खाद उपलब्ध हो सके। बैठक में भारतीय किसान संघ केजिला अध्यक्ष संतोषी राय अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र पटेल, प्रांत मंत्री स्वदेश कोठारी, संभागीय अध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल, जिला मंत्री अभिषेक पटेल, विष्णु प्रसाद पटेल , दिनेश पटेल, यशवंत पटेल, संजय पाठक, चंद्रभान सिंह, परमेश दुबे, अनिल कुमार करेली तहसील अध्यक्ष, किसान कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शासकीय कन्या विद्यालय में बाल मेले का हुआ आयोजन



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस बाल दिवस के रूप में बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, साथ ही छात्राओं द्वारा व्यंजनों के स्टॉल लगाकर बाल मेले का भी आयोजन किया गया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल नजर आया। बाल मेले का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती मालती मेहरा एवं अन्य शिक्षिकाओं द्वारा रिबन काटकर किया । इस दौरान सभी छात्राओं ने करतल ध्वनि के साथ अतिथियों का भव्य स्वागत किया। आयोजित स्लो साइकिल दौड़ में राशिका केवट एवं हेमलता धानक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता जो कुल पांच राउंड में संपन्न हुई, उसमें शीतल साहू, लक्ष्मी कहार, याशिका कोरी, कोमल प्रीतकौर, सीता छीपा और प्रिंसी मेहरा ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार हासिल किए।

बाल मेले में छात्राओं द्वारा लगाए गए व्यंजन स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन से रश्मि शुक्ला, श्रीमती निर्मला पाराशर, आरती कौरव, मुस्कान यादव, सीमा कोरी आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

अब हर वार्ड में गूंजेगी आम आदमी पार्टी की आवाज

सतना स्वतंत्रमत।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश नेतृत्व द्वारा आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर भोपाल में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में लिए गए निर्णयों का स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ. अमित सिंह ने जिले के सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं एवं पार्टी समर्थकों से नई ऊर्जा उत्साह और पूरी प्रतिबद्धता के साथ संगठनात्मक कार्यों में जुटने का आह्वान किया है।

दुर्घटना संभावित मार्गों पर लगेंगे आधुनिक स्पीड ब्रेकर

नगर पालिका ने शुरू कराया कार्य



करेली। नगरवासियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नगर पालिका परिषद करेली द्वारा शहर के दुर्घटना संभावित मार्गों पर आधुनिक स्पीड ब्रेकर लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसके तहत ऐसे स्थानों को चिह्नित कर स्पीड ब्रेकर लगाए जा रहे हैं, जहां तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। नगर पालिका की इस पहल से वाहनों की गति नियंत्रित होगी और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, मंदिरों में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं सहित आम नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। नगरवासियों को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराना परिषद की जिम्मेदारी है।

इसी उद्देश्य से दुर्घटना संभावित स्थानों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। नगर पालिका परिषद द्वारा नगर में विकास कार्यों के साथ ही नागरिकों की सुविधा, सुरक्षा एवं बेहतर यातायात व्यवस्था को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

जनजातीय गौरव दिवस अस्मिता को सम्मान देने का राष्ट्रीय महापर्व : प्रहलाद सिंह पटैल

नरसिंहपुर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी जिला नरसिंहपुर में जनजातीय गौरव दिवस के ऐतिहासिक महत्व, जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। पत्रकार वार्ता में मुख्य वक्ता केबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल, भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिह पटैल, विधायक विश्वनाथ सिह पटैल, महेन्द्र नागेश, अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष रामकुमार ठाकुर, पूर्व जिलाध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा की उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता प्रहलाद सिंह पैटल ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर जनजाति गौरव दिवस का आयोजन भारतीय जनता पार्टी एवं प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार 11 नवंबर से 20 नवंबर तक विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान, महापुरुषों के बलिदान, पारंपरिक संस्कृति और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव, युवाओं, विद्यार्थियों और छात्रावासों तक पहुंचाने की व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है।

मंत्री सिंह ने क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

शुक्रवार की रात मैस पहुंचकर भोजन व्यवस्था का भी लिया जायजा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। शनिवार को प्रदेश के स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह ने 70 वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता (अंडर 19 बालक वर्ग) मे ग्राम बोहानी एवं कोंडिया के खेल मैदानो पर पहुंचकर देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बोहानी मे पश्चिम बंगाल एवं आईपीएससी एवं कोंडिया मे राजस्थान एवं गोवा की टीमों के मध्य मैच खेला जा रहा था। इस अवसर पर उन्होंने बोहानी दानवीर चौधरी राघव जी एवं शहीद आशीष शर्मा जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने दोनों मैदानो पर मैचों को भी देखा एवं अंत मे प्लेयर ऑफ दा मैच का पुरुस्कार देकर एवं खिलाड़ियों से परिचय एवं उनसे आत्मीय संवाद कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं,बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का सशक्त आधार हैं।उन्होंने प्रतियोगिता के सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय संचालन हेतु आयोजन समिति एवं समस्त संबंधित जनों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर



पर बोहानी मे जिला पंचायत सदस्य धनंजय सिंह पटेल, पुनीत त्यागी,उमेश शर्मा, रमाकांत शर्मा, मनोज शर्मा, चंद्रशेखर राणा, मनीष भार्गव, विद्यालय के प्राचार्य अजय शर्मा सहित कोंडिया मे अशोक पटेल, ऋषिराज ममार, अभिषेक ममार, प्रणव पाराशर सहित एसडीएम प्रगति वर्मा,एसजीएफआई से अमित गौतम, डॉ राकेश त्रिपाठी, अनुज जैन, विक्रम शर्मा, बीएसी पवन राजोरिया, मधुसूदन पटेल, प्राचार्य प्रसन्न कौरव एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, खेल प्रेमी तथा आयोजन समिति के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार की रात मंत्री श्री सिंह ने इसी प्रतियोगिता के अंतर्गत स्थानीय पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन स्कूल पहुँचकर देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों के लिए की गई भोजन व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही खिलाड़ियों से आत्मीय संवाद कर प्रतियोगिता में उनके अनुभवों और उपलब्ध व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ सहजता से बातचीत करते हुए उनके खेल अनुभव जाने और भोजन व्यवस्था के संबंध में उनकी राय पूछी। मंत्री श्री सिंह के इस अपनत्वपूर्ण व्यवहार से खिलाड़ी खासे प्रसन्न नजर आए। विदित हो कि मेस परिसर में स्थापित विशेष फीडबैक पॉइंट भी खिलाड़ियों और उनके कोच के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

167 संस्थाओं का होगा निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर जिले में संचालित छात्रावासों और आश्रमों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जाएगा। कलेक्टर ने इस संबंध में आदेश जारी कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी है जारी आदेश के अनुसार 15 से 17 नवंबर तक जिले के विभिन्न विकासखंडों में संचालित छात्रावासों एवं आश्रमों का निरीक्षण किया जाएगा। इसमें मंडला नैनपुर घुघरी मवई बिछिया मोहगांव निवास नारायणगंज और बीजाडांडी की संस्थाएं शामिल हैं निरीक्षण के दौरान संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं की जांच की जाएगी। अधिकारियों को निर्धारित प्रारूप में निरीक्षण कर प्रतिवेदन 19 नवंबर तक कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिव्यांगजनों के लगेंगे परीक्षण शिविर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण, कैलिपर्स एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए 16 से 26 नवंबर तक विभिन्न विकासखंडों में परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। भारत सरकार की एडिप योजना के अंतर्गत एलिम्को जबलपुर के माध्यम से आयोजित इन शिविरों में पात्र दिव्यांगजनों का परीक्षण कर आवश्यक उपकरणों के लिए चयन किया जाएगा शिविरों में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल ट्राइसाइकिल व्हीलचेयर बैसाखी श्रवण यंत्र वॉकर चलने की छड़ी बौद्धिक दिव्यांगता किट सुगम्य केन सहित अन्य सहायक उपकरण नि:शुल्क उपलब्ध कराने के लिए पात्रता का निर्धारण किया जाएगा। शिविरों का निर्धारित कार्यक्रमानुसार 16 नवंबर को जनपद पंचायत निवास, 17 नवंबर को जनपद पंचायत मवई, 18 नवंबर को जनपद पंचायत नारायणगंज, 19 नवंबर को जनपद पंचायत मोहगांव, 20 नवंबर को एएनएम ट्रेनिंग सेंटर मंडला नगर पालिका मंडला, जनपद पंचायत मंडला एवं नगर पालिका बम्हनी बंजर के दिव्यांगजन भी शामिल होंगे, 21 नवंबर को जनपद पंचायत नैनपुर, 23 नवंबर को जनपद पंचायत बिछिया, 25 नवंबर को जनपद पंचायत घुघरी तथा 26 नवंबर को जनपद पंचायत बीजाडांडी, सभी शिविर सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होंगे।

वैश्य महासम्मेलन की बैठक आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। वैश्य महासम्मेलन जिला ईकाई मंडला के द्वारा दीपावली मिलन समारोह एवं पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को सुहानंद सेवा आश्रम संगम घाट महाराजपुर में किया जाएगा। जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया कि दोपहर 12 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में आश्रम परिसर में वृक्षारोपण होगा साथ ही नए सदस्यों का परिचय एवं संगठन की बैठक की जाएगी। इसी के साथ तहसील बिछिया के तत्वावधान में संगठनात्मक मजबूती सामाजिक एकता एवं आगामी गतिविधियों को लेकर 15 नवंबर को महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जाएगा। बैठक दोपहर 2 बजे से रावत मैरिज गार्डन बिछिया में आयोजित होगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रहेगी। इनमें प्रदेश मंत्री एवं मंडला जिला प्रभारी रामजी अग्रवाल, संभागीय अध्यक्ष अशोक गोयल, मंडला जिला अध्यक्ष पंकज सोनी तथा जिला महिला अध्यक्ष श्रीमती अंजना चौरसिया प्रमुख रूप से शामिल होंगे। बैठक के दौरान वैश्य समाज की एकजुटता संगठन के विस्तार, सामाजिक सहभागिता संगठनात्मक गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।

नदी में गिरा 16 चक्का ट्रक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मंडला-जबलपुर नेशनल हाईवे-30 पर फूलसागर पुल में एक बड़ा हादसा हो गया। रायपुर से दिल्ली की ओर जा रहा क्राइल लोड 16 चक्का ट्रक अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में जा गिरा। हादसे के बाद चालक ट्रक के केबिन में फंस गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची काफी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया घायल चालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जानकारी के अनुसार 16 चक्का ट्रक रायपुर से क्राइल लोड कर दिल्ली की ओर जा रहा था इसी दौरान फूलसागर पुल से गुजरते समय ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया चालक संभल पाता इससे पहले ही ट्रक पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे नदी में जा गिरा।

अवैध शराब के कारोबार पर आबकारी-पुलिस का शिकंजा : होटल-ढाबों पर ताबड़तोड़ छापे, जहरीली शराब की आशंका के बीच प्रशासन अलर्ट

मण्डला(स्वतंत्रमत)





जिला मुख्यालय में अवैध शराब के क्रय-विक्रय को लेकर आबकारी और पुलिस विभाग एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। अवैध शराब के कारोबार पर लगाम कसने के लिए दोनों विभागों ने कार्यवाही तेज कर दी है। शहर के होटल ढाबों और शराब की बिक्री से जुड़े संदिग्ध ठिकानों पर लगातार छापेमार कार्यवाही की जा रही है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुछ दुकानों को सील भी किया गया है महुआ से तैयार होने वाली कच्ची शराब से लेकर देशी और विदेशी मदिरा तक की जांच की जा रही है प्रशासन की सक्रियता के बीच अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति है जहरीली शराब की आशंका ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। दूसरे शहर और महानगरों से सामने आने वाली जहरीली शराब की घटनाओं को देखते हुए जिले में भी सतर्कता बरती जा रही है। शराब के अवैध निर्माण भंडारण और बिक्री की संभावनाओं को गंभीरता से लेते हुए आबकारी विभाग और पुलिस संयुक्त रूप से निगरानी और कार्यवाही कर रहे हैं। अधिकारियों का जोर इस बात पर है कि अवैध शराब की आपूर्ति और बिक्री पर समय रहते रोक लगाई जाए ताकि किसी भी संभावित हादसे को टाला जा सके जिला मुख्यालय में होटल और ढाबों सहित उन स्थानों पर विशेष नजर रखी जा रही है जहां अवैध रूप से शराब परोसे जाने या बेचने की आशंका है विभागीय टीमें अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर जांच कर रही हैं। शराब के भंडारण बिक्री और संबंधित नियमों के पालन की पड़ताल की जा रही है कार्यवाही का दायरा केवल शराब की दुकानों तक सीमित नहीं है बल्कि संदिग्ध गतिविधियों वाले अन्य ठिकानों को भी जांच के दायरे में लिया जा रहा है लगातार हो रही छापेमार कार्यवाही से यह स्पष्ट है कि प्रशासन अवैध शराब के कारोबार को हल्के में लेने के मूड में नहीं है जिन स्थानों पर नियमों का उल्लंघन सामने आ रहा है वहां नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री की आशंका वाले स्थानों पर कार्यवाही महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

परिहार ढाबा एवं याराना ढाबा में छापा

अवैध शराब के भंडारण एवं विक्रय पर रोक लगाने के लिए प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने हाईवे किनारे स्थित ढाबों पर जांच अभियान चलाया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शैलेंद्र चौधरी के निर्देशन में की गई कार्यवाही के दौरान परिहार ढाबा एवं याराना ढाबा में 100 लीटर से अधिक शराब अवैध रूप से रखी हुई पाई गई जांच के दौरान टीम ने शराब जब्त कर दोनों ढाबों के संचालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही के लिए प्रकरण दर्ज कराए। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि अवैध शराब के भंडारण एवं बिक्री पर रोक लगाने के लिए जांच और कार्यवाही लगातार जारी रहेगी कार्यवाही के दौरान एसडीओपी पीयूष मिश्रा, तहसीलदार हिमांशु भलावी एवं नायब तहसीलदार राकेश कटारिया सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग का अमला उपस्थित रहा।

आबकारी विभाग ने पकड़ी शराब

कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा मंडला नैनपुर एवं बिछिया क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरुद्ध दबीश की कार्यवाही की गई शहर के मछली मार्केट स्थित एक दुकान से 48 नग देशी मदिरा प्लेन तथा देवदरा में मुक्तिधाम के आगे से 40 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा बरामद कर जब्त की गई। दोनों मामलों में प्रकरण पंजीबद्ध किए गए नैनपुर क्षेत्र के ग्राम डिठौरी से 7 लीटर कच्ची मदिरा एवं 120 किलोग्राम महुआ लाहन तथा बिछिया क्षेत्र के ग्राम सिझोरा के पास नाले से 45 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा जब्त की गई इस प्रकार कुल 5 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत पंजीबद्ध किए गए जब्त मदिरा एवं महुआ लाहन की कुल अनुमानित कीमत 28 हजार 170 रुपये है।

अंजनिया में हुई कार्यवाही

जिले में अवैध शराब के संग्रहण एवं विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी क्रम में पुलिस चौकी अंजनिया को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम झिंगराघाट पुल के पास एक व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप से शराब संग्रहित कर बिक्री करने की तैयारी में है सूचना पर थाना प्रभारी बम्हनी सत्येंद्र रघुवंशी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर दबिश दी गई पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

लगातार कार्यवाही से मचा हड़कंप

नारायणगंज मंडला एवं नैनपुर क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए कुल 7 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत पंजीबद्ध किए गए। नारायणगंज क्षेत्र के ग्राम पिपरिया एवं खुसर में एक घर एवं दुकान की जांच के दौरान 12 नग प्लेन मदिरा तथा 6 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा बरामद कर जप्त की गई। मंडला क्षेत्र के ग्राम बिनेका में अवैध मदिरा विक्रय के 2 प्रकरण दर्ज कर 18 लीटर कच्ची मदिरा जप्त की गई। इसी प्रकार नैनपुर क्षेत्र के ग्राम मक्के एवं जामगांव में 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्यवाही करते हुए मोहगांव पुलिस ने ग्राम सालीवाड़ा में दबिश देकर 150.180 लीटर अवैध शराब जब्त की है। जब्त शराब की कुल कीमत 77,381 रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 नवंबर को अवैध शराब रखे होने की सूचना मिलने पर मोहगांव पुलिस ने ग्राम सालीवाड़ा में चमरूसिंह मार्को के कच्चे मकान में दबिश दी।

इनका कहना

अवैध शराब की विक्रय रोकथाम को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है सभी थाना चौंकी प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। लगातार प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

राजेश रघुवंशी
पुलिस अधीक्षक मंडला

सागर और देवास में जहरीली शराब के प्रकरण सामने आए हैं विशेष अभियान चलाकर जांच पड़ताल की जा रही है। वहीं कबाड़ियों की गोदामों में भी जांच पड़ताल की गई है। अवैध शराब विक्रय पर लगातार मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

सतीश कश्यप
जिला आबकारी अधिकारी मंडला

सांदीपनि में बाल दिवस पर लगा मेला

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)



प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस अवसर पर सांदीपनि विद्यालय टिकरिया नारायणगंज में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन एवं अन्य सामग्री के स्टॉल लगाकर अपनी रचनात्मकता और हुनर का प्रदर्शन किया। विद्यालय की स्कूल प्रभारी संगीता गुप्ता एवं शाला प्रभारी नीलू कुशराम ने बताया कि बच्चों को व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से सीखने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के उद्देश्य से स्टॉल लगाए गए। इनमें कात्यायनी मरावी ने फुल्की, अवनि अग्निहोत्री ने इडली-सांभर, अनुष्का ने भेलपुरी, हर्षिता पटवा ने सौंदर्य सामग्री तथा कान्हा नागेश्वर और वैभव परते ने मनोरंजक खेलों के स्टॉल लगाए। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ अपने-अपने स्टॉल सजाए और गतिविधियों में सहभागिता की इस अवसर पर विद्यालय के माध्यमिक शिक्षक चंद्रकांत ठाकुर, अवधेश सिंगरौली, शाला प्रभारी नीलू कुशराम, सुशीला मार्को, गोमती हुई, दिव्या गढेवाल, प्रतिभा मिश्रा, निशा श्रीवास, कुंजन पंद्रों एवं सीएसी दिनेश सैयाम सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

मां की तेरहवीं पर भेंट किए 501 पौधे

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)



मां के प्रति श्रद्धा और सम्मान को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए राजपूत परिवार ने एक अनूठी पहल की। परिवार ने मां की तेरहवीं रस्म के अवसर पर शामिल हुए अतिथियों को 501 पौधे भेंट कर प्रकृति को बचाने और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनाज व्यवसायी इंद्रेश राजपूत की भाभी एवं किराना व्यवसायी आशीष बाबूजी तथा अनिल अनु राजपूत की माताजी श्रीमती रामबाई राजपूत का निधन हो गया था। उनकी तेरहवीं रस्म संपन्न हुई। इस अवसर पर परिवार की ओर से सभीजनों को बेल शमी तुलसी एवं आम के पौधे मिठाई का डिब्बा तथा एक विशेष बैग भेंट किया गया। इस बैग पर एक पेड़ मां के नाम का संदेश अंकित था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि माताजी को पेड़-पौधों और पर्यावरण से विशेष लगाव था। उनकी स्मृति को हमेशा जीवित रखने और उनकी प्रकृति प्रेम की भावना को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। आज तेजी से दूषित होते पर्यावरण और बढ़ते प्रदूषण के बीच पौधारोपण बेहद जरूरी हो गया है। परिवार का मानना है कि ये 501 पौधे जहां भी लगाए जाएंगे वहां हरियाली बढ़ाने के साथ मानव जीवन और प्रकृति के कल्याण में योगदान देंगे।

चुटका के ग्रामीणों के साथ किया संवाद

मण्डला(स्वतंत्रमत)



चुटका परमाणु परियोजना को लेकर प्रशासन ने जनसंवाद को और मजबूत करते हुए ग्राम चुटका के ग्रामीणों से सीधे मुलाकात की। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने चुटका गांव पहुंचकर ग्रामीणों के बीच चबूतरा पर बैठकर खुली चर्चा की जिससे संवाद का माहौल सहज और भरोसेमंद बना। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण मुआवजा अवार्ड वितरण विस्थापन और पुनर्वास से जुड़ी अपनी आशंकाएं और सवाल रखे। उन्होंने मुआवजे की पारदर्शिता पुनर्वास स्थल की सुविधाओं तथा आजीविका के विकल्पों को लेकर चिंता जताई। कलेक्टर ने सभी बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि शासन की मंशा पूरी तरह जनहित में है और प्रत्येक प्रक्रिया नियमों के तहत पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पात्र परिवार के साथ अन्याय नहीं होगा और सभी को नियमानुसार उचित मुआवजा एवं विस्थापन पैकेज दिया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि 2012 के बाद जिस परिवार की बेटी की शादी हो चुकी है उसे बेटी को भी पैकेज दिया जाएगा। उन्होंने एसडीएम को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक प्रभावित परिवार से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें अवार्ड, पुनर्वास नीति प्लॉट आवंटन बुनियादी सुविधाओं एवं अन्य लाभों की पूरी जानकारी समझाएं ताकि किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति न बने। पुलिस अधीक्षक ने भी ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए उनकी सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि नवनिर्मित पुनर्वास कॉलोनी को बेहतर सुविधाओं पेयजल सड़क बिजली स्कूल एवं स्वास्थ्य सेवाओं से सुसज्जित किया जा रहा है जिससे प्रभावित परिवारों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे प्रशासन के साथ सहयोग करें ताकि विकास कार्य समयबद्ध रूप से पूरे हो सकें। संवाद के अंत में अधिकारियों ने ग्रामीणों की शंकाओं का मौके पर ही समाधान किया और आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार सीधे संवाद के माध्यम से समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। इस दौरान एएसपी पीएस वालरे एसडीएम सीएल वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नशे में धुत चालक का तांडव

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। जिले के बिछिया में देर रात नशे में धुत कार चालक ने जमकर तांडव मचाया। बेकाबू कार ने सड़क किनारे खड़ी करीब 10 से 12 गाड़ियों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद नेशनल हाईवे पर एक बाइक सवार को भी जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।

प्राकट्य दिवस पर भजन संध्या कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। हरे माधव परमार्थ सत्संग समिति कटनी शाखा द्वारा सतगुरु बाबा ईश्वर शाह साहिब के प्राकट्य दिवस के अवसर पर स्थानीय माहिष्मति घाट में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक एवं भजन संध्या का कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ आयोजन में भक्ति सत्संग सेवा और आध्यात्मिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिला कार्यक्रम के दौरान मां नर्मदा का पूजन-अर्चन कर हरे माधव अरदास की गई। दिल्ली से आए भजन गायक सुनील अरोरा ने हरे माधव भजनों की संगीतमय प्रस्तुतियां दीं भजनों की मधुर स्वर लहरियों ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर किया एलईडी के माध्यम से बाबा ईश्वर शाह की ब्रम्ह बाल लीलाओं के दर्शन कराए गए ईश्वर नादम पथक दल के बाल सदगुरु सेवकों के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। हरे माधव शोभायात्रा निकाली गई शोभायात्रा बैगा-बैगी चौक से प्रारंभ होकर नेहरू स्मारक होते हुए माहिष्मति घाट पहुंची मार्ग में श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धा भाव



के साथ सहभागिता की शोभायात्रा के माध्यम से सतगुरु के आध्यात्मिक संदेश और भक्ति की भावना का प्रसार किया गया आयोजन में कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके शामिल हुई उन्होंने इस भक्तिपूर्ण आयोजन की सराहना की इस अवसर पर समाजसेवी प्रफुल्ल मिश्रा, संजय कुशराम एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महाराजपुर पुलिस ने पकड़ा जुआ फड़

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा तथा अनुविभागीय अधिकारी पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है इसी क्रम में थाना महाराजपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम रामबाग के अंदर खेत में कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी महाराजपुर निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा जुआ फड़ पर दबिश दी गई पुलिस टीम द्वारा मौके पर संचालित दो अलग-अलग जुआ फड़ों पर कार्यवाही करते हुए कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही के दौरान आरोपियों के कब्जे एवं जुआ फड़ों से 32,300 नगद 52 ताश के पत्ते एवं 3



मोटरसाइकिल जिनकी अनुमानित कीमत 4,30,000 है विधिवत जब्त की गई इस प्रकार पुलिस द्वारा कुल 4,62,300 चार लाख बासठ हजार तीन सौ रुपये का मशरूका जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक भीमराव मेश्राम, सहायक उप निरीक्षक रमेश पाल, प्रधान आरक्षक अमित गरयार वरकड़े, सुनीराम मरावी, चंद्रशेखर तथा आरक्षक सुंदर भलावी, शिवा नाविक, संदीप पुसाम, हरिदास बिनझिया, यशवंत धुर्वे, राज बघेल एवं विष्णु जंभरे की भूमिका रही।

एकीकृत शा. हाईस्कूल मक्के में बाल दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा जयंती का संयुक्त आयोजन

विद्यार्थियों ने कविता, गीत एवं भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किए विचार, प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

नैनपुर (स्वतंत्र मत)



विकास खंड नैनपुर के एकीकृत शासकीय हाईस्कूल मक्के में 14 नवंबर 2026 को बाल दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य यशवंत कुमार धुर्वे ने किया कार्यक्रम का संचालन साहित्यकार एवं शिक्षक वल्लभ यमुनेश्वरी ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बाल दिवस एवं जनजातीय गौरव दिवस के महत्व पर अपने विचार कविता, गीत एवं भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित शिक्षकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर शिक्षक एस.आर. गोंड, दिनेश नगपुरे, प्रवीण कुमार, श्रीमती रीना यादव एवं श्रीमती शिल्पा हरदहा ने अपने उद्बोधन में बाल दिवस तथा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश दिए। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य यशवंत कुमार धुर्वे ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना करते हुए शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

छठ महापर्व आस्था, प्रकृति और मानवता के सम्मान का अनुपम संदेश

सौरभ वार्ष्णेय

भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं में छठ महापर्व का विशेष स्थान है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या सूर्य देव की उपासना का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सामाजिक समरसता, अनुशासन, त्याग, पवित्रता और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत संगम है। छठ का पर्व हमें जीवन के उस मूल सत्य से परिचित कराता है, जिसे आधुनिकता और भागदौड़ के बीच हम कहीं न कहीं भूलते जा रहे हैं। यह पर्व सिखाता है कि मनुष्य का जीवन प्रकृति के बिना अधूरा है और हमारी आस्था तभी सार्थक हो सकती है, जब उसमें प्रकृति का सम्मान, समाज का कल्याण और मानवता की भावना भी शामिल हो।

छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रकृति को ही आराध्य मानकर उसकी पूजा की जाती है। सूर्य, जल, वायु और पृथ्वी जैसे जीवन के आधारभूत तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करना इस पर्व का मूल भाव है। सूर्य के बिना धरती पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। सूर्य से ही ऊर्जा मिलती है, कृषि को प्रकाश और ताप मिलता है तथा समस्त जीव-जगत का अस्तित्व कायम रहता है। वहीं नदियां, तालाब और अन्य जलस्रोत मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं। छठ व्रती अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के प्रत्येक स्वरूप का अपना महत्व है और उसके प्रति मनुष्य को सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए।

आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, जंगलों की कटाई और पर्यावरण असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब छठ महापर्व की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। विडंबना यह है कि जिस प्रकृति की हम पूजा करते हैं, उसी प्रकृति को अपने स्वार्थ और लापरवाही से नुकसान भी पहुंचा रहे हैं। नदियों में गंदगी डालना, तालाबों पर अतिक्रमण करना, प्लास्टिक का अंधाधुंध इस्तेमाल और जलस्रोतों को प्रदूषित करना हमारी सामाजिक आदतों का हिस्सा बनता जा रहा है। ऐसे में छठ का पर्व हमें आत्ममंथन करने का अवसर देता है। यदि हम वास्तव में सूर्य और जल की उपासना करते हैं, तो नदियों और तालाबों को स्वच्छ रखना भी हमारी धार्मिक और सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

छठ महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक समानता और सामूहिक सहभागिता है। इस पर्व में जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और आर्थिक स्थिति के भेदभाव से ऊपर उठकर लोग एक-दूसरे के साथ खड़े दिखाई देते हैं। घाटों की सफाई से लेकर सजावट, प्रकाश व्यवस्था, पूजा सामग्री की व्यवस्था और व्रतियों की सहायता तक समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी भूमिका निभाता है। कोई घाट साफ करता है, कोई रास्ते को व्यवस्थित करता है, कोई प्रसाद वितरण में सहयोग देता है तो कोई जरूरतमंद श्रद्धालुओं की सहायता करता है। यह सामूहिकता भारतीय समाज की उस



खूबसूरत तस्वीर को सामने लाती है, जिसमें व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर सामूहिक कल्याण को प्राथमिकता दी जाती है।

आज के समय में जब समाज अनेक प्रकार के विभाजनों, वैचारिक मतभेदों और आपसी तनावों से गुजर रहा है, छठ का पर्व हमें एकजुटता का संदेश देता है। यह बताता है कि धार्मिक आस्था का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यक्तिगत मनोकामनाओं की पूर्ति नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सहयोग और सद्भाव का वातावरण बनाना भी है। किसी भी पर्व की सार्थकता तभी है, जब उससे समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों को भी सम्मान और सहयोग मिले।

इस पर्व में महिलाओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। कठिन व्रत, संयम, उपवास और कठोर नियमों का पालन करते हुए महिलाएं जिस श्रद्धा और धैर्य का परिचय देती हैं, वह भारतीय नारी की शक्ति, संकल्प और आत्मविश्वास का प्रतीक है। हालांकि छठ पूजा में पुरुष भी समान श्रद्धा के साथ व्रत रखते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। यह पर्व परिवार के सभी सदस्यों को जिम्मेदारी, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता का पाठ पढ़ाता है। चार दिनों तक चलने वाला यह अनुष्ठान नहाय-खाय से प्रारंभ होकर खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य तक पहुंचता है। प्रत्येक चरण में शुद्धता, संयम और समर्पण की भावना दिखाई देती है।

छठ की एक और विशेषता यह है कि इसमें केवल उगते सूर्य की ही नहीं, बल्कि डूबते सूर्य की भी उपासना की जाती है। यह परंपरा अपने आप में अत्यंत गहरा सामाजिक और दार्शनिक संदेश समेटे हुए है। सामान्यत: दुनिया में उगते सूर्य को प्रणाम करने की परंपरा अधिक दिखाई देती है, लेकिन छठ में अस्ताचलगामी सूर्य को भी उतनी ही श्रद्धा से अर्घ्य दिया जाता है। इसका अर्थ है कि हमें केवल सफलता, शक्ति और समृद्धि का ही सम्मान नहीं करना चाहिए, बल्कि जीवन के उतार-चढ़ाव, संघर्ष और अस्तित्व के प्रत्येक चरण को भी समान सम्मान देना चाहिए। समाज में भी हमें केवल सफल और प्रभावशाली लोगों के साथ नहीं, बल्कि संघर्ष कर रहे लोगों के साथ भी खड़ा होना चाहिए। यही मानवीय संवेदना का वास्तविक स्वरूप है।

छठ महापर्व का प्रसाद भी सादगी, शुद्धता और सामूहिकता का प्रतीक है। ठेकुआ, फल, गन्ना, नारियल और अन्य पारंपरिक सामग्री के माध्यम से स्थानीय कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारंपरिक जीवनशैली को प्रोत्साहन मिलता है। इस पर्व से किसानों, फल विक्रेताओं, कुम्हारों, बांस से सामग्री बनाने वाले कारीगरों और छोटे व्यापारियों को रोजगार मिलता है। इस दृष्टि से छठ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और पारंपरिक कारीगरी को मजबूत करने वाला सांस्कृतिक उत्सव भी है। आधुनिक बाजारवाद के दौर में यह पर्व हमें स्वदेशी उत्पादों, स्थानीय संसाधनों और सादगीपूर्ण जीवन के महत्व की याद दिलाता है।

हालांकि छठ महापर्व की बढ़ती लोकप्रियता के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। बड़े शहरों में कृत्रिम घाटों की व्यवस्था, जलस्रोतों पर बढ़ता दबाव, प्लास्टिक और कचरे का जमाव तथा यातायात और सुरक्षा संबंधी समस्याएं चिंता का विषय हैं। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद पर्याप्त सफाई, पेयजल, प्रकाश और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पातीं। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह छठ से पहले घाटों की समुचित सफाई, जल की गुणवत्ता की जांच, सुरक्षा प्रबंध, महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं और आपातकालीन सेवाएं सुनिश्चित करे। वहीं श्रद्धालुओं को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। पूजा के बाद प्लास्टिक, पॉलीथिन, फूल-मालाएं और अन्य कचरा जलस्रोतों में नहीं डालना चाहिए। पर्यावरण के अनुकूल पूजा सामग्री का उपयोग करना चाहिए तथा घाटों की स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए।

यह भी आवश्यक है कि छठ जैसे पर्वों को किसी क्षेत्र विशेष या समुदाय तक सीमित करके न देखा जाए। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से निकलकर छठ आज देश के लगभग हर बड़े शहर और विदेशों में बसे भारतीय समुदायों तक पहुंच चुका है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, सूरत, गुरुग्राम और नोएडा जैसे महानगरों में इसकी व्यापकता इस बात का प्रमाण है कि भारतीय संस्कृति की जड़ें कितनी गहरी हैं। अलग-अलग राज्यों और भाषाओं के लोग इस पर्व में शामिल होकर भारतीय सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हैं। यह पर्व बताता है कि विविधताओं के बावजूद हमारी आस्थाएं और जीवन मूल्य हमें एक सूत्र में बांध सकते हैं।

वास्तव में छठ महापर्व हमें केवल चार दिनों तक नियम और संयम का पालन करने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि पूरे वर्ष अपने व्यवहार में प्रकृति, समाज और मानवता के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश देता है। यदि हम छठ के अवसर पर सूर्य को अर्घ्य देते हैं, तो हमें ऊर्जा की बर्बादी रोकने का भी संकल्प लेना चाहिए। यदि हम नदियों और तालाबों के किनारे पूजा करते हैं, तो उनकी स्वच्छता और संरक्षण की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। यदि हम सामूहिक रूप से पर्व मनाते हैं, तो समाज में व्याप्त भेदभाव, गरीबी और असमानता को दूर करने के प्रयास भी करने चाहिए।

छठ महापर्व की वास्तविक महिमा केवल पूजा-पाठ, व्रत और परंपराओं में नहीं, बल्कि उन जीवन मूल्यों में छिपी है, जिन्हें यह समाज को सौंपता है। आस्था का अर्थ केवल ईश्वर के सामने सिर झुकाना नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति संवेदनशील होना, समाज के प्रति उत्तरदायी बनना और जरूरतमंदों के प्रति सहयोग का हाथ बढ़ाना भी है। हमें यह समझना होगा कि जिस समाज में नदियां स्वच्छ हों, पर्यावरण सुरक्षित हो, आपसी सद्भाव कायम हो और हर व्यक्ति को सम्मान मिले, वही समाज वास्तव में धार्मिक और संस्कारित कहलाने योग्य है। छठ का पर्व हमें यही संदेश देता है कि आस्था तभी सार्थक है, जब उसके साथ प्रकृति का सम्मान, समाज का कल्याण और मानवता की भावना भी जुड़ी हो। यही इस महापर्व की सबसे बड़ी सीख है और यही भारतीय संस्कृति की वास्तविक पहचान भी है।

कार्तिक मास में तुलसी विवाह का महत्व

देवोत्थान एकादशी पर ऐसे पाएं लक्ष्मी-विष्णु का आशीर्वाद!



कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव पूरे भारत वर्ष में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि कार्तिक मास में जो भी व्यक्ति तुलसी जी का विवाह भगवान शालीग्राम से कराता है उसको सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन देवोत्थान एकादशी तथा भीष्म पंचक एकादशी भी मनाई जाती है। दीपावली के ठीक बाद पड़ने वाली इस एकादशी को प्रबोधिनी एकादशी भी कहा जाता है। कहा जाता है कि कार्तिक मास में तुलसी के पास दीपक जलाने से अनंत पुण्य प्राप्त होता है। तुलसी को साक्षात लक्ष्मी का निवास माना जाता है इसलिए कहा जाता है कि जो भी इस मास में तुलसी के समक्ष दीप जलाता है उसे अत्यन्त लाभ होता है।

इस दिन सुबह उठ कर स्नान आदि से निवृत्त हो सच्चे मन से व्रत रखना चाहिए और शाम को एक सुंदर मण्डप की स्थापना कर विधि पूर्वक गाजे बाजे के साथ तुलसी जी का विवाह भगवान शालीग्राम से कराना चाहिए। तुलसी भगवान विष्णु को काफी प्रिय हैं। तुलसी का विवाह करने के बाद पौधा किसी ब्राम्हण को देना चाहिए। तुलसी विवाह का आयोजन इसलिए किया जाता है क्योंकि देवोत्थान एकादशी से छह महीने तक देवताओं का दिन प्रारंभ हो जाता है। इसलिए तुलसी का भगवान श्री हरि विष्णु के शालीग्राम स्वरूप के साथ प्रतीकात्मक विवाह कर श्रद्धालु उन्हें बैकुण्ठ धाम के लिए विदा करते हैं।

तुलसी विवाह की विधि

सर्वप्रथम विवाह के तीन माह पूर्व से ही तुलसी के पौधे को नियमित सींचें और पूजन करें। उसके बाद विवाह मुहूर्त में मंगलगान और मंत्रोच्चारण से मंडप का निर्माण करें और चार ब्राह्मणों द्वारा गणपति-मातृका पूजन और पुण्याहवाचन कराएं। तत्पश्चात मंदिर की साक्षात मूर्ति के साथ लक्ष्मीनारायण तथा तुलसी को शुभ आसन पर पूर्वाभिमुख विराजमान करें। यजमान पत्नी के साथ उत्तराभिमुख आसन ग्रहण करे। अब गोधुलीय समय में वर की पूजा करें और मंत्रोच्चार सहित कन्या दान करें। इसके बाद हवन और अग्नि परिक्रमा कराएं और फिर वस्त्र और आभूषण आदि अपने सामर्थ्य अनुसार चढ़ाएं। अब ब्राह्मणों को भोजन कराने के बाद खुद भी भोजन कर लें और अंत में मंगलगान से विवाह कार्यक्रम का समापन करें।

तुलसी विवाह व्रत कथा

भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा को अपने रूप पर बड़ा गर्व था। वे सोचती थीं कि रूपवती होने के कारण ही श्रीकृष्ण उनसे अधिक स्नेह रखते हैं। एक दिन जब नारदजी उधर गए तो सत्यभामा ने कहा कि आप मुझे आशीर्वाद दीजिए कि अगले जन्म में भी भगवान श्रीकृष्ण ही मुझे पति रूप में प्राप्त हों। नारदजी बोले, %नियम यह है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी प्रिय वस्तु इस जन्म में दान करे तो वह उसे अगले जन्म में प्राप्त होगी। अत: तुम भी श्रीकृष्ण को दान रूप में मुझे दे दो तो वे अगले जन्मों में जरूर मिलेंगे। सत्यभामा ने श्रीकृष्ण को नारदजी को दान रूप में दे दिया। जब नारदजी उन्हें ले जाने लगे तो अन्य रानियों ने उन्हें रोक लिया। इस पर नारदजी बोले, %यदि श्रीकृष्ण के बराबर सोना व रत्न दे दो तो हम इन्हें छोड़ देंगे।

तब तराजू के एक पलड़े में श्रीकृष्ण बैठे तथा दूसरे पलड़े में सभी रानियां अपने-अपने आभूषण चढ़ाने लगीं, पर पलड़ा टस से मस नहीं हुआ। यह देख सत्यभामा ने कहा, यदि मैंने इन्हें दान किया है तो उबार भी लूंगी। यह कह कर उन्होंने अपने सारे आभूषण चढ़ा दिए, पर पलड़ा नहीं हिला। वे बड़ी लज्जित हुईं। सारा समाचार जब रुक्मिणी जी ने सुना तो वे तुलसी पूजन करके उसकी पत्ती ले आईं। उस पत्ती को पलड़े पर रखते ही तुला का वजन बराबर हो गया। नारद तुलसी दल लेकर स्वर्ग को चले गए।

रुक्मिणी श्रीकृष्ण की पटरानी थीं। तुलसी के वरदान के कारण ही वे अपनी व अन्य रानियों के सौभाग्य की रक्षा कर सकीं। तब से तुलसी को यह पूज्य पद प्राप्त हो गया कि श्रीकृष्ण उसे सदा अपने मस्तक पर धारण करते हैं। इसी कारण इस एकादशी को तुलसीजी का व्रत व पूजन किया जाता है।

अक्षय नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा से मिटेंगे सारे कष्ट

हिंदू धर्म में अक्षय नवमी एक बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार है। इस पर्व को विशेष रूप से पुण्य कार्यों के लिए जाना जाता है। क्योंकि इसदिन किए गए अच्छे कर्मों का फल कभी समाप्त नहीं होता है। अक्षय नवमी को समृद्धि और पुण्य की प्राप्ति का दिन भी माना जाता है। अक्षय नवमी का संबंध भगवान श्रीहरि विष्णु से है। जोकि सृष्टि के पालनहार माने जाते हैं। इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा करने से जातक को अनंत पुण्यफल की प्राप्ति होती है। तो आइए जानते हैं अक्षय नवमी पर पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व के बारे में...

इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु के साथ ही आंवले के पेड़ की भी पूजा की जाती है। इससे व्यक्ति के जीवन में आने वाली समस्याओं का अंत होता है और जातक को मनोवांछित फल प्राप्त होता है। धार्मिक ग्रंथों में बताया गया है कि इस दिन की जाने वाली पूजा और दान-पुण्य का फल अक्षय होता है। यह न सिर्फ इस जन्म बल्कि अगले जन्मों में भी शुभ फल देता है।



अक्षय नवमी की पूजा विधि

- इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदिकर सूर्य देव को जल अर्पित करें।
- फिर आंवले के पेड़ के जड़ में जल अर्पित करें।
- आंवले के पेड़ की जड़ में रोली, हल्दी, चावल और फूल आदि अर्पित करें।
- इसके बाद दीपक जलाएं और पूजा करें।
- अब आंवले के पेड़ की सात बार परिक्रमा करें और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करें।
- पूजा के दौरान श्रीहरि विष्णु का ध्यान करते हुए ऊँ विष्णुवे नम: मंत्र का जाप करें।
- इसके बाद मिठाई या फल आदि का भोग अर्पित करें।
- इस दिन आंवले के पेड़ के नीचे भोजन करना शुभ माना जाता है।

नवंबर में थार रेगिस्तान में ड्यून बैशिंग और पैरासेलिंग का लें मजा

दिव्यांशी भदौरिया

नवंबर का महीना राजस्थान घूमने के लिए सबसे बढ़िया है। ऐसे में आप गोल्डन सिटी यानी जैसलमेर घूमने के लिए नवंबर का महीना सबसे अच्छा माना जाता है। इस दौरान न ज्यादा गर्मी और न ही ठंड। दिन में अच्छी धूप और रात में सुहावनी ठंडक के बीच थार रेगिस्तान की खूबसूरती एकदम सुंदर नजर आती है। नवंबर के महीने में जैसलमेर घूमने का एक अलग ही मजा होता है। अगर आप नवंबर के महीने में जैसलमेर की ट्रिप का प्लान करे रहे, तो सिर्फ सोनार किला या हवेलियां देखकर वापस चले आएं। इन एडवेंचर एक्टिविटी को जरुर एन्जॉय करें।

ड्यून बैशिंग

अगर आप जैसलमेर जा रहे हैं और वहां पर आप ने थार के बड़े रेतीले टीलों पर जीप सफारी नहीं की, तो जैसलमेर की ट्रिप आपकी अधूरी मानी जाएगी। जैसलमेर में ड्यून बैशिंग एक बहुत ही एडवेंचरस एक्सपीरियंस है, जिसमें एक जीप रेत के ऊंचे-नीचे टीलों पर बहुत तेज की स्पीड में चलती है। जब गाड़ी अचानक से रेत के ऊंचे



टीले से नीचे फिसलती है या तिरछी होकर मुड़ती है, तो दिल की धड़कनें तेज हो सकती है। सैंड ड्यून्स को लोग मजा लेने जरुर जाते हैं।

पैरासेलिंग और पैरामोटरिंग

वैसे तो रेगिस्तान की सुनहरी रेत जमीन से हर कोई देखता है, लेकिन आसमान की ऊंचाई से इसे देखने का मजा कुछ और ही होता है। जैसलमेर के सम सैंड ड्यून्स इलाके में पैरासेलिंग और पैरामोटरिंग जैसी एयर एडवेंचर एक्टिविटीज भी करवाई जाती है। पैरासेलिंग में आपको एक पैराशूट से बांधकर जीप के जरिए हवा में उड़ाया जाता है। वहीं, पैरामोटरिंग में एक छोटे इंजन वाले ग्लाइड पर पायलट के साथ बैठकर आप सैकड़ों फीट की ऊंचाई तक उड़ान भारी जाती है।

हॉट एयर बैलून राइड

यदि आपको ऊंचाई से खूबसूरत नजारे का दीदार करना है, तो आप जैसलमेर में हॉट एयर बैलून की सवारी भी आप कर सकती हैं। नवंबर के साफ आसमान में एक बड़े रंग-बिरंगे गुब्बारे की टोकरों में सवार होकर जब धीरे-धीरे हवा में ऊपर उठेंगी, तो नीचे की खूबसूरती देखने लायक होगी। वैसे एक्टिविटी पूरी तरह सेफ होती है लड़कियों को खास तौर पंसद आती है। खास बात यह है कि हॉट एयर बैलून राइड फोटोग्राफी के लिए सबसे बेहतरीन है।

आज दिया जाएगा डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य

छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाला महापर्व है। इस दौरान हर एक दिन का अपना अलग महत्व होता है। वहीं छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य का विशेष महत्व होता है। संध्या अर्घ्य पर व्रती डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर सूर्य देव और छठी मइया की पूजा करती हैं। ठेकुआ, फल, नारियल व गन्ने से सजे सूप के साथ विधि-विधान से सूर्य देव और छठी मइया की पूजा की जाती है।

संध्या अर्घ्य की तारीख- नहाय-खाय और खरना के बाद तीसरे दिन संध्या अर्घ्य दिया जाता है। इस बार संध्या अर्घ्य का अनुष्ठान 15 नवंबर 2026 को किया जाएगा। इस दिन व्रती सूर्यास्त के समय जल में खड़ी होकर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करेंगे। वहीं अगले दिन यानी की 16 नवंबर को उगते सूर्य को उषा अर्घ्य दिया जाएगा। इसी के साथ की चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा।

संध्या अर्घ्य की पूजा विधि- संध्या अर्घ्य के दिन व्रत करने वाली महिलाएं स्नान कर साफ कपड़े पहनती हैं। फिर बांस के सूप और दउरा में फल, ठेकुआ, गन्ना, नारियल और अन्य पूजन सामग्री सजाई जाती है। वहीं परिवार के सदस्य पूजा का सामना लेकर तालाब, नदी या फिर निर्धारित छठ घाट पर जाते हैं। व्रती सूर्यास्त के दौरान पानी में खड़े होकर सूर्य देव को जल और दूध अर्पित करते हैं। फिर सूर्य देव और छठी माता की पूजा-अर्चना की जाती है।

संध्या अर्घ्य का महत्व- बता दें कि छठ पूजा में डूबते सूर्य को अर्घ्य देना श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। सूर्य देव को जीवन, ऊर्जा और प्रकाश का आधार माना जाता है और आराधना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक संध्या अर्घ्य में सूर्य देव के साथ-साथ संध्याकाल की अधिष्ठात्री देवी प्रत्यूषा की भी आराधना की जाती है।

दिवाली के पटाखों के धुएं से काली हुई दीवार और पर्दे...ऐसे करें सफाई

मिताली जैन

दिवाली पर पटाखे फोड़ने का मजा तो बहुत आता है, लेकिन उसके दो-तीन दिन बाद ध्यान जाता है कि खिड़की के पास वाले पर्दे का रंग धूसर हो गया है, और जहां दीये रखे थे, उनके ठीक ऊपर दीवार पर काली लकीरें बन गई हैं। पहली आदत होती है गीला कपड़ा उठाकर रगड़ देने की। कालिख के साथ यह आम गलती है, क्योंकि पानी लगते ही वह फैलकर दीवार में और गहरी बैठ जाती है। तो चलिए जानते हैं कि पटाखों के धुएं से काली हुई दीवार व पर्दों की सफाई कैसे करें-

पहले सूखी सफाई, फिर गीली

जब समझ न आए कि सतह कैसी है, तो पहले सूखा तरीका आजमाएं, घोल उसके बाद। हालांकि, काम शुरू करने से पहले नीचे रखा फर्नीचर और कालीन किसी पुरानी चादर से ढक दें, मास्क और दस्ताने पहन लें, और कमरे की खिड़कियां



खोल दें। घर में किसी को अस्थमा या सांस की तकलीफ है, तो उन्हें उस कमरे से दूर रखें।

दीवार से कालिख ऐसे हटाएं

दीवार से कालिख हटाने के लिए हमेशा वैक्यूम से शुरुआत करें। वैक्यूम क्लीनर में ब्रश वाला हिस्सा लगाएं और दीवार को छुए बिना, थोड़ा ऊपर रखकर कालिख खींचें। काम हमेशा ऊपर से नीचे की ओर करें, ताकि गिरती धूल पहले से साफ हिस्से को दोबारा गंदा न करे।

बाजार में ड्राई क्लीनिंग स्पंज या सूट स्पंज मिलता है, जो बिना पानी के कालिख उठा लेता है। मेलामाइन स्पंज (जिसे मैजिक इरेजर भी कहते हैं) भी काम करता है। इसे रगड़ें नहीं, हल्के और तेज हाथ से एक दिशा में चलाएं। स्पंज का एक हिस्सा काला हो जाए, तो उसे पलटकर साफ हिस्से से काम करें।

जरूरत हो तभी गीला तरीका

सूखी सफाई के बाद भी धब्बा बाकी है, तो गुनगुने पानी में थोड़ा डिशवॉश लिक्विड मिलाएं। तेल वाली कालिख पर चिकनाई काटने वाला डिशवॉश अच्छा काम करता है। स्पंज को अच्छे से निचोड़कर हल्के हाथ से पोंछें। हालांकि, ध्यान रखें कि ज्यादा रगड़ने से दाग के साथ पेंट भी उतर सकता है। पानी बार-बार बदलें, ताकि गंदा पानी कालिख वापस दीवार पर न फैलाए। आखिर में साफ पानी वाले कपड़े से एक बार पोंछकर सूखे माइक्रोफाइबर कपड़े से सुखा दें। अगर दीवार पर वॉशेबल पेंट है, तो सफाई आसान रहती है।

दीये के ऊपर वाली काली लकीर

यह सबसे जिद्दी होती है, क्योंकि उसमें तेल और धुआं दोनों मिले होते हैं। पहले सूखे स्पंज से जितना हो सके हटाएं, फिर डिशवॉश वाले घोल से थपथपाकर साफ करें। ध्यान रखें कि कालिख में अम्लीय गुण होते हैं, इसलिए वह कई बार पेंट की ऊपरी परत को भी कमजोर कर देती है। इसलिए पूरी सफाई के बाद भी कुछ हिस्से पर दोबारा पेंट करवाना पड़ सकता है।

पर्दों से कालिख, धुएं की गंध

पर्दे उतारकर सबसे पहले बालकनी या छत पर अच्छे से झाड़ लें। मोटे पर्दे हैं, तो वैक्यूम के ब्रश से धूल खींच लें। फिर लेबल देखें। मशीन में धुल सकने वाले पर्दों को लेबल में लिखे सबसे ज्यादा तापमान पर धोएं, और धुएं की गंध के लिए डिटर्जेंट की जगह आधा कप सफेद सिरका डालें। धोने के बाद बाहर हवा में सुखाएं।

जो पर्दे पानी में नहीं धुल सकते, उन पर बेकिंग सोडा छिड़ककर रात भर छोड़ दें और सुबह वैक्यूम कर लें। सिर्फ ड्राई क्लीन होने वाले पर्दे ड्राई क्लीनर को दें और उन्हें बता दें कि दाग धुएं के हैं।

धरती पर उतरी जन्नत ! बर्फ की सफेद चादर में लिपटा पूरा कश्मीर



श्रीनगर

धरती पर अगर कहीं जन्नत का अहसास करना हो तो कश्मीर की वादियों से खूबसूरत शायद ही कोई जगह हो। पहाड़ों पर बर्फ की सफेद चादर, देवदार के पेड़ों पर जमी बर्फ और ठंडी हवाओं के बीच खिल उठे कुदरत के नजारे... सर्दियों की पहली दस्तक के साथ ही जम्मू-कश्मीर की खूबसूरती एक बार फिर अपने शबाब पर पहुंचने लगी है। गुलमर्ग से सोनमर्ग और भद्रवाह तक हुई बर्फबारी ने पर्यटन के नए मौसम का खूबसूरत आगाज कर दिया है।

कश्मीर के अधिकांश इलाकों में रातभर बारिश हुई, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी ने पहाड़ों का रंग बदल दिया। गुलमर्ग और सोनमर्ग जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के अलावा गुरेज, कुपवाड़ा, जोजिला दर्रे और दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से गुजरने वाले मुगल रोड पर भी बर्फबारी दर्ज की गई। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान गिरकर माइनस 1.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया और यह घाटी की सबसे ठंडी जगह रही। वहीं शोपियां के मैदानी इलाके में न्यूनतम तापमान 0.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। बारामूला में 49.5 मिलीमीटर, गुलमर्ग में 40.6 मिलीमीटर और कुपवाड़ा में 37.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के मुताबिक, 15 से 21 नवंबर तक मौसम सामान्यत: शुष्क रहने की संभावना है। ऐसे में पर्यटकों को कश्मीर की खूबसूरत वादियों का दीदार करने का अच्छा अवसर मिल सकता है।

उधर, डोडा जिले के भद्रवाह में भी लंबे समय से जारी शुष्क मौसम का दौर बर्फबारी के साथ समाप्त हो गया। गुलदंडा, छतरगल्ला, पदरी, भाल पदरी और बाछ धार जैसे पर्यटन स्थलों पर हुई बर्फबारी ने स्थानीय लोगों के साथ पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों के चेहरे खिला दिए हैं। दूसरी ओर, बर्फबारी से पर्यटकों, होटल कारोबारियों, गाइड और पोनी संचालकों में उत्साह है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रशासन ने महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों से बर्फ हटाने का काम भी शुरू कर दिया है।

बहरहाल, कश्मीर की वादियां एक बार फिर सैलानियों को अपनी ओर बुला रही हैं। अगर आप भी बर्फ से ढके पहाड़ों, खूबसूरत झीलों और सर्दियों के रोमांटिक नजारों के बीच कुछ यादगार पल बिताना चाहते हैं, तो इस मौसम में कश्मीर की सैर आपके लिए किसी सपने के सच होने से कम नहीं होगी।

दिल चाहिए दैट मेड इन इंडिया...चीन पर चढ़ा नया खुमार, भारत से खरीदा 80,000 करोड़ का माल

नई दिल्ली

साल 2020 के बाद भारत में एक नारा बॉयकॉट चाइना का गूंज रहा था। गलवान की झड़प के बाद रिश्ते तल्ख हुए, चीनी एप्स पर बैन लगा और लगा कि दोनों देशों के बीच कारोबार की जो दूरी है वो बढ़ जाएगी। लेकिन आज तस्वीर कुछ और है। चीन ने सिर्फ पांच महीने में भारत से 80,000 करोड़ से ज्यादा का माल खरीद लिया है। सवाल यह है कि क्या चीन को सचमुच मेड इन इंडिया से प्यार हो गया है या फिर दुनिया की सबसे बड़ी फैक्ट्रियों को चलाने के लिए उसे भारत के दरवाजे पर आना पड़ रहा है?

क्योंकि इस सौदे के पीछे दोस्ती की नहीं जरूरत, रणनीति और अरबों डॉलर की आर्थिक मजबूरी की कहानी छिपी है। सालों से जब भी भारत और चीन के व्यापार की बात होती है तो चर्चा का मुख्य बिंदु सिर्फ एक ही होता था ट्रेड डेफिसिट यानी व्यापार घाटा। इसका सीधा



मतलब यह है कि हम चीन से बहुत ज्यादा सामान खरीदते थे लेकिन जब भारत से सामान बेचने की बारी आती थी तो हमारा आंकड़ा बहुत कम रहता था। अगर पिछले कुछ सालों का औसत देखें तो भारत हर साल चीन से लगभग 90 से 100 अरब डॉलर का सामान मंगाता रहा है। इसमें मोबाइल पार्ट्स, टीवी, लैपटॉप, सोलर पैनल्स और दवाओं का कच्चा माल शामिल रहता है। इसके विपरीत भारत से चीन को होने वाला निर्यात मुश्किल से 15 से 16 अरब डॉलर पर ही रुक जाता था। यानी व्यापार का संतुलन हमेशा चीन के पक्ष में रहा और भारत का बहुत बड़ा पैसा चीन जाता रहा। साल 2020 में सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद भारत सरकार ने कई कड़े फैसले लिए। चीनी कंपनियों के निवेश पर कड़ी निगरानी रखी गई। 5त्न नेटवर्क से चीनी कंपनियों को दूर किया गया और आत्मनिर्भर भारत पर जोर दिया गया। तब ऐसा माना जा रहा था कि दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत तेजी से नीचे गिरे का। लेकिन हालिया आंकड़े बिल्कुल अलग कहानी बयान करते हैं। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती पांच महीने में ही भारत से चीन को 9.6 अरब डॉलर यानी 9.6 अरब डॉलर का निर्यात हो चुका है। अगर व्यापार इसी रफ्तार से आगे बढ़ा तो साल भर में यह आंकड़ा 22 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है। जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड होगा। यहां एक सवाल उठना लाजमी है कि क्या चीन सचमुच भारत के सामान का मुरीद हो गया है? क्या चीनी बाजारों में भारत में बने कपड़े, जूते, गाड़ियां या फिर मोबाइल बिक रहे हैं? अगर कोई यह दावा कर रहा है कि चीन में मेड इन इंडिया के तैयार उत्पादों की धूम मच गई है तो यह पूरी सच्चाई नहीं है। जब आप इस 9.6 अरब डॉलर के सौदे को ध्यान से देखेंगे तो यह साफ हो जाता है कि चीन अपनी विशाल फैक्ट्रियों को चलाने के लिए भारत से कच्चा माल खरीद रहा है।

पहले नंबर पर आता है कच्चा लोहा, आयरन ओर। चीन दुनिया में सबसे ज्यादा स्टील बनाने वाला देश है। दुनिया भर में बिल्डिंग्स, एक्सप्रेसवे, पुल, गाड़ियां और और बड़े जहाज बनाने के लिए जो स्टील लगता है उसका एक बड़ा हिस्सा चीन में तैयार होता है और स्टील बनाने के लिए सबसे जरूरी चीज है कच्चा लोहा। भारत के पास बेहतरीन क्वालिटी का कच्चा लोहा मौजूद है। चीन ने अपनी स्टील मिलों को बिना रुके चलाने के लिए भारत से बड़े पैमाने पर कच्चा लोहा खरीदा है। दूसरे नंबर पर आता है रिफाइंड तेल और केमिकल्स। भारत के पास जामनगर जैसी दुनिया की सबसे आधुनिक तेल रिफाइनरियां मौजूद हैं। अब कच्चा तेल आयात करते हैं, उसे साफ करते हैं और उससे पेट्रोल, डीजल के साथ-साथ कई तरह के इंडस्ट्रियल केमिकल बनाते हैं। चीन में प्लास्टिक, पेंट और गाड़ियों के निर्माण में इन केमिकल्स की बहुत जरूरत होती है। चीन अपनी इसी जरूरत को पूरा करने के लिए भारत से लगातार केमिकल्स खरीद रहा है।

ट्रंप की मुश्किलों का फायदा उठाएंगे जिनपिंग! ताइवान पर होगा चीन का कब्जा

नई दिल्ली

एक बार फिर से अमेरिका और चीन के बीच टकराव बढ़ गए हैं। कारण स्पष्ट है एनवीडिया जो विवाद चल रहा है उसको लेकर के एक बार चीन ने अमेरिका को धमकी दी है। दरअसल एनवीडिया को लेकर बढ़ते विवाद के बीच चीन ने अमेरिका को सेमीकंडक्टर के निर्यात पर नए प्रतिबंध लगाने के खिलाफ चेतावनी दी है। चीन का कहना है कि इस तरह के प्रतिबंध वैश्विक सप्लाई चेन को बाधित कर सकता है। चीन जो कह रहा है अगर इस पर अमल हो जाता है तो भारी नुकसान अमेरिका को सहना पड़ सकता है। बीजिंग ने चीन पर लगाए जा रहे जासूसी के आरोप से जुड़े कथित संबंधों को भी खारिज किया है। यानी कि जो एनवीडिया वाला विवाद था उस पर चीन ने प्रतिक्रिया दी है और उसने सीधे-सीधे खारिज कर दिया है इस इन सभी आरोपों को। वहीं अमेरिका ने दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसदों के बीच चीन को एडवांस एआई चिप के निर्यात पर और सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग तेज हो रही है। एनवीडिया वाले मामले के बाद भारी जो है कि चीन पर आरोप लगे हैं अमेरिका की तरफ से और यही कारण है कि इस मामले को लेकर के अब जो है कि धीरे-धीरे चीन और अमेरिका लड़ना शुरू कर दिए हैं। डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात बीते दिन हुई थी। आने वाले दिनों में भी होने वाली है। दूसरी तरफ यह एनवीडिया का विवाद जो है यह टेंशन दोनों मुल्कों के बीच बढ़ा रहा है। खासतौर पर चीन के ऊपर आरोप लग रहे हैं। जासूसी के शक हमेशा से चीन के ऊपर रहता है। दूसरी तरफ ताइवान का एंगल आ गया है।



जिनपिंग ताइवान को विलय कराना चाहते हैं चीन के अंदर। चीन की सेना समंदर में अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए निकल पड़ी है। अमेरिका ताइवान को सपोर्ट करता है। मामला यह है कि अमेरिका से लेकर ताइवान तक चिंता बढ़ चुकी है। इस बात के बाद 100 से ज्यादा चीनी युद्धपोत और कोस्टगार्ड जहाज, तीन सैन्य कमांड की एक साथ सक्रियता और ताइवान के शहरों को निशाना बनाने की मॉक ड्रिल हुई है। अब सवाल यह है कि क्या चीन ताइवान पर कब्जे की तैयारी कर रहा है या फिर अमेरिका को चुनौती देने और ताइवान पर दबाव बनाने की रणनीति यह अपने आप में बड़ा सवाल है। चीन लगातार ताइवान को लेकर के बहुत ही चिंतित है और वो नहीं चाहता है कि अमेरिका का कोई भी उस पर हस्तक्षेप हो। अमेरिका हालांकि कमजोर हो पड़ चुका है क्योंकि जिस तरीके से मिड टर्म चुनाव है मिड टर्म चुनाव के बाद अमेरिका जो है कि अपने मामले को लेकर के बड़ा उलझा हुआ है। ईरान युद्ध, दूसरा रूस यूक्रेन संघर्ष और घरेलू राजनीति के बीच डोनाल्ड ट्रंप के सामने चीन की चुनौती भी खड़ी है।

हरियाणा के हिसार में 60,000 रुपये की हेरोइन के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

हिसार, (वार्ता)

हरियाणा पुलिस ने हिसार जिले के उकलाना मंडी इलाके में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 11.4 ग्राम हेरोइन जब्त की है जिसकी कीमत लगभग 60,000 रुपये है। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। आरोपी की पहचान बुढ़ा खेड़ा गांव के निवासी सुंदर के रूप में हुई है जिसे इलाके में कथित तौर पर नशीले पदार्थों की बिक्री होने की सूचना मिलने के बाद पकड़ लिया गया।

सब-इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस की एक टीम इलाके में गश्त कर रही थी तभी उन्हें सूचना मिली कि संदिग्ध व्यक्ति उकलाना मंडी में हेरोइन बेच रहा है।

सूचना मिलने पर पुलिस ने सुंदर को रोका और तलाशी के दौरान उसके पास से 11.4 ग्राम हेरोइन बरामद की। उसके खिलाफ उकलाना पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा और उसकी रिमांड मांगी जाएगी ताकि जब्त की गई हेरोइन के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क में कथित रूप से शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके।

हिसार के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और जांच का मुख्य जोर केवल कुछ लोगों की गिरफ्तारी तक सीमित रहने के बजाय, पूरे सप्लाई नेटवर्क का पता लगाने पर होगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ये मेरा राज्य है, मेरा अधिकार है, मेकेदातु बांध विवाद पर डीके शिवकुमार ने तमिलनाडु कांग्रेस को दिया जवाब

बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को प्रस्तावित मेकेदातु बांध की आलोचना करने पर तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष मणिकम टैगोर को जवाब दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कर्नाटक को यह परियोजना बनाने का अधिकार है और तमिलनाडु के राजनीतिक विरोध से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।मेकेदातु में बांध के निर्माण को कोई नहीं रोक सकता वाले बयान की निंदा करने वाले टैगोर के ट्वीट का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा, कोई भी निंदा करे, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह मेरा राज्य है, मेरा अधिकार है।

उन्होंने तमिलनाडु के नेताओं को प्रस्तावित प्रोजेक्ट साइट का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि वे उन्हें समझा सकते हैं कि इस बांध से उस क्षेत्र को क्या फायदा होगा। उन्होंने कहा, वे एक प्रतिनिधिमंडल के साथ आएं। मैं उन्हें दिखाऊंगा और समझाऊंगा कि इससे कैसे मदद मिलेगी।



आलोचना को राजनीतिक दिखावा बताते हुए शिवकुमार ने कहा कि तमिलनाडु में चाहे कोई भी पार्टी इस मुद्दे को उठाए परियोजना का विरोध जारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस विरोध नहीं करेगी तो डीएमके करेगी। अगर डीएमके विरोध नहीं करेगी तो एआईएडीएमके करेगी। यानी कोई न कोई तो विरोध करेगा ही। कर्नाटक का पक्ष रखते हुए शिवकुमार ने कावेरी जल बंटवारे पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि बांध परियोजना पर काम करते हुए भी तमिलनाडु राज्य के लिए तय 177 टीएमसी पानी के हिस्से की रक्षा करेगा।प्रस्तावित मेकेदातु परियोजना कर्नाटक में कनकपुरा के पास कावेरी नदी पर बनने वाला एक बैलेंसिंग रिजर्वयर (जलाशय) है। इसका उद्देश्य बेंगलुरु की पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करना और लगभग 400 मेगावाट बिजली पैदा करना है।कर्नाटक का कहना है कि यह जलाशय कावेरी नदी के बहाव को नियंत्रित करने और ज्यादा पानी होने पर अतिरिक्त पानी को जमा करने में मदद करेगा। यह भी तर्क है कि इस परियोजना से तमिलनाडु के लिए तय किए गए नदी के पानी के हिस्से पर कोई असर नहीं पड़ेगा।हालांकि, तमिलनाडु ने लगातार इस परियोजना का विरोध किया है। उसका तर्क है कि नदी के ऊपरी हिस्से में जलाशय बनने से राज्य में कावेरी के पानी के बहाव पर असर पड़ सकता है, खासकर पानी की कमी के समय। तमिलनाडु का यह भी कहना है कि कर्नाटक कावेरी बेसिन के अन्य राज्यों की सहमति के बिना आगे नहीं बढ़ सकता।

यह विवाद दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे कावेरी जल-बंटवारे के संघर्ष से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट के 2018 के फैसले ने कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के आवंटन में बदलाव किया और तमिलनाडु को 177.25 टीएमसी पानी दिया, जबकि कर्नाटक को 284.75 टीएमसी पानी मिला।

अमेरिका ने 26 साल बाद खोया खसरा मुक्त देश का दर्जा, एक साल में सामने आए 5400 से ज्यादा मामले

नई दिल्ली। कोविड के बाद अमेरिका एक बार फिर बीमारी के खतरे की ओर बढ़ रहा है। इस बार बीमारी नई नहीं है वो पुरानी बीमारी खसरा (मीजल्स) ही लौट कर आ गई है। व्यापक टीकाकरण की बदौलत, साल 2000 से अमेरिका में खसरे को एक ऐसी बीमारी के रूप में समाप्त माना जाने लगा था, जो लगातार फैलती रहती है। हालांकि अब ऐसा नहीं है।

मिली जानकारी के अनुसार जून 2025 से जून 2026 के बीच 600 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। ये मामले राज्य के दक्षिण-पश्चिम हिस्से से मध्य यूटा के हैं। इसके अलावा, साउथ कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया, विस्कॉन्सिन, न्यूयॉर्क और कुछ अन्य राज्यों में भी लगातार खसरे के मामले सामने आए हैं। नए मामले सामने आने पर एक बार सतर्क रहने की जरूरत है। इस प्रक्रिया से जुड़े एक सूत्र ने शुक्रवार को सीएनएन को बताया कि पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के निदेशक को रिपोर्ट करने वाले विशेषज्ञों के एक स्वतंत्र आयोग ने यह निष्कर्ष निकाला है कि अमेरिका अब उस श्रेणी में नहीं आता जहां से खसरा पूरी तरह खत्म हो चुका हो। इस खबर की जानकारी सबसे पहले द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी थी। सालों से टीकाकरण के स्तर में गिरावट और मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, इस फैसले की काफी उम्मीद थी; फिर भी, यह देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति पर एक कलंक है। देशों में खसरे (मीज़ल्स) के उन्मूलन की स्थिति तय करने वाली अंतरराष्ट्रीय समिति किसी संक्रमण को एंडेमिक यानी नियमित रूप से होने वाला तब मानती है, जब एक ही स्ट्रेन से होने वाला संक्रमण किसी देश के भीतर कम से कम एक साल तक एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता रहता है। यह तय करने के लिए, समिति के सदस्य मरीजों से लिए गए वायरस के नमूनों के जेनेटिक कोड की जांच करते हैं। हर बार जब कोई वायरस अपनी कॉपी बनाता है, तो वह अपने जेनेटिक कोड में छोटे-छोटे बदलाव कर लेता है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

पिता कमल हासन से तारीफ की उम्मीद नहीं करतीं श्रुति हासन, आत्मनिर्भरता पर खुलकर की बात



अभिनेत्री और गायिका श्रुति हासन ने अपने पिता एवं दिग्गज अभिनेता कमल हासन के साथ रिश्तों को लेकर खुलकर बात की है। श्रुति हासन ने कहा कि उनके पिता आसानी से किसी से प्रभावित नहीं होते और वह उनसे तारीफ या सराहना की उम्मीद भी नहीं रखतीं।

नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट में बातचीत के दौरान श्रुति ने बताया कि उनके पिता आम भारतीय पिता की तरह हैं, जिन्हें 99 अंक मिलने पर भी एक अंक कम होने की चिंता रहती है। इस दौरान उन्होंने मजाकिया अंदाज में नेहा को ईविल थेरेपिस्ट भी कहा।

श्रुति ने बताया कि 19 वर्ष की उम्र में अमेरिका में संगीत की पढ़ाई के लिए उनके पिता ने आर्थिक मदद की थी। हालांकि, घर छोड़कर अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला करने के बाद उन्होंने अपनी जिंदगी की जिम्मेदारियां खुद उठाईं। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उन्हें पढ़ाई के लिए हमेशा सहयोग दिया, लेकिन अपनी जिंदगी अपने दम पर जीने की सीख भी दी।

59 वर्ष की हुयी जूही चावला

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री जूही चावला आज 59 वर्ष की हो गयीं।जूही चावला का जन्म 13 नवंबर, 1967 को हुआ था। उनके पिता एस.चावला एक डॉक्टर थे। जूही चावला ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लुधियाना से पूरी की। इसके बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई मुंबई के सिद्धेनम कॉलेज से पूरी की। वर्ष 1984 में वह मिस इंडिया चुनी गई। इसके बाद उन्हें मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका मिला। इस प्रतियोगिता में उन्हें सर्वश्रेष्ठ वेश-भूषा के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इस बीच उन्हें कई विज्ञापन फिल्मों में मॉडलिंग का काम करने का अवसर मिला। जूही चावला ने अपने सिने करियर की शुरुआत वर्ष 1986 में प्रदर्शित फिल्म सल्तनत से की। मुकुल आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म में धर्मेन्द्र और सनी देवोल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म में जूही चावला के नायक की भूमिका शशि कपूर के पुत्र करण कपूर ने निभाई थी। फिल्म टिकट खिड़की पर असफल साबित हुई और जूही चावला दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने में असफल रही।फिल्म सल्तनत की असफलता के बाद जूही चावला को हिंदी फिल्मों में काम मिलना बंद हो गया। इस बीच उन्होंने रोशन तनेजा के अभिनय प्रशिक्षण स्कूल में तीन महीने का प्रशिक्षण प्राप्त किया और दक्षिण फिल्मों की ओर अपना रुख किया। वर्ष 1987 में प्रदर्शित कन्नड़ फिल्म प्रेमालोक उनके करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुई। लगभग चार वर्ष तक मायानगरी मुंबई में संघर्ष करने के बाद 1988 में नासिर हुसैन के बैनर तले बनी फिल्म कयामत से कयामत तक की सफलता के बाद बतौर फिल्म अभिनेत्री इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गई।वर्ष 1990 उनके सिने करियर के लिए अहम वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उनकी स्वर्ग और प्रतिबंध जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुईं। राजनीति से प्रेरित फिल्म प्रतिबंध में जूही चावला अपने दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से नामांकित भी की गईं। वर्ष 1992 में उनके अभिनय के विविध रूप देखने को मिले। इस वर्ष उनकी राधा का संगम, मेरे सजना साथ निभाना, बेवफा से वफा और बोल राधा बोल जैसी फिल्में प्रदर्शित हुईं जो महिला प्रधान थीं।



फिल्म बोल राधा बोल में जूही चावला ने गांव की एक अल्हड़ युवती का किरदार निभाया जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से नामांकित किया गया। वर्ष 1993 में उनको महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म हम हैं राही प्यार के में काम करने का अवसर मिला। फिल्म में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए वह अपने करियर में पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की गई।1997 में जूही चावला ने उद्योपति जय मेहता के साथ शादी कर ली।

वर्ष 1999 में उन्होंने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख दिया और शाहरुख खान के साथ मिलकर ड्रीम्स अनलिमिटेड बैनर की स्थापना की। इस बैनर के तहत सबसे पहले फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, अशोका, चलते चलते जैसी फिल्मों का निर्माण किया।जूही चावला के सिने करियर में उनकी जोड़ी आमिर खान के साथ काफी पसंद की गई। उन्होंने हिंदी फिल्मों के अलावा पंजाबी फिल्मों में भी अभिनय किया है। शहीद उधम सिंह, देश होया परदेस और वारिस साह जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने कन्नड़, मलयालम, तमिल फिल्मों में भी अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को दीवाना बनाया। जूही चावला ने अपने सिने करियर में लगभग 100 फिल्मों में अभिनय किया है। जूही चावला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स की सह-मालकिन भी हैं। इसके अलावा वह अपने पति, जय मेहता के साथ मिलकर रियल एस्टेट और अन्य व्यवसायों में पर्याप्त निवेश किया है।जूही चावला आज भी जोशो खरोश के साथ फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं।

अनिल कपूर ने शत्रुघ्न सिन्हा को बताया दोस्तों का दोस्त, बोले- मुझे गर्व है कि वे मेरे पड़ोसी हैं

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने दिग्गज अभिनेता एवं राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें दोस्तों का दोस्त बताया है।अनिल कपूर ने कहा कि उन्हें गर्व है कि शत्रुघ्न सिन्हा उनके पड़ोसी हैं। स्टार प्लस के शो इंडिया के टॉप 1त्न- द अनिल कपूर शो में अनिल कपूर ने शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अपनी दशकों पुरानी दोस्ती का जिक्र किया। दोनों कलाकार वर्ष 1980 के दशक की फिल्म युद्ध में एक साथ नजर आए थे। इसके अलावा दोनों वास्तविक जीवन में भी पड़ोसी हैं।



शो के ग्रेट इंडियन बुद्धि लीग स्पेशल एपिसोड में बिहार के प्रतिभागी लालमणि श्रीवास्तव ने खुद को दुनिया का सबसे खुश इंसान बताते हुए कहा कि बिहार के लोग हमेशा खुश रहते हैं। इस पर अनिल कपूर ने मशहूर कहावत, जो न कटे आरी से, वो कटे बिहारी से सुनाई। उन्होंने बिहार की प्रतिभाओं की चर्चा करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा का भी उल्लेख किया।अनिल कपूर ने कहा, मेरे पड़ोसी हैं शत्रुघ्न सिन्हा साहब। वे बिहार से हैं। मैं उनकी बहुत इजत करता हूं। वह बहुत बढ़िया इंसान हैं और मैं दिल से उन्हें चाहता हूं। शत्रुघ्न साहब दोस्तों के दोस्त हैं और मुझे गर्व है कि वे मेरे पड़ोसी हैं।

जनजातीय गौरव दिवस को भव्यता के साथ मनाने की तैयारी, गांव-गांव पहुंचेगा भगवान बिरसा मुंडा के शौर्य और बलिदान का संदेश

बरघाट विधायक कमल मर्सकोले ने पत्रकार वार्ता में रखी जनजातीय गौरव दिवस की ऐतिहासिक महत्ता और आयोजन की विस्तृत रूपरेखा

विधायक कमल मर्सकोले बोले - जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास देश की अमूल्य धरोहर, संस्कृति और अस्मिता को संरक्षित रखते हुए विकास के नए अवसरों से जोडऩा हमारा दायित्व



सिवनी। स्वतंत्र मत। जनजातीय गौरव दिवस केवल किसी महापुरुष की जयंती मनाने का अवसर नहीं, बल्कि भारत के गौरवशाली इतिहास के उन स्वर्णिम अध्यायों को राष्ट्रीय चेतना के केंद्र में स्थापित करने का महापर्व है, जिन्हें लंबे समय तक अपेक्षित सम्मान और पहचान नहीं मिल सकी। भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय समाज के असंख्य वीर नायकों ने अपने शौर्य, संघर्ष, त्याग और बलिदान से देश की स्वतंत्रता, सांस्कृतिक अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जो इतिहास रचा, वह आने वाली पीढिय़ों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। इसी गौरवशाली विरासत को जन-जन तक पहुंचाने और जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी जिला सिवनी द्वारा 11 से 20 नवंबर तक व्यापक स्तर पर जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भाजपा जिला सिवनी द्वारा रजवाड़ा सेलिब्रेशन में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन की अध्यक्षता में आयोजित इस पत्रकार वार्ता के मुख्य वक्ता बरघाट विधायक कमल मर्सकोले थे, जबकि अनुसूचित जनजाति मोर्चा के संभागीय प्रभारी संजय सिंह कुशराम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही अर्जुन सिंह उईके भी मंचासीन रहे। पत्रकार वार्ता में जनजातीय गौरव दिवस के ऐतिहासिक महत्व, भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन, जनजातीय महापुरुषों के अतुलनीय योगदान तथा भारतीय जनता पार्टी एवं प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार 11 से 20 नवंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी गई। जनजातीय गौरव, स्वाभिमान और विकास के नए संकल्प का प्रतीक है यह महापर्व- विधायक कमल मर्सकोले

पत्रकार वार्ता के मुख्य वक्ता बरघाट विधायक कमल मर्सकोले ने अपने संबोधन में जनजातीय गौरव दिवस की मूल भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास किसी एक क्षेत्र अथवा समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतवर्ष की सभ्यता, संस्कृति, स्वाभिमान और स्वतंत्रता संघर्ष का अभिन्न हिस्सा है। जनजातीय समाज ने सदियों से अपनी जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। अंग्रेजी शासन के अत्याचारों और शोषण के विरुद्ध जनजातीय वीरों ने जिस अदम्य साहस का परिचय दिया, वह भारतीय इतिहास का अत्यंत गौरवशाली अध्याय है।

विधायक श्री मर्सकोले ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस, संगठन शक्ति और सामाजिक चेतना का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अल्पायु में ही जनजातीय समाज को संगठित कर अंग्रेजी हुकूमत के अन्याय और शोषण के विरुद्ध ऐतिहासिक आंदोलन खड़ा किया। उनका संघर्ष केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था, बल्कि जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान, परंपराओं, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा का भी आंदोलन था। यही कारण है कि भगवान बिरसा मुंडा आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समाज के योगदान को व्यापक पहचान दिलाना समय की आवश्यकता है। भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, टंट्या मामा, शंकर शाह और रघुनाथ शाह जैसे महान नायकों का जीवन नई पीढ़ी के सामने आना चाहिए। इन महापुरुषों ने अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए संघर्ष किया। उनके बलिदान को स्मरण करना मात्र औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प है।

श्री मर्सकोले ने कहा कि जनजातीय समाज की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान, लोककला, लोकगीत, नृत्य, रीति-रिवाजों और प्रकृति के साथ उसके आत्मीय संबंधों में बसती है। आधुनिक विकास की यात्रा में इन विशिष्ट परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ उसकी मूल पहचान को सुरक्षित रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि जनजातीय गौरव दिवस का वास्तविक उद्देश्य तभी सार्थक होगा, जब भगवान बिरसा मुंडा और अन्य जनजातीय महापुरुषों के संघर्ष की गाथाएं गांव-गांव, घर-घर और विद्यार्थियों तक पहुंचें। छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले बच्चों को अपने इतिहास से परिचित कराया जाए, युवाओं में अपने समाज के प्रति गौरव और आत्मविश्वास का भाव जागृत हो तथा गांवों में चौपालों के माध्यम से समाज के लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया जाए।

विधायक श्री मर्सकोले ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एवं प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आयोजित यह दस दिवसीय कार्यक्रम केवल उत्सव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक योगदान और विकास से जुड़े विषयों पर व्यापक जनजागरण का माध्यम बनेगा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों से इन आयोजनों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया।

जनजातीय समाज की अस्मिता और गौरवशाली इतिहास को सम्मान देना हमारी प्राथमिकता -मीना बिसेन

पत्रकार वार्ता की अध्यक्षता कर रहीं भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय देश के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। यह निर्णय जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत, उसके संघर्ष, बलिदान और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने की भावना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक जयंती अथवा औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय समाज की अस्मिता, स्वाभिमान और ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने वाला राष्ट्रीय महापर्व है। इसका उद्देश्य समाज की नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के संघर्ष, महान परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोडऩा है।

श्रीमती बिसेन ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने बहुत कम आयु में अंग्रेजी शासन के शोषण और अन्याय के विरुद्ध जिस साहस के साथ संघर्ष किया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने समाज को संगठित कर अपनी संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए प्रेरित किया। आज आवश्यकता है कि उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रदेश सरकार की मंशा है कि जनजातीय समाज अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए विकास की प्रत्येक धारा से जुड़े। इसके लिए गांवों, बस्तियों, छात्रावासों और आश्रमों तक पहुंचकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से भी जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और इन आयोजनों के उद्देश्यों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने का आग्रह किया।

जनजातीय महापुरुषों के बलिदान को मिलेगी नई पीढ़ी तक पहचान- संजय सिंह कुशराम

पत्रकार वार्ता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अनुसूचित जनजाति मोर्चा के संभागीय प्रभारी संजय सिंह कुशराम ने जनजातीय गौरव दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रदेशव्यापी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के असंख्य वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी। इन वीर सपूतों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ अपनी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक अस्मिता की रक्षा के लिए अद्वितीय योगदान दिया।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इसके माध्यम से जनजातीय समाज के महान नायकों के योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान देने का प्रयास किया जा रहा है।

संजय कुशराम ने बताया कि प्रदेश सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी के निर्देशानुसार 11 से 20 नवंबर तक विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत 5 नवंबर को मुख्यमंत्री निवास पर जनजातीय जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर भी आयोजन निर्धारित किए गए हैं। 14 नवंबर को जबलपुर तथा 15 नवंबर को धार एवं जोबट जिला अलीराजपुर में प्रमुख कार्यक्रम आयोजित होंगे।

उन्होंने बताया कि 15 नवंबर को प्रदेश के प्रत्येक जिले और विकासखंड में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। इन कार्यक्रमों से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वेबकास्ट के माध्यम से जुड़ेंगे। छात्रावासों और आश्रमों में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित निबंध, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। विद्यार्थियों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था भी रहेगी।

इसी प्रकार 16 से 18 नवंबर तक जनजातीय संस्कृति और साहित्य पर आधारित नृत्य, नाट्य प्रस्तुतियां, पारंपरिक कथाएं, संगीत, रंगोली, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 16 एवं 17 नवंबर को छात्रावासों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से संवाद किया जाएगा। वहीं 18 से 20 नवंबर तक चयनित जनप्रतिनिधि गांव-गांव पहुंचकर चौपाल एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इन कार्यक्रमों में जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं, महापुरुषों के योगदान और विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी।

जनभागीदारी से गांव-गांव पहुंचेगा गौरव और जागरूकता का संदेश

पत्रकार वार्ता में अर्जुन सिंह उईके ने भी जनजातीय गौरव दिवस के आयोजनों को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक परंपराओं को केवल एक दिन तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसके लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं, ताकि युवा पीढ़ी अपने महापुरुषों के संघर्ष, बलिदान और समाज की विशिष्ट पहचान से परिचित हो सके। उन्होंने कहा कि गांवों में आयोजित होने वाली चौपाल और जनसंवाद गतिविधियां समाज के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बनेंगी। इनके माध्यम से जनजातीय समाज की अपेक्षाओं, आवश्यकताओं और विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा का अवसर मिलेगा।

20 नवंबर तक चलेगा गौरव, संस्कृति और जनजागरण का अभियान-पत्रकार वार्ता में बताया गया कि आगामी दस दिनों तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जनजातीय समाज के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, सांस्कृतिक विरासत और महापुरुषों के जीवन प्रसंगों को प्रमुखता दी जाएगी। छात्रावासों, आश्रमों, शैक्षणिक संस्थानों और गांवों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं और आमजन को इस गौरवशाली विरासत से जोड़ा जाएगा। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि जनजातीय गौरव दिवस भारत की सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय एकता और जनजातीय समाज के अतुलनीय योगदान को नमन करने का अवसर है। भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करते हुए जनजातीय समाज की अस्मिता, परंपराओं और अधिकारों का सम्मान तथा विकास के नए अवसरों का विस्तार ही इस आयोजन की मूल भावना है।

पत्रकार वार्ता में भाजपा जिला महामंत्री गजानंद पंचेश्वर भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज मर्दन त्रिवेदी तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रिंट मीडिया एवं वेबमीडिया के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

शिवसेना ने किया संगठन का विस्तार, संजय बघेल और योगेश ठाकुर को मिली नगर प्रमुख की जिम्मेदारी

सिवनी उत्तर नगर प्रमुख एवं बरघाट नगर प्रमुख पद पर हुई नियुक्ति, संगठन को मजबूत बनाने की सौंपी गई जिम्मेदारी





सिवनी। स्वतंत्र मत। शिवसेना जिला पार्टी सिवनी द्वारा संगठन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दो पदाधिकारियों को नगर प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार संजय बघेल संजु को उत्तर नगर प्रमुख सिवनी तथा योगेश ठाकुर को बरघाट नगर प्रमुख नियुक्त किया गया है। शिवसेना जिला पार्टी सिवनी की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में बताया गया है कि शिवसेना प्रदेश प्रभारी सुरेश गुर्जर, प्रदेश प्रमुख राजीव चतुर्वेदी एवं संभाग प्रमुख शुभम बघेल के मार्गदर्शन में यह नियुक्तियां की गई हैं। नियुक्ति पत्र में दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त की गई है कि वे अपने पद की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए समाज हित में कार्य करेंगे तथा अपने-अपने क्षेत्रों में शीघ्र मंडल का विस्तार कर संगठन को मजबूत बनाएंगे। संजय बघेल संजु को सिवनी उत्तर नगर प्रमुख एवं योगेश ठाकुर को बरघाट नगर प्रमुख बनाए जाने पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को नई मजबूती मिलने की आशा की जा रही है।

कोतवाली पुलिस ने नशे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 4.68 ग्राम एमडीएमए पाउडर सहित एक मोटर साइकिल जप्त की

सिवनी। स्वतंत्र मत। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं नगर पुलिस अधीक्षक चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए छिंदवाड़ा रोड बायपास ब्रिज के पास से एमडीएमए पाउडर के साथ दो युवकों को पकड़ा गया।

दिनांक 12/11/2026 को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि छिंदवाड़ा रोड बायपास ब्रिज के पास दो युवक काले रंग की बिना नंबर की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल से एमडीएमए पाउडर लेकर बिक्री की फिराक



में मौजूद हैं। सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों को पकड़ा गया।

तलाशी के दौरान मोहम्मद जैद खान के कब्जे से 4.68 ग्राम एमडीएमए पाउडर, जिसकी अनुमानित कीमत 15,000 है, बरामद किया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की काले रंग की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, जिसकी कीमत लगभग 70,000 है, विधिवत जप्त की गई। जिस पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 981/2026, धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मकान में मिली बुजुर्ग की अधजली लाश

सोगलपुर की घटना, जांच में जुटी लांजी पुलिस



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रमपुर के ग्राम सोगलपुर में शनिवार 14 नवंबर की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब मकान में 80 वर्षीय बुजुर्ग का अधजला शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लांजी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और एफएसएल की टीम के साथ जांच शुरू कर दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा पंचनामा के पश्चात शव का पोस्टमार्डम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बताया गया है कि मृतक के परिवार में दो बेटे एवं एक बेटी हैं।

बेटी ने बताई सुबह की घटना...मृतक की पुत्री अनुसूया वाघमारे ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि वह अपने पिता के मकान के बाजू में ही रहती हैं। उनके पिता अपने मकान में अकेले रहते थे। बेटी ने कहा कि वह प्रतिदिन अपने पिता को भोजन और अन्य जरूरी चीजें उपलब्ध कराती थीं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता को बेटों की ओर से कोई विशेष सहयोग नहीं मिलता था। 14 नवंबर की सुबह जब वह अपने पिता को चाय-नाश्ता देने के लिए उनके घर पहुंचीं तो वे बिस्तर पर नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने दूसरे कमरे में जाकर देखा तो पिता एक कोने में टिके हुए थे और उनका शरीर पूरी तरह जला हुआ था। यह दृश्य देखकर वह घबरा गईं और तत्काल अपने भाई को इसकी जानकारी देने पहुंचीं। उन्होने यह भी बताया कि जब भाई के घर पहुंची तो पता चला की भाई सुबह ही अपने वाहन से कहीं चला गया हैं। वहीं घटना रात्रि की होने की आशंका जताई जा रहीं हैं, हालांकि घटना किन परिस्थितियों में हुई और बुजुर्ग की मौत कैसे हुई, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं पुलिस जांच के बाद ही बुजुर्ग की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

इनका कहना हैं

बुजुर्ग की अधजली लाश सोगलपुर से बरामद किया गया हैं, बताया गया हैं कि वह दिखाई और सुनाई नहीं देता था किन परिस्थितियों में मौत हुई हैं, उसकी जांच के लिए एसएफएल व फिगंर प्रिंट की टीम के द्वारा भी जांच की जा रहीं हैं।

घनश्याम बैरागी थाना प्रभारी लांजी

नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब 100 गांवों की बदलेगी तस्वीर

कलेक्टर आदित्य सिंह ने की विभागवार समीक्षा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब जिले के नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। इन गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 330 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसी सिलसिले में कलेक्टर आदित्य सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की और समयबद्ध तरीके से कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

बैठक में निर्माण विभाग, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, जनजातीय विकास, ऊर्जा और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट कहा कि चिन्हित सभी 100 गांवों में प्रत्येक विभाग की योजनाओं का शत-प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित करना संबंधित विभाग के अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी। गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आजीविका से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 100 चिन्हित गांवों में कोई भी ग्राम पक्की सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और आजीविका के साधनों से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 330 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि में केवल उन्हीं कार्यों को शामिल किया जाएगा, जिन्हें नक्सलवाद के खात्मे के बाद अर्थात 1 जून 2026 के पश्चात प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन विकास कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है, उन्हें बिना देरी किए प्रारंभ किया जाए। वहीं, जिन कार्यों के लिए शासन स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जानी है, उनकी प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी कराई जाए, ताकि विकास कार्यों को समय पर धरातल पर उतारा जा सके।

बैठक में विभागवार प्रगति की जानकारी देते हुए बताया गया कि मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी (एमपीईबी) द्वारा 32 गांवों में विद्युतीकरण के कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। लांजी विकासखंड के केराडीह गांव में आगामी एक माह के भीतर बिजली पहुंचाने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसी तरह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 12 सड़कों को स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं, सर्व शिक्षा अभियान के तहत 11 गांवों में प्राथमिक शाला प्रारंभ करने की स्वीकृति भी शीघ्र प्राप्त होने की संभावना जताई गई।

एनडीपीएस मामले में जेल में बंद 71 वर्षीय कैदी की मौत

मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हुआ पोस्टमार्टम, बेटे ने पुलिस पर लगाया फर्जी मामले में फंसाने का आरोप

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। एनडीपीएस एक्ट के मामले में जिला जेल में बंद 71 वर्षीय बुजुर्ग कैदी गोविंद पिता रामजी अग्रवाल की शुक्रवार रात जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शनिवार 14 नवंबर को दोपहर में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मौत की खबर मिलने के बाद परिजन अस्पताल पहुंचे।जानकारी के अनुसार, परसवाड़ा थाना पुलिस ने गोविंद अग्रवाल को गिरफ्तार कर 2 नवंबर को न्यायालय में पेश किया था। न्यायालय के आदेश के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था। तब से वह जेल में बंद थे। मृतक के बेटे पंकज अग्रवाल ने पुलिस पर उनके पिता को फर्जी मामले में फंसाने का आरोप लगाया है। पंकज के अनुसार, पुलिस ने उन्हें बताया था कि एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ के दौरान उनके पिता का नाम लिया है।



कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल हुए विधायक गौरव सिंह पारधी

कटंगी(स्वतंत्र मत)। कटंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भजियापार एवं चिखलाबांध में गत रात्रि आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में विधायक श्री गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचकर खिलाड़ियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों से मुलाकात की। विधायक श्री पारधी ने मैदान में खेल रहे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा खेल प्रेमियों एवं उपस्थित ग्रामवासियों से आत्मीय भेंट कर उनका अभिनंदन स्वीकार किया। इस अवसर पर विधायक श्री पारधी ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी खेल क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

बाघ शिकार मामले में डिप्टी रेंजर और बीटगार्ड निलंबित

पूर्व बैहर सामान्य की खुरमुंडी बीट में गुरार नाले के पास करंट से मृत मिला था बाघ

बालाघाट। उत्तर सामान्य वन मंडल बालाघाट के पूर्व बैहर सामान्य वन परिक्षेत्र की खुरमुंडी बीट के कक्ष क्रमांक 1582 में गुरार नाले के पास 12 वर्षीय नर बाघ का शिकार करंट लगाकर किया गया था। मामले में लापरवाही बरतने पर गुरुवार को सीसीएफ गौरव चौधरी के निर्देशन में डीएफओ रेशमसिंह धुर्वे ने वन परिक्षेत्र सहायक नरेंद्र मर्सकोले और खुरमुंडी बीटगार्ड लीला भारती को निलंबित कर दिया। वन परिक्षेत्र सहायक, बीटगार्ड को निलंबन अवधि में वन परिक्षेत्र बिरसा दमोह अटैच किया गया है। सात नवंबर शनिवार को गश्त के दौरान बीटगार्ड ने जंगल में बाघ का शव देखा था। वन विभाग ने बालाघाट से डाग स्क्वाड बुलाकर तलाशी कराई। डाग दो लोगों के घरों तक पहुंचा। इसमें एक आरोपी को हिरासत में लेकर जेल भेजने की कार्रवाई की गई। घटनास्थल से जीआई तार और खूंटियां बरामद हुई थीं। बता दें कि 15 अक्टूबर से नौ नवंबर तक जिले में एक बाघ, पांच बायसन, तीन तेंदुए, एक भालू और एक सियार की मौत हुई है। खुरमुंडी के जंगल में ठीक तरीके से गश्ती न होने की वजह से शिकारियों ने जंगली सूअर मारने के लिए करंट बिछाया था, जिसकी चपेट में बाघ के आने से मौत हो गई। वन्यजीवों की मौतों ने वन विभाग की चिंता बढ़ाई है। जिले के जंगलों की सीमा पूर्व में छत्तीसगढ़, पश्चिम में पेंच-सिवनी और महाराष्ट्र, उत्तर में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान तथा दक्षिण में नवेगांव-नागझीरा अभयारण्य से लगी है। यहां बाघ, तेंदुए, बायसन और भालू समेत कई वन्यजीव पाए जाते हैं। गर्मियों में वन्यजीव यहां विचरण के लिए आते हैं। वर्षाकाल शुरू होने पर नदियों में पानी बढ़ने से वे वापस नहीं जा पाते।

ईस्तेहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मौजा ग्राम सुकतरा, प.ह.नं. 92, हल्का सुकतरा रैय्यत, रा. नि. मं. सुकतरा, तहसील कुरई, जिला सिवनी में स्थित भूमि कमशः ख.नं. 385/1, 385/3, 385/4, 385/5, 385/6, 385/7 रकबा क्रमशः 0. 58 हे0, 0.58 हे0, 0.59 हे0, 0.59 हे0, 0.59 हे0, 0.59 हे0 भूमि के संबंध में माननीय पंचम व्यवहार न्यायालय कनिष्ठ खण्ड सिवनी की न्यायालय में स्वत्व उद्घोषणा, स्थाई निषेधाज्ञा एवं कब्जे की पुष्टि बावद् व्यवहार वाद विचाराधीन है, जिसका व्यवहार वाद क्रमांक 545 ए/2026, पक्षकारगण महताप वगैरा विरूद्ध रामेश्वर बिसेन वगैरा है। उक्त विवादित संपत्ति के संबंध में व्यवहार न्यायालय के अंतिम निराकरण तक कोई भी व्यक्ति भूमि कय-विक्रय, हस्तांतरण व अन्य अवैध कार्यवाहीयाँ प्रस्तावित / निष्पादित ना करें अन्यथा भविष्यवर्ती परिणामों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार व जवाबदार रहेगा।

भवदीय-तापेन्द्र देशमुख अधिवक्ता
मोबाइल नंबर 9755164271 अधिवक्ता सिवनी







कांग्रेसजनों ने बरगवां स्कूल में बच्चों के साथ मनाया बाल दिवस







केक काटकर और टॉफियां वितरित कर बांटी खुशियां

कटनी (स्वतंत्रमत)। आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं बच्चों के प्रिय चाचा पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती के उपलक्ष्य में बाल दिवस के अवसर पर बरगवां स्कूल में हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष एड. अमित शुक्ला सहित समस्त कांग्रेसजन स्कूल पहुंचे और बच्चों के साथ बाल दिवस की खुशियां मनाईं। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसजनों ने बच्चों के साथ केक काटा तथा उन्हें टॉफियां वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। सभी ने बच्चों के साथ आत्मीय पल बिताए और उनके उज्ज्वल भविष्य, बेहतर शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास की कामना की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का बच्चों के प्रति विशेष स्नेह और प्रेम रहा है। बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी बेहतर शिक्षा, अच्छे संस्कार और सर्वांगीण विकास से ही मजबूत एवं समृद्ध भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि बच्चों के बीच पहुंचकर उनके साथ खुशियां साझा करना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना बेहद सुखद अनुभव है। कांग्रेस पार्टी सदैव बच्चों, युवाओं और समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध रही है। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, संगठन महासचिव प्रेम बत्रा, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, रंजीत सिंह, अहमद कुरैशी, रमेश मिश्रा, संजय खरे, सलाहुद्दीन खान, ओमप्रकाश सकतेल, रमेश अहिरवार, अंशु गुप्ता, राघव सोनी एवं हर्षित मिश्रा सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे। अंत में सभी कांग्रेसजनों ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुनहरे भविष्य की मंगलकामना की।

जेपीवी डीएवी विद्यालय में बाल दिवस मनाया गया हर्षोल्लास के साथ

जेपीवी डीएवी विद्यालय में बाल दिवस का आयोजन बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एस.के. सिन्हा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ शिक्षक श्लेष अग्रवाल, वरिष्ठ शिक्षिका रति विश्वाश एवं पी. खान एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के तैल चित्र पर पुष्पमाला चढ़ाकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिक्षक एवं शिक्षिकाओं द्वारा विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों के लिए प्रार्थना, सुविचार मुहावरे, एवं समाचार आदि प्रस्तुत कर विद्यार्थियों का मनोरंजन किया तथा उन्हें प्रसन्नता प्रदान की। शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा सामूहिक मधुर गान प्रस्तुत किया गया। विद्यालय प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों को उपहार वितरण कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा विद्यार्थियों को बालदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। वरिष्ठ शिक्षक समीरदास ने बाल दिवस के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया तथा उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान और अनुशासित रहने की प्रेरणा दी। उनके प्रेरणादायी शब्दों ने सभी के हृदय में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। इस प्रकार जेपीवी डीएवी विद्यालय में बाल दिवस का आयोजन आनंद, उल्लास और प्रेरणा से परिपूर्ण रहा।

बाल दिवस 14 नवंबर के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम

माध्यमिक शाला खिरहनी में बाल दिवस 14 नवंबर के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ बाल मेला का आयोजन किया गया जिसमें सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं में बढ़ चढ़कर भाग लिया आज के मेला का शुभारंभ बीआरसी मनोज गौतम प्रधान अध्यापक शिव कुमार सोलंकी बीएससी सुरेश कुमार धाकड़ एवं जन शिक्षक सीएसी मनीष दीक्षित की उपस्थिति में किया गया कार्यक्रम की ही रूपरेखा अनुसार छात्रों को रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुति उपरांत पुरस्कार वितरण किया गया तदुपरांत बीआरसी मनोज गौतम द्वारा दीप प्रज्वलित कर बाल मेला का शुभारंभ किया गया। आयोजित बाल मेला के आयोजन में मुख्य रूप से प्रतिभा परोहा, निधि अग्रहरि, मनोरमा त्रिपाठी, रेखा शुक्ला, राजश्री रैकवार शकुंतला गर्ग, रेवा नेगी साथ-साथ समस्त स्टाफने सहभागिता की।

नन्हीं मुस्कानों के नाम रहा बाल दिवस का उत्सव

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में बाल दिवस बड़े ही उत्साह, उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रमों में भाग लिया। विद्यालय परिसर में खुशियों और मुस्कान का माहौल देखने को मिला। शिक्षकों ने बच्चों के साथ इस विशेष दिन को यादगार बनाया तथा उन्हें बाल दिवस के महत्व से परिचित कराया। विद्यालय की इंचार्ज नाजनीन तौफीक ने बच्चों को उत्साहवर्धन किया और बालदिवस की शुभकामनाएं दी। विद्यालय की निर्देशिका जूही जैन और उप प्रधानाचार्य शबन अख्तर ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बच्चे देश का उज्ज्वल भविष्य हैं।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, कटनी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

दिल्ली पब्लिक स्कूल, कटनी में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं बच्चों के प्रिय पंडित जवाहरलाल नेहरू (चाचा नेहरू) की जयंती के अवसर पर बाल दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन, उनके व्यक्तित्व, विचारों तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बच्चों को बताया गया कि चाचा नेहरू को बच्चों से विशेष प्रेम था और वे बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। बाल दिवस समारोह के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बच्चों एवं विद्यालय के स्टाफ सदस्यों के बीच आयोजित विशेष क्रिकेट मैच रहा, जिसका सभी ने भरपूर आनंद लिया। इस अवसर को और अधिक यादगार एवं मनोरंजक बनाने के लिए विद्यालय के सभी शिक्षकों ने बच्चों के लिए स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं। शिक्षकों की शानदार प्रस्तुतियों को देखकर बच्चे अत्यंत उत्साहित एवं आनंदित हुए और पूरे परिसर में तालियों की गड़गड़ाहट गूँज उठी। इस समारोह में दिल्ली पब्लिक स्कूल, कटनी की प्रबंध निदेशक जूही जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने, अपने सपनों को साकार करने तथा देश के जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस विशेष एवं आनंदमय अवसर पर सभी बच्चों को फूलों की कलियाँ एवं मिठाइयाँ वितरित की गईं, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यालय परिसर पूरे दिन बच्चों की मुस्कान, उत्साह और उल्लास से सराबोर रहा। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक यादगार एवं प्रेरणादायक अनुभव साबित हुआ।



देवउठनी एकादशी से बजेगी शहनाई 22 दिन बाद लगेगा एक माह का विराम

नवंबर-दिसंबर में विवाह के केवल 10 मुहूर्त

कटनी (स्वतंत्रमत)।

चार माह के विराम के बाद देवउठनी एकादशी से एक बार फिर शहनाइयां गूंजने लगेंगी। 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी के साथ विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी। इसे देखते हुए शहर के मैरिज गार्डन, होटल और रिसोर्ट में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके बाद 22 दिन बाद 16 दिसंबर से खरमास शुरू होने के कारण विवाह आयोजनों पर एक बार फिर फिर विराम लग जाएगा। 14 जनवरी को मकर संक्रांति के बाद दोबारा विवाह समारोह शुरू होंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार नवंबर और दिसंबर में विवाह के लिए कुल 9 शुभ मुहूर्त और देवउठनी एकादशी अबूझ मुहूर्त हैं। नवंबर में 21, 24, 25 और 30 तारीख को विवाह के शुभ योग बन रहे हैं। इनमें 20 नवंबर को तुलसी विवाह का विशेष संयोग है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन को अबूझ मुहूर्त माना जाता है। यही वजह है कि इस दिन बड़ी संख्या में विवाह होने की संभावना है। दिसंबर में 2, 3, 9, 11 और 12 तारीख विवाह के लिए शुभ रहेंगी। इसके बाद 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में प्रवेश के साथ खरमास प्रारंभ हो जाएगा। सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार खरमास में विवाह, गृह प्रवेश सहित अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने के साथ ही चातुर्मास समाप्त हो जाता है और मांगलिक कार्यों का सिलसिला शुरू होता है। सीमित शुभ मुहूर्त होने के कारण नवंबर-दिसंबर में मैरिज गार्डन, होटल, कैटरिंग और विवाह आयोजनों से जुड़े कारोबार में तेजी आने की उम्मीद है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी से योगनिद्रा में लीन भगवान श्री हरि विष्णु चार माह चातुर्मास के बाद इस दिन जागते हैं। इस पावन तिथि के साथ ही विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे सभी मांगलिक कार्यों के शुभ मुहूर्त पुनः शुरू हो जाते हैं।

जुआरियों पर चौकी निवार पुलिस का शिकंजा

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक अनिमेश द्विवेदी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी माधवनगर निरीक्षक शैलेन्द्र यादव के नेतृत्व में चौकी प्रभारी निवार अंजनी कुमार मिश्र द्वारा पुलिस टीम के साथ ग्राम सुनेहरा के जंगल में जुआ खेल रहे 5 आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ने में सफलता प्राप्त की गई है। दिनांक 13 नवम्बर को चौकी निवार पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सुनेहरा के जंगल में कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर हार-जीत का जुआ खेल रहे हैं। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए चौकी प्रभारी निवार अंजनी कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर जुआ खेलते हुए 5 व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ा। आरोपियों के कब्जे एवं मौके से कुल 19,800 रु. नगद राशि एवं ताश के पत्ते जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों- घ्यानी लुनिया पिता प्रीतम लुनिया, उम्र 40 वर्ष, निवासी शाहपुर, थाना माधवनगर, जिला कटनी। संदीप कुमार राजभर पिता कोमल प्रसाद राजभर, उम्र 32 वर्ष, निवासी शाहपुर, थाना माधवनगर, जिला कटनी। सोनू काछी पिता छेदीलाल काछी, उम्र 25 वर्ष, निवासी शाहपुर, थाना माधवनगर, जिला कटनी। अंकित कुमार समदरिया पिता सालिगराम, उम्र 27 वर्ष, निवासी शाहपुर, थाना माधवनगर, जिला कटनी।

नशे में हाईवा चलाते वक्त ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों एवं ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना बड़वारा पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान शराब के नशे में हाईवा चलाते एक चालक के विरुद्ध ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत कार्रवाई की गई। दिनांक 13 नवम्बर को थाना बड़वारा पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान हाईवा क्रमांक एमपी 21जेडएफ 8786 को रोककर चेक किया गया। वाहन चालक ईश्वरदीन पाल पिता फून्दा पाल, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम बरहटा, थाना विजयराघवगढ़, जिला कटनी की ब्रीथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई। जांच में चालक द्वारा शराब का सेवन कर वाहन चलाना पाया गया। शराब के नशे में वाहन चलाते पाए जाने पर चालक के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। साथ ही हाईवा क्रमांक एमपी 21जेडएफ8786 को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया गया। प्रकरण के निराकरण हेतु इस्तगासा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। कार्रवाई में विशेष भूमिका- उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक रघुवीर सिंह, प्रधान आरक्षक नीतेश डोंगरे, प्रधान आरक्षक वीरेन्द्र चढ़ार एवं आरक्षक रवि कुमार कोरी की विशेष भूमिका रही।



पुलिस अभिरक्षा से फरार तीन आरोपियों को कटनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

एक आरोपी को घटना के चंद् घंटों पर ही किया गया था गिरफ्तार, शेष दो आरोपी भी किए गए गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के सख्त निर्देशन, मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य की मॉनिटरिंग एवं थाना प्रभारी माधवनगर एवं बहोरीबंद के प्रयासों से जिला कारागार कटनी के मुख्य गेट के बाहर से जेल दाखिल



करने के दौरान पुलिस अभिरक्षा से फरार तीनों आरोपियों को घेराबंदी कर कटनी पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपीगणों राकेश बाल्मिकी पिता आसाराम वाल्मीकि उम्र 45 वर्ष निवासी बिछियाकाप थाना बहोरीबंद, रंजीत वाल्मीकि पिता राकेश वाल्मीकि उम्र 26 वर्ष निवासी बिछियाकाप थाना बहोरीबंद, अभिषेक वाल्मीकि पिता राकेश वाल्मीकि उम्र 22 वर्ष निवासी बिछियाकाप थाना बहोरीबंद के विरुद्ध तहसीलदार न्यायालय बहोरीबंद द्वारा बीएनएस की धारा 170 एवं 126 के तहत कार्यवाही कर जेल वारंट जारी किया गया था। फरार आरोपियों में से आरोपी रंजीत वाल्मीकि पिता राकेश वाल्मीकि को फरार होने के चंद घंटे बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया था ।

शेष 2 आरोपियों को कटनी पुलिस द्वारा घेराबंदी कर संभावित ठिकाने पर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों आरोपियों के विरुद्ध पुलिस अभिरक्षा से फरार होने पर अपराध क्रमांक 1185/26 धारा 262 बीएनएस दर्ज किया गया है, अग्रिम कार्यवाही जारी है। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी झिंझरी राजेश दुबे एवं स्टाफ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पालीवाल मार्बल माइंस में क्रेन आपरेटर की संदिग्ध मौत पर ग्रामीणों का फूटा आक्रोश

स्लीमनाबाद थाने के सामने शव रखकर प्रदर्शन के बाद हाइवे पर किया गया चक्का जाम

परिजनों ने कम्पनी प्रबंधन पर लगाए गंभीर आरोप, एफआईआर दर्ज करने ओर उचित मुआवजे की मांग पर अड़े रहें ग्रामीण

कटनी (स्वतंत्रमत)। खदानों में मजदूरों की सुरक्षा और श्रम कानूनों के पालन को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के डुगरिया निवासी 40 वर्षीय इनोद कुशवाहा की पालीवाल मार्बल माइंस में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मामला गरमा गया है। मृतक खदान में क्रेन ऑपरेटर के रूप में कार्यरत था। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने न्याय की मांग को लेकर पहले स्लीमनाबाद थाने के सामने शव रखकर प्रदर्शन किया और इसके बाद नेशनल हाईवे 30 पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के चलते मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित हुआ। रात 11 बजे हुई घटना, परिजनों को सूचना दिए बिना शव को पहुंचाया अस्पताल। प्राप्त जानकारी के अनुसार इनोद कुशवाहा की मौत शुक्रवार की रात करीब 11 बजे खदान में काम के दौरान हुई। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद कंपनी प्रबंधन ने उन्हें तत्काल सूचना देने के बजाय शव को आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचा दिया। परिवार को कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई और अन्य माध्यमों से उन्हें घटना की जानकारी मिली। परिजनों ने सवाल उठाया कि आखिर इतनी बड़ी घटना के बाद उन्हें समय पर सूचना क्यों नहीं दी गई, क्या प्रबंधन मामले को दबाने का प्रयास कर रहा था।

24 घंटे काम कराने का आरोप, श्रम कानूनों के पालन पर सवाल-मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि इनोद कुशवाहा से कंपनी में लगातार 24 घंटे तक



काम कराया जाता था। यदि यह आरोप सही साबित होता है तो यह श्रमिकों के कार्य समय और सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर गंभीर मामला है। परिजनों ने मृतक की ड्यूटी का रिकॉर्ड, क्रेन संचालन का लॉग और अन्य दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है।

मैनेजर मनोज गुप्ता पर समझौते का दबाव बनाने का आरोप-परिजनों ने कंपनी के मैनेजर मनोज गुप्ता पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मृतक की मौत के बाद आर्थिक प्रलोभन देकर मामले को दबाने और समझौता कराने का प्रयास किया जा रहा था। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और कंपनी प्रबंधन का पक्ष सामने आना अभी बाकी है।

थाने के सामने प्रदर्शन के बाद हाईवे पर चक्काजाम-मौत की खबर के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने पहले थाने के सामने शव रखकर विरोध जताया। इसके बाद प्रदर्शनकारी शव लेकर नेशनल हाईवे पर पहुंच गए और सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। अचानक हुए प्रदर्शन से हाईवे पर आवागमन बाधित हो गया तथा दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हालात को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। मौके पर एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी व थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को समझाने और स्थिति सामान्य करने के प्रयास में जुटे रहे। प्रदर्शन कर रहे परिजनों और ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि पालीवाल मार्बल माइंस के जिम्मेदार प्रबंधन के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। इसके साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। परिजनों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। इस पूरे मामले में खदान परिसर के सीसीटीवी फुटेज, क्रेन संचालन के रिकॉर्ड, ड्यूटी रजिस्टर और मृतक के कार्य के घंटों की जांच बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि घटना के बाद परिजनों को सूचना दिए बिना शव अस्पताल किसके निर्देश पर पहुंचाया गया। इनोद कुशवाहा की मौत ने एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

इनका कहना है-

स्लीमनाबाद के पालीवाल मार्बल मै आपरेटर की मौत किस परिस्थितियों में हुई उसकी जाँच की जा रही है। मर्ग कायम करते हुए मृतक का पीएम करा दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने कें बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

आकांक्षा चतुर्वेदी
एसडीओपी स्लीमनाबाद

स्वतंत्र मत
जबलपुर

भारत ने पाकिस्तान के मुंह से छीना मैच

मोहित ने आखिरी बॉल पर चौके से जीत दिलाई, नौवीं बार जीता अंडर-19 एशिया कप, अल अमीरात भारत की रोमांचक जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा



अल अमीरात

पाकिस्तान जीत के करीब था, भारत की उम्मीदें लगभग टूट चुकी थीं। 338 रन जैसे टारगेट का पीछा करते हुए टीम इंडिया 252 रन पर 8 विकेट गंवा चुकी थी। पाकिस्तान को खिताब बचाने के लिए 51 बॉल पर सिर्फ 2 विकेट चाहिए थे, लेकिन तभी मोहित उल्वा ने ऐसी पारी खेली, जिसने मैच का नतीजा बदल दिया। नंबर-10 पर बल्लेबाजी करने आए मोहित ने सिर्फ 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन ठोक दिए। आखिरी ओवर में भारत को 8 रन चाहिए थे और हाथ में सिर्फ एक विकेट था। आखिरी गेंद पर 3 रन की जरूरत थी। मोहित ने गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाकर भारत को चैंपियन बना दिया। अल अमीरात में इस जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 80 और आर्यवीर सहवाग के 58 रन बनाए। इसके बाद मोहित ने मानल चौहान के साथ 57 रन की साझेदारी कर उम्मीद जगाई। मानल के आउट होने के बाद चिगुरुपति वेंकट के साथ मोहित ने आखिरी विकेट के लिए 30 रन जोड़कर भारत को जीत दिला दी।

दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन कर कराई वापसी

मुकाबले में पिछड़ चुकी भारतीय टीम को मोहित उल्वा और मनल चौहान की जोड़ी ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन कर वापसी कराई और पाकिस्तान को एक विकेट से शिकस्त दी। मनल चौहान के आउट होने के बाद एक बार भारतीय उम्मीद को झटका लगा था लेकिन आखिरी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरे चिगुरपति वेंकटा ने नाबाद 11 रनों की पारी खेल कर भारत को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मोहित उल्वा ने 26 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 49 रन की मैच विजयी पारी खेली। 338 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय अंडर-19 टीम के लिए कप्तान लक्ष्य रायचंदानी और आर्यवीर सहवाग की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत की।

337 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर

18वें ओवर में निकाब शरीफ ने आर्यवीर सहवाग (58) को आउट कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। आखिरी ओवरों में गेदबाजों ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान के बल्लेबाजों को लगातार आउट कर भारत की मैच में वापसी कराई। पाकिस्तान अंडर-19 टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 337 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया।

भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से काव्य परेश पटेल ने चार विकेट लिये। चिगुरपति वेंकटा को तीन विकेट मिले। अर्जुन राजपूत ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

अल्वी फरहान को 3 गेम में हराया, सीजन के दूसरे खिताब से एक जीत दूर

नई दिल्ली

भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। तीन गेम तक चले इस मुकाबले को जीतने में लक्ष्य को एक घंटा 9 मिनट का समय लगा।

अब वे खिताब से एक जीत दूर हैं। फाइनल में उनका सामना कोकी वातानाबे या पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न से होगा।लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 21-12 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में अल्वी फरहान ने वापसी करते हुए 21-15 से गेम अपने नाम किया।इसके बाद निर्णायक गेम में लक्ष्य ने आक्रामक खेल दिखाया और 21-11 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।जापान मास्टर्स से पहले लक्ष्य ने जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीता था।



फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के डिफेंडिंग चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था। यह इस सीजन का उनका पहला और करियर का सातवां बीडब्ल्यूएफ खिताब था। अब जापान मास्टर्स में भी वे उसी लय को बरकरार रखे हुए हैं।

शुरुआती तीन राउंड सीधे गेमों में जीते

लक्ष्य ने जापान मास्टर्स में अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चि यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर की थी। दूसरे राउंड में उन्होंने चीन के डोंग तियान याओ को 21-8, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 35 मिनट चला था। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला 39 मिनट से कम समय में खत्म हुआ था।

जैस्मिन शेखर ने जीता इस सीज़न का अपना दूसरा ख़िताब



जयपुर। शनिवार को रामबाग गोल्फ़ क्लब में आयोजित हीरो विमेंस प्रो गोल्फ़ टूर के 14वें चरण में, जैस्मिन शेखर ने अपनी एक शॉट की बढ़त को बढ़ाकर दो शॉट कर लिया और इस सीज़न का अपना दूसरा ख़िताब अपने नाम किया। बेंगलुरु की रहने वाली 21 वर्षीय जैस्मिन ने फ़ाइनल राउंड में बढ़त बनाई। उन्होंने संयम बनाए रखते हुए 1-ओवर 71 का स्कोर किया और भारत की दो सबसे अनुभवी खिलाड़ियों - वाणी कपूर (72) और रिधिमा दिलावरी (74) - को पीछे छोड़ दिया। इस हफ़्ते किसी भी खिलाड़ी का कुल स्कोर अंडर पार नहीं रहा। जैस्मिन ने 74-70-71 के राउंड के साथ कुल 5-ओवर का स्कोर किया। वहीं, वाणी कपूर (75-70-72) तीन दिनों में 7-ओवर पर रहीं और रिधिमा (74-71-74) इस चुनौतीपूर्ण कोर्स पर 9-ओवर पर रहीं। श्वेता मानसिंह (74-75-71) तीन दिनों में 10-ओवर के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं। जैस्मिन घरेलू सर्किट पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं, ख़ासकर इस साल। उन्होंने मुंबई में हुए पहले चरण में जीत के साथ अपने 2026 सीज़न की शुरुआत की थी। इसके बाद वह कई बार जीत के क़रीब पहुँचीं, वह डीएलएफ गोल्फ़ एंड कंट्री क्लब और जेपी विशटाउन, दोनों जगह उपविजेता (रनर-अप) रहीं। आख़िरकार, रामबाग में उन्हें एक और मौक़ा मिला, जिसे उन्होंने ख़िताब में बदल दिया। वह रिधिमा और वाणी के बाद 2026 में एक से ज़्यादा बार जीतने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं।

हर्षल पटेल को जीटी को ट्रेड करने के लिए एसआरएच तैयार

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग में दो बार पर्पल कैप जीतने वाले हर्षल पटेल को उनकी मौजूदा टीम सनराइज़र्स हैदराबाद आईपीएल 2027 से पहले गुजरात टाइटंस (जीटी) को ट्रेड करने के लिए तैयार है। क्रिकइंफो रिपोर्ट के अनुसार एसआरएच ने जीटी के साथ ट्रेड डील पर सहमति जताई है जिसके तहत जीटी को हर्षल चार करोड़ रुपए की राशि में मिलेंगे। आईपीएल 2025 के मेगा नीलामी में एसआरएच ने इससे दोगुनी राशि में हर्षल को खरीदा था, इसलिए जीटी के ऑक्शन पर्स से चार करोड़ रुपए की राशि काटी जाएगी। ट्रेड के अंतिम रूप लेने के बाद जीटी पांचवीं ऐसी फ्रैंचाइजी होगी जिसका हर्षल प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पगले हर्षल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), दिल्ली कैपिटल्स (डीसी), पंजाब किंग्स के लिए खेल चुके हैं और हालिया समय में पिछले दो सीज़न से हर्षल एसआरएच के साथ थे। 2025 के मेगा नीलामी में एसआरएच ने हर्षल को आठ करोड़ रुपए की राशि में ख़रीदा था और उस सीज़न हर्षल ने 13 मुक़ाबलों में 9.80 की इकॉनमी से 16 विकेट हासिल किए थे।

भारत ने एएफसी अंडर17 एशियन कप क्वालिफायर में गुआम को 12-0 से हराया



कुआलालंपुर।

भारत की दमदार अंडर-17 पुरुष टीम ने शनिवार को मलेशिया के कुआलालंपुर फुटबॉल स्टेडियम में गुआम को 12-0 से हराकर एएफसी अंडर-17 एशियन कप उज़्बेकिस्तान 2027 क्वालिफायर के ग्रुप ई में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। राज सिंह वाहेंगबाम और डल्लालमुओन गंगटे ने हैट्रिक बनाई, जिसमें से राज सिंह वाहेंगबाम ने चार गोल किए। लियो थोंगबाम ने पांचवें मिनट में भारत बढ़त दिलाई, जिसके बाद गंगटे ने सिंगापुर के खिलाफ अपने तीन गोल और किए।

इसके बाद कप्तान को हाफ-टाइम में आराम दिया गया। ऋषिकेश मानवती ने भी एक गोल किया, और भारत ब्रेक तक 5-0 से आगे था। मैच दोबारा शुरू होने पर, मेहराजुद्दीन वाडू के लड़कों ने अपने विरोधियों को और परेशान किया, राज, डेविड मंगांग इरोम, फेलिक्स मेइतेई सैखोम और रिस्तिक मैती के सात और गोल करके स्कोरिंग शीट पर जगह बनाई।

यह भारतीय अंडर-17 पुरुष टीम के लिए एएफसी क्वालिफाइंग मैच में तीसरी सबसे बड़ी जीत थी, जो 1984 और 2024 में मकाऊ और ब्रुनेई दारुस्सलाम पर क्रमशः 13-0 की जीत से थोड़ा ही पीछे थी। भारत, छह पॉइंट्स के साथ, अब मंगलवार को अपने अगले विरोधी फ़िलिस्तीन से आगे गोल अंतर पर टेबल में टॉप पर है। सिंगापुर के तीन पॉइंट्स हैं, जबकि मलेशिया और गुआम को अभी अपना खाता खोलना है। केवल ग्रुप विनर ही एएफसी अंडर17 एशियन कप 2027 के लिए क्वालिफ़ाई करेंगे। नतीजे के बावजूद, गुआम के गोलकीपर लियाम राल्फ मैदान पर सबसे बिज़ी खिलाड़ी थे और उन्होंने कुछ अच्छे सेव किए। इसके उलट, भारतीय गोलकीपर मारूफ शफी को पूरे गेम में कुछ खास करने को नहीं मिला।



मेसी के सन्यास के बाद अपने पहले मैच में हारा अर्जेंटीना

ब्यूनस आयर्स। एक फ्रेंडली मैच में उरुग्वे ने अर्जेंटीना को 2-1 से हरा दिया। उरुग्वे ने दूसरे हाफ में दो गोल किए। यह मैच लियोनेल मेसी के संन्यास के बाद के दौर का पहला मुकाबला था। जॉर्जियन डी अरास्काएटा की फ्री-किक के दौरान लियोनार्डो बालेर्डी से गलती हो गई और गेंद उनके अपने ही नेट में चली गई, जिससे उरुग्वे को बढ़त मिल गई। इसके बाद, डी अरास्काएटा के कॉर्नर किक पर मैक्सिमिलियानो अराउजो ने हेडर के जरिए गेंद को गोल पोस्ट के कोने में पहुंचा दिया। 73वें मिनट में अर्जेंटीना के जूलियन अल्वारेज़ ने एक गोल वापस किया। जियानलुका प्रेस्टियानी के क्रॉस पर अल्वारेज़ ने पहली बार में ही शॉट मारा, जो गोल पोस्ट से टकराकर अंदर चला गया। पिछले महीने मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद, अर्जेंटीना का यह पहला मैच था। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी, 126 गोल के साथ अर्जेंटीना के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी और 208 मैचों के साथ सबसे ज्यादा बार खेलने वाले खिलाड़ी के रूप में विदा हुए। मंगलवार को इस साल के अपने आखिरी फ्रेंडली मैचों में, अर्जेंटीना का सामना कोर्डोबा में कोस्टा रिका से होगा, जबकि उरुग्वे की टीम मोंटेवीडियो में डोमिनिकन रिपब्लिक से भिड़ेगी।

साइयंट डीएलएम, हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड मिल समुद्री रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में तलाशेंगे सहयोग की संभावनाएं

नयी दिल्ली



डिजाइन-आधारित विनिर्माण के लिए एक एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण समाधान भागीदार, साइएंट डीएलएम और सरकारी रक्षा उपक्रम हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) ने समुद्री और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी समाधानों के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह समझौता ज्ञापन एच एस एल के जहाज निर्माण, जहाज की मरम्मत और प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशन के अनुभव को, साइएंट डीएलएम की मिशन-क्रिटिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, एम्बेडेड सिस्टम, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, सटीक विनिर्माण (प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग), टेस्टिंग और प्रोडक्ट लाइफसाइकिल सपोर्ट की क्षमताओं के साथ जोड़ने वाला है। यह सहयोग ऐसे क्षेत्रों की तलाश करेगा जो भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों के समर्थन में, स्वदेशीकरण और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने में योगदान दे सकें।

विज्ञप्ति के अनुसार इस ढांचे के तहत, दोनों संगठन समुद्री और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, एम्बेडेड सिस्टम, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, टेस्टिंग, विनिर्माण और लाइफसाइकिल सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं का मूल्यांकन करेंगे। ये कंपनियां स्वदेशीकरण, पुराने हो रहे सिस्टम का प्रबंधन (ऑब्सोलेसेंस मैनेजमेंट), टेस्ट और सपोर्ट सिस्टम, स्वायत्त (ऑटोनॉमस) और मानवरहित समुद्री प्लेटफॉर्म, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स तथा एआई-आधारित रखरखाव समाधानों जैसे क्षेत्रों में भी अवसरों की तलाश करेंगी।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 719.55 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6 नवंबर 2026 को समाप्त सप्ताह में बढ़कर 719.55 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार इससे पिछले सप्ताह की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार में 2.49 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 23.2 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 591.35 अरब डॉलर पर रहीं जबकि स्वर्ण भंडार 2.20 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 104.80 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार 5.2 करोड़ डॉलर बढ़ कर 18.61 अरब डॉलर तथा अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत का आरक्षित कोष 10 लाख डॉलर बढ़ कर 4.79 अरब डॉलर के बराबर पहुंच गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार इससे पहले 4 सितंबर 2026 को 785.71 अरब डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर था। विदेशी मुद्रा भंडार में घट बढ़ अन्य प्रमुख विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियों के डॉलर मूल्य के आधार पर मूल्यांकन में घट-बढ़ से भी प्रभावित होता है।

सम्मान कैपिटल का ऋण वितरण दूसरी तिमाही में 62 प्रतिशत, शुद्ध लाभ में 28 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। सम्मान कैपिटल लि ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही मजबूत परिचालन और वित्तीय उपलब्धियां दर्शाते हुए पहली तिमाही की तुलना में ऋण वितरण में 62 प्रतिशत और शुद्ध लाभ में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।



कंपनी की तिमाही वित्तीय रिपोर्ट के अनुसार उसने दूसरी तिमाही में 6,278 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये जो पहली तिमाही में 3878 करोड़ रुपये की तुलना में 62 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ (कर पश्चात लाभ) 312 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया जो पहली तिमाही में 243 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के मुताबिक 30 सितंबर 2026 को समाप्त दूसरी तिमाही के अंत में कंपनी की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 59,188 करोड़ रुपये रहीं। इस दौरान कंपनी की परिसम्पत्तियों (कर्ज) की गुणवत्ता में सुधार हुआ। दूसरी तिमाही में सकल अवरुद्ध सम्पत्तियां (जीएनपीए)घटकर 0.15 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए घटकर 0.11 प्रतिशत पर आ गया। तिमाही के दौरान कंपनी ने लगभग 30,700 ऋण वितरित किए। कंपनी का पूंजी पर्याप्तता अनुपात दूसरी तिमाही के अंत में 20 प्रतिशत था जो पहली तिमाही के 20.1 प्रतिशत के लगभग बराबर बना था। कंपनी ने अपनी शाखाओं का नेटवर्क 217 से बढ़ाकर 245 कर दिया है, जो 20 राज्यों में फैला हुआ है। वित्त वर्ष 2027 के अंत तक 270 शाखाओं तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, कंपनी पर्सनल लोन, गोल्ड लोन और लघु और मझोले उद्यम क्षेत्र में अपने कारोबार का विस्तार करने पर ध्यान दे रही है।

इस तिमाही रिपोर्ट पर सम्मान कैपिटल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गगन बांगा ने कहा, इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का प्रदर्शन कंपनी की परिवर्तन और विकास रणनीति के क्रियान्वयन में निरंतर प्रगति को दर्शाता है। हमने ऋण वितरण और लाभप्रदता में मजबूत वृद्धि के साथ अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार किया है। तकनीक, मानव संसाधन, वितरण नेटवर्क और संचालन क्षमताओं को मजबूत करते हुए हमारा लक्ष्य सतत विकास हासिल करना है। कंपनी ने अपने कारोबार के विस्तार को संभालने के लिए 2026-27 की अप्रैल-सितंबर छमाही में 1123 कर्मचारी भर्ती किये हैं।

पीयूष गोयल 16 नवंबर तक मिस्र की यात्रा पर

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 15 से 16 नवंबर तक मिस्र की आधिकारिक यात्रा करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस यात्रा का उद्देश्य भारत और मिस्र के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत करना है। इसमें मुख्य रूप से द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने, निवेश को बढ़ावा देने, औद्योगिक सहयोग को गहरा करने और दोनों देशों के व्यवसायियों के जुड़ाव को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। मंत्रालय ने कहा है कि भारत और मिस्र के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों के स्तर पर लंबे समय से गहरे संबंध रहे हैं। ये संबंध अब एक बहुआयामी साझेदारी में बदल गए हैं, जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा और सांस्कृतिक सहयोग शामिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत-मिस्र संबंधों को नई गति मिली है। इसके परिणामस्वरूप, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध अब एक रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर पहुंच गए हैं, जिसमें आर्थिक क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता है। इस यात्रा के दौरान भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति का सातवां सत्र, भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार परिषद की बैठक और भारत-मिस्र व्यापार मंच आयोजित किए जाएंगे।

गुड़-चीनी के भावों में भी हल्की तेजी

दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल और दालों में नरमी



नयी दिल्ली। दिल्ली थोक जिंस बाजार में शनिवार को खाद्य तेलों में त्योहारी मांग का दबाव कम होने के बाद औसत दर्जे की गिरावट दिखी जबकि गेहूं , आटा , चीनी और गुड़ में हल्की तेजी देखी गयी। चावल का हल्का बाजार नरम रहा।

बाजार में हल्के कारोबार के बीच उड़द को छोड़ कर अधिकतर दालों में गिरावट दर्ज की गयी। दालों के भाव में पिछले कुछ दिन से सीमित कारोबार में घट-बढ़ का रुख चल रहा है।कल के हल्के सुधार के बाद आज चना , मूंग और मसूर में 12 से 38 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी दिखी। तुअर का भाव करीब करीब कल के स्तर पर स्थिर था जबकि उड़द में 7 रुपये की हल्की नरमी रही। खाद्य तेलों में कल की तेजी के बाद आज बाजार दबा हुआ था।। सरसों और वनस्पति में क्रमशः 92 रुपये और 77 रुपये की गिरावट रही। सोया 53 रुपये और सूरज मुखी तेल 15 रुपये टूट गया । जबकि मूंगफली तेल में सबसे अधिक 255 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दिखा। पाम आयल का भाव और 71 रुपये नीचे आ गया।गेहूं प्रति क्विंटल 16 रुपये और आटा 7 रुपये तेज बोला गया जबकि चावल में 6 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी दर्ज की गयी। चीनी और गुड़ बाजार में हल्की तेजी थी। दोनों में आज 19-19 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गयी। विदेशी बजारों में मलेशिया का बुरसा एक्सचेंज आज बंद था कल वहां जनवरी का पाम ऑयल वायदा कारोबार 22 रिंगिट मजबूत होकर 4,462 रिंगिट प्रति टन पर चल रहा था। अमेरिकी सोया तेल वायदा के दिसंबर अनुबंधों का भाव कल रात 0.49 प्रतिशत की बढ़त से 63.73 सेंट प्रति पौंड के स्तर पर बंद हुआ था।

एक दिन ठप रहने के बाद माइक्रोसॉफ्ट की सर्विसेज बहाल



नई दिल्ली। एक दिन से ज्यादा समय तक ठप रहने के बाद माइक्रोसॉफ्ट की आउटलुक, टीम्स और कोपायलट समेत सभी प्रमुख सर्विसेज अब बहाल हो गई हैं। कंपनी ने 13 नवंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर इस आउटेज के लिए ग्राहकों और पार्टनर्स से माफी मांगी है। माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि यह समस्या किसी साइबर हमले या एक्स एजेंट की वजह से नहीं, बल्कि नेटवर्क कैपेसिटी अपग्रेड से जुड़ी एक तकनीकी खामी के कारण हुई थी। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि इस समस्या के कारण ग्राहकों और पार्टनर्स को हुई परेशानी के लिए खेद है। कंपनी ने स्वीकार किया कि ग्राहक उनकी सर्विसेज पर जो भरोसा जताते हैं, उसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी आती है और वे इसे बेहद गंभीरता से लेते हैं। इस समस्या की मूल वजह को ठीक कर लिया गया है। हालांकि, जो थोड़े-बहुत ग्राहक और क्षेत्र अभी भी प्रभावित हैं, वहां सर्विसेज को पूरी तरह सामान्य करने का काम जारी है। आउटेज के दौरान लगातार अपडेट देने वाले माइक्रोसॉफ्ट 365 स्टेटस अकाउंट ने भी कंपनी के इस बयान को रीपोस्ट किया है।

योग विश्व कल्याण का है सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री

सीएम स्वामी विवेकानंद योग विश्वविद्यालय बेंगलुरु में प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में हुए शामिल



भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि योग आज विश्व में भारत की विशिष्ट पहचान बन चुका है। योग ने पूरी दुनिया को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ व्यक्तित्व विकास तथा आत्मिक शांति का मार्ग दिखाया है। योग सदियों से हमारी भारतीय जीवन पद्धति का आधार और अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि योग पूरी काया की विश्रांति है। यह सिर्फ़ एक व्यायाम ही नहीं, शरीर, मन और आत्मा को जोड़कर जीवन को संतुलित एवं निरोगी बनाने की पद्धति है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को स्वामी विवेकानंद योग विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर स्वर्ण जयंती समारोह का विधिवत् शुभारंभ किया। एस-व्यासा सोसायटी द्वारा संचालित इस योग विश्वविद्यालय के संचालकों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जीवन कृतित्व पर प्रकाश डालकर तथा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा, गज प्रतिमा, कर्नाटक की प्रसिद्ध कारीगरी वाली पारम्परिक शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार को विकास के साथ-साथ संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का भी केंद्र बनाने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के संचालकों को मध्यप्रदेश में अपनी यूनिवर्सिटी का एक कैम्पस (अध्ययन केंद्र) स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि वे स्वयं चाहते हैं कि मध्यप्रदेश और प्रशांति कुटीरम के बीच योग, प्राकृतिक चिकित्सा, अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खुलें।

पांच दशकों की तपस्या का अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पद्मश्री डॉ. एचआर नागेंद्र जैसे महान वैज्ञानिक और ऋषि-तुल्य व्यक्तित्व ने नासा जैसी प्रतिष्ठित संस्था का त्याग कर अपना सम्पूर्ण जीवन योग और मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। उनकी दूरदर्शिता ने प्राचीन भारतीय योग विद्या को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर प्रमाणित कर विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया। चिकित्सा विज्ञान और योग चिकित्सा के समन्वय में डॉ. आर. नागरत्ना तथा उनके सहयोगी मनीषियों का योगदान अतुलनीय है। इन महापुरुषों के सामूहिक तप से प्रशांति कुटीर आज असाध्य रोगों के निवारण और समग्र स्वास्थ्य का वैश्विक केंद्र बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्था स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित है। उनका सपना था कि शिक्षा, चरित्र निर्माण और सेवा के माध्यम से एक सशक्त, आत्मविश्वासी और संवेदनशील समाज का निर्माण हो। यह अवसर केवल एक संस्थान के 50 वर्ष पूरे होने का उत्सव ही नहीं है, यह भारतीय ज्ञान परम्परा, योग साधना, आध्यात्मिक चेतना और मानव कल्याण के लिए समर्पित पांच दशकों की तपस्या का अभिनंदन है। प्रशांति कुटीरम ने योग को आध्यात्मिक अभ्यास से इतर आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा अनुसंधान से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया है।

विश्वविद्यालय के संचालकों को मध्यप्रदेश में अपना यूनिवर्सिटी कैम्पस खोलने का दिया प्रस्ताव

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिली नई प्रतिष्ठा

स्वामी विवेकानंद योग विश्वविद्यालय ने योग के वैज्ञानिक अध्ययन, अनुसंधान और वैश्विक प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रशांति कुटीरम की बीते 50 सालों की अनवरत यात्रा योग, साधना प्रयोग और मानव सेवा के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा मिली है। उन्होंने कहा कि चाहे नेचुरोपैथी हो, आयुर्वेद हो।



मध्यप्रदेश को देश का मिल्क केपिटल बनाने की कार्ययोजनाओं पर तेजी से काम शुरू

25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाईयाँ स्थापित होंगी, एक इकाई पर 42.00 लाख रूपये तक लोन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मध्यप्रदेश को देश का मिल्क केपिटल बनाने की कार्ययोजनाओं पर तेजी से काम शुरू हो गया है। वर्तमान में वार्षिक उत्पादन 22.6 मिलियन टन के साथ प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 700 ग्राम है जो राष्ट्रीय औसत 485 ग्राम प्रतिदिन प्रति व्यक्ति से ज्यादा है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिये पशुपालक किसानों और पशुपालन में रूचि रखने वाले हितग्राहियों को पशुधन समृद्ध बनाने वाली योजनाओं का लाभ लेने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। गौवंश बढ़ाने वाली देश की सबसे महत्वाकांक्षी और नवाचारी योजना डा भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना पशुपालकों के लिये लाभदायी सिद्ध हो रही है। यह योजना सभी जिलों के लिए है। योजना में अधिकतम 25 दुधारू पशुओं की इकाई स्थापित की जा सकेगी। एक इकाई में सभी गौवंश अथवा सभी भैंसवंश हो सकेंगे। एक इकाई में रखी जाने वाली सभी गायों/भैंस एक ही प्रजाति की होगी। योजना में गौवंशीय नस्लों में गिर, साहीवाल, थारपाकर, रेड सिंधी तथा संकर गायों में केवल संकर हॉलस्टीन फ्रीजियन, जर्सी गौवंशीय मान्य होगी। भैंसवंशीय मुर्रा, सूरती, मेहसाना तथा भदावरी नस्लें ही मान्य होगी। एक इकाई की अधिकतम राशि रु. 42.00 लाख है।एक हितग्राही को एक या एक से अधिक इकाइयों की पात्रता है। अधिकतम 08 इकाईयां, 200 दुधारू पशु लेने की पात्रता है। एक से अधिक इकाईयां लेने की स्थिति में वह उन्नत गाय/संकर गाय या भैंस की इकाई अपनी सुविधा अनुसार चयन कर सकेगा।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 26 कुपोषित बच्चों की हुई जांच



पटेरा (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर, जिला चिकित्सा अधिकारी और पटेरा मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरआर बागरी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में हाल ही में ग्राम कोटा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर कुपोषित बच्चों की पहचान करना और उन्हें समय पर उचित उपचार दिलाना था। शिविर के दौरान पटेरा एनआरसी पोषण पुनर्वास केंद्र के लिए सेक्टरवार कैंप का आयोजन किया गयाए जिसमें पोषण प्रशिक्षक रजनी पंथी ने अपनी सेवाएं दीं। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरआर बागरी की देखरेख में कुल 26 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के उपरांत बच्चों की माताओं को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि वे अपने कुपोषित बच्चों को बेहतर देखभाल और पोषण के लिए पटेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित एनआरसी में भर्ती कराएं जिससे बच्चों के स्वास्थ्य में जल्द सुधार हो सके। इस सफल आयोजन में कोटा उपस्वास्थ्य केंद्र के सीएचओ मनीष शर्मा, आशा सुपरवाइजर जानकी दुबे तथा ग्रामीण आशा कार्यकर्ता चंद्रवती कुर्मी ग्राम रमगटा, पूनम पांडे, द्रोपती, हसीना, रीता साहू सहित क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की सराहनीय सहभागिता रही।

पिछड़ा वर्ग मोर्चाए संगठन और जनता के बीच सेतु बनकर कार्य करें : श्याम शिवहरे

भारतीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला संगठनात्मक बैठक संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला दमोह की जिला संगठनात्मक बैठक का आयोजन जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय सेन, जिला कार्यालय मंत्री देवकीनंदन पटेल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला महामंत्री अभिषेक राय, लक्ष्मण कुशवाहा मंचासीन रहे। बैठक का प्रारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया तंदुपरांत अतिथियों का स्वागत भाजपा पट्टिका पहना कर किया गया। सभी नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों का परिचय हुआ।

जिला भाजपा अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने अपने उद्बोधन में नवनियुक्त पदाधिकारियों को पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यों एवं संगठनात्मक दायित्वों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग मोर्चा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति, विचारधारा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करें। बूथ, वार्ड एवं क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से निरंतर संपर्क और संवाद स्थापित करें। समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को संगठन से जोड़कर नए नेतृत्व को तैयार करें। आप सभी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी जनता और संगठन के बीच सेतु के रूप में कार्य करने की है।

चाचा नेहरू का जन्म दिवस मनाया

दमोह (स्वतंत्र मत)।



नीलम संगीत साधना केंद्र पर शनिवार को प्रतिभाशाली बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया गया बाल दिवस मां सरस्वती का पूजन कर सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । बाल संगीतकार प्रतिभावान बच्चों का सम्मान बाल नाटिका मुझे पढ़ने जाना है पुस्तक एवं फूल माला से सम्मान किया गया, तत्पश्चात सुमधुर शास्त्रीय संगीत एवं सुगम संगीत की शानदार प्रस्तुतियां दी गई । संगीत आचार्य मुकेश दुबे के निर्देशन मे राग खमाज, यमन, काफी, भूपाली अल्हैया की लाजवाब प्रस्तुति दी। मीरा बाई का लिखा गीत पायो जी मैने राम रतन धन पायो एकी श्रेष्ठ प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थापक श्यामसुंदर शुक्ल ने कहा बच्चों की मनोहारी प्रस्तुति ने मन मोह लिया। अध्यक्ष दिनेश पटेल ने बच्चों को होनहार कलाकार कहा विशिष्ठ अतिथि सीमा अग्रवाल और अनिल पटेल ने बच्चों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। संचालन संस्था प्राचार्य डॉ. प्रेमलता नीलम ने किया आभार संगीत शिक्षक मुकेश दुबे ने माना।



सांसद कार्यालय में दीपावली मिलन समारोह

सांसद राहुल सिंह लोधी की पहल को सराहा

दमोह (स्वतंत्र मत)। सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी ने कहा दीपावली मिलन समारोह में पत्रकारिता एवं मीडिया जगत के सभी साथी बण्डा से, बड़ामलहरा से और दमोह जिले की चारों विधानसभाओं से पत्रकार बंधु यहां आए हैं। मैं सभी को दीपावली की बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा मेरा मानना है कि हर वर्ष दिवाली पर एक मिलन स्नेह भोज का कार्यक्रम होना चाहिए और वह क्रम निरंतर चलते जा रहा है। मैं सभी पत्रकार बंधुओं को धन्यवाद भी देना चाहता हूँ कि आप हमारे आग्रह पर आप लोग आ जाते हैं। दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने कहा राहुल भैया का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस आयोजन के माध्यम से सभी लोगों को एक छत के नीचे एकत्रित होने का अवसर प्रदान किया। ऐसे आयोजन आपसी मेल-मिलाप, एकता और भाईचारे को मजबूत करने का काम करते हैं। इस दौरान राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, हटा विधायक उमादेवी खटीक, राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, जिला भाजपा अध्यक्ष श्याम शिवहरे सहित अनेक गणमान्य जनों सहित मीडिया कर्मियों की उपस्थित रही।

स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

दमोह (स्वतंत्र मत)।



भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल द्वारा राजकीय उत्कृष्ट विद्यालय दमोह में विद्यार्थियों के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कम आयु से ही बचत, बजट निर्माण, सुरक्षित डिजिटल भुगतान और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल के उप महाप्रबंधक विक्रम सिंह राजपूत शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छी वित्तीय आदतें भविष्य को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी आय अथवा पॉकेट मनी का बजट बनाने, आवश्यक और अनावश्यक खर्च में अंतर समझने तथा नियमित बचत की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने चक्रवृद्धि ब्याज के लाभ को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाते हुए बताया कि छोटी बचत भी समय के साथ महत्वपूर्ण राशि बन सकती है।

उप महाप्रबंधक ने भारतीय बैंक नोटों के प्रमुख सुरक्षा चिह्नों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से केवल असली नोट स्वीकार करने तथा संदेह होने पर निकटतम बैंक शाखा से संपर्क करने की सलाह दी। डिजिटल भुगतान के विषय में उन्होंने सुरक्षित माध्यमों के उपयोग, भुगतान से पहले प्राप्तकर्ता की जानकारी जांचने और अनजान लिंक अथवा क्यूआर कोड से सावधान रहने पर जोर दिया। साइबर धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में विद्यार्थियों को बताया गया कि ओटीपी, पिन, पासवर्ड और बैंक खाते की जानकारी किसी व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। फर्जी कॉल, पुरस्कार, छात्रवृत्ति, केवाईसी अपडेट अथवा त्वरित धन लाभ के नाम पर आने वाले संदेशों और लिंक से सतर्क रहने की सलाह दी गई।

किसी भी संदिग्ध साइबर घटना की सूचना तत्काल अभिभावक, बैंक तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर देने का आग्रह किया गया। भारतीय रिज़र्व बैंक के अग्रणी जिला अधिकारी ने विद्यार्थियों के लिए विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। विद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को उपयोगी एवं प्रेरक बताया।



पूर्व कलेक्टर के जन्म दिवस पर वृद्धाश्रम में बांटे गर्म कपड़े

दमोह (स्वतंत्र मत)।

दमोह जिले में कलेक्टर के रूप में अपनी कार्यशैली, सहज व्यवहार और आत्मीयता से लोगों के बीच अलग पहचान बनाने वाले आईएएस अधिकारी सुधीर कुमार कोचर के 51वें जन्मदिवस के अवसर पर अपना घर वृद्धाश्रम में सेवा कार्य किया गया। इस दौरान उनके शुभचिंतकों द्वारा वृद्धजनों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कपड़े, पुरुषों को मोजे और महिलाओं को सिर पर बांधने के लिए स्कार्फ वितरित किए गए। इस अवसर पर भोपाल से मोबाइल के माध्यम से सुधीर कुमार कोचर ने वृद्धजनों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। वहीं वृद्धजनों ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। उन्होंने प्रार्थना की कि कोचर निरंतर सफलता की नई ऊंचाइयों को छूते रहें और उनका जीवन सदैव खुशियों से भरा रहे।

महादेव और इमलिया घाट में बिरसा मुंडा की दो प्रतिमाओं का आज को होगा अनावरण

दमोह (स्वतंत्र मत)। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती का कार्यक्रम देश प्रदेश और दमोह जिले में बड़े धूमधाम से मनाया जायेगा। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवसके रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है, विगत चार-पाँच वर्षों से लगातार भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा पूरे प्रदेश में यह जनजातीय गौरव दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ हमारे जनजाति भाइयों का सम्मान करते हुए हम मनाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने मीडिया बंधुओं से कहा सबसे बड़ी प्रसन्नता की बात यह है कि दमोह जिले में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा जी की दो प्रतिमाओं का अनावरण होने जा रहा है। एक प्रतिमा रोंड़ के पास महादेव घाट में बिरसा मुंडा की प्रतिमा अनावरण होने जा रहा है। वह प्रतिमा सांसद जी के माध्यम से वहाँ लगवाई गई है। दूसरी प्रतिमा इमलिया घाट चौकी में दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया के नेतृत्व में प्रतिमा लगने जा रही है। उन्होंने कहा जनजातीय गौरव दिवस में बिरसा मुंडा का सम्मान करते हुए दो प्रतिमाओं का अनावरण 15 नवंबर को सुबह 11 बजे से इमलिया घाट में एवं दोपहर 2 बजे से महादेव घाट में कार्यक्रम रहेगा। श्री लोधी ने कहा दोनों कार्यक्रमों में वरिष्ठ सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते उपस्थित रहेंगे। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जो प्रतिमाओं का अनावरण हो रहा है उसमें शामिल होंगे।

बाल दिवस पर प्रेरणा विशेष शिक्षा संस्थान में फिल्म दिखाई

दिव्यांग बच्चों द्वारा उत्साह पूर्वक आयोजित किया गया बाल मेला



दमोह (स्वतंत्र मत)। नि:शक्त व्यक्ति अभिभावक संघ जबलपुर द्वारा संचालित प्रेरणा विशेष शिक्षा संस्थान एवं पुनर्वास केंद्र में बाल दिवस के अवसर पर विशेष बच्चों के लिए सितारे जमीन पर पिक्चर दिखाई गई बच्चों ने पिक्चर में मनोरंजन के साथ स्वल्पाहार किया। हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ बाल मेले का आयोजन किया गया। इस बाल मेले में संस्थान के सभी दिव्यांग बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा अपनी-अपनी दुकानों के माध्यम से विभिन्न खाद्य सामग्री एवं स्वादिष्ट व्यंजनों की दुकानें लगाईं। बच्चों द्वारा लगाई गई दुकानों में मीठे भजिए, चाय, बिस्किट, चॉकलेट, मैगी, पास्ता, कुरकुरे एवं पोहे सहित अनेक खाद्य पदार्थ उपलब्ध रहे। बच्चों ने स्वयं अपनी दुकानों को सजाया और ग्राहकों को सामग्री उपलब्ध कराने में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों ने भी बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया।

उन्होंने बच्चों द्वारा लगाई गई दुकानों से विभिन्न सामग्रियों की खरीदारी की तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया।बाल मेले के माध्यम से बच्चों ने दुकान लगाना, ग्राहकों से बातचीत करना, सामग्री देना तथा पैसों का लेन.देन करना जैसे महत्वपूर्ण व्यावहारिक कौशल सीखे। कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत आनंदमय एवं उत्साह पूर्ण रहा इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष अभय कुमार दुबे, संचालिका अनीता दुबे विशेष शिक्षिका आकांक्षा, विशेष शिक्षिका मानसी, शिक्षिका चांदनी नामदेव, कंप्यूटर सहायक प्रवीण पटेल, केयर गिवर ऊषा नामदेव, वोकेशनल सहायक अभिषेक दुबे, सहायक फिजियोथेरेपिस्ट रोशनी अहिरवाल, आफिस सहायक गणेश सिंह लोधी सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

समस्त स्टाफ सदस्यों ने भी बच्चों द्वारा लगाई गई दुकानों से विभिन्न खाद्य सामग्रियों की खरीदा की तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इससे बच्चों में खुशी आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बनने की भावना को प्रोत्साहन मिला। साथ ही अभिभावकों ने भी प्रोत्साहित किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर

पत्र क्रं./बा. वि./2026/142
दिनांक 3/11/2026

दुकान हस्तांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि श्री राधाकृष्ण हीरानी पिता स्व. श्री खुशीराम हीरानी द्वारा पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र एवं माता जी का मृत्यु प्रमाण पत्र तथा भाई का सहमति पत्र के आधार पर निगम स्वामित्व की चावल मण्डी मार्केट दुकान क्रं. 81 में नया अनुज्ञप्तिधारी के रूप पर हस्तांतरण हेतु आवेदन किया गया हैं। जिस किसी को उक्त हस्तांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में कार्यालय बाजार अधीक्षक, कमरा नं. 57, नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

बाजार अधीक्षक
नगर निगम, जबलपुर



महिला यात्री की सजगता से परिजनों को वापस मिली बच्ची

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दयोदय एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12181) में यात्रा के दौरान अपने परिजनों से बिछड़ी एक मासूम बच्ची को रेलवे कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई एवं एक जागरूक महिला यात्री की सूझबूझ से सकुशल उसके परिवार से मिलवा दिया गया। जानकारी के अनुसार, दयोदय एक्सप्रेस के जनरल कोच में कुछ यात्रियों के बीच कहासुनी हो गई थी। इस घटना से घबराकर अजमेर की ओर से यात्रा कर रहे एक परिवार की छोटी बच्ची डर के कारण दूसरे कोच में चली गई। परिजनों को इस बात का पता नहीं चल पाया कि उनकी बच्ची दूसरे कोच में रह गई है। इसी दौरान शाहनगर की एक महिला यात्री की नजर अकेली बैठी बच्ची पर पड़ी।



खेत में काम करते समय करंट की चपेट में आया मजदूर, मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। ग्राम भीखाखेड़ा में शुक्रवार शाम खेत में काम करते समय करंट लगने से 23 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल युवक को सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शिवशंकर उर्फ रघुवीर गोटिया (23) निवासी ग्राम प्रतापपुर, भीखाखेड़ा के रूप में हुई। जो दिनेश पटेल के खेत में मजदूरी कर रहा था। शुक्रवार शाम काम के दौरान जैसे ही वह खेत में बड़ी बिजली लाइन के पास पहुंचा, उसका हाथ तार के संपर्क में आ गया। इससे उसे जोरदार करंट लगा और वह मौके पर ही बेसुध हो गया।

देशवासियों को सदियों तक प्रेरित करता रहेगा बिरसा मुंडा का बलिदान और आदर्श

जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम डॉ मोहन यादव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। जनजातीय गौरव दिवस के शुभारंभ में सम्मलित होने मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जबलपुर पहुंचे। श्री यादव ने आधारताल तिराहा स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि मात्र 25 वर्ष के अल्प जीवन में भगवान बिरसा मुंडा ने संघर्ष, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की ऐसी मिसाल प्रस्तुत की, जिसे देश कभी नहीं भुला सकता। वे जनजातीय अस्मिता, स्वाभिमान और सुशासन के अमर प्रतीक हैं। उनके योगदान को जितना भी याद किया जाए, वह कम है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए जनजातीय समाज को जागरूक एवं संगठित होने का संदेश दिया।



शैक्षणिक संस्थानों का किया भूमिपूजन

कार्यक्रम के दौरान जबलपुर जिले की सिहोरा विधानसभा क्षेत्र में 16 करोड़ 75 लाख 39 हजार रुपये की लागत से आईटीआई सिहोरा में 6 ट्रेड के लिए आईटीआई भवन, 30.30 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास तथा विभिन्न श्रेणियों के आवास गृहों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वहीं, 116 करोड़ 30 लाख 58 हजार रुपये की लागत के चार शैक्षणिक संस्थानों का लोकार्पण किया गया। समारोह में विधायक अशोक रोहाणी, डॉ अभिलाष पांडे, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैनए जेडी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, मप्र तीर्थ स्थामन एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष विनोद गोटिया, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सफाई मित्रों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मानस भवन में आयोजित सफाई मित्र सम्मान समारोह में स्वच्छता के क्षेत्र में जबलपुर की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सफाई मित्रों और शहरवासियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि जबलपुर ने स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अब देश में स्वच्छता की मिसाल दी जाएगी तो उसमें जबलपुर का नाम प्रमुखता से लिया जाएगा। यह उपलब्धि सफाई मित्रों के समर्पण, मेहनत और नागरिकों की सहभागिता का परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सफाई कर्मियों पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सफाई मित्रों की सेवाओं और समर्पण की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

पं. नेहरू के जीवन पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन, विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

बाल दिवस पर कांग्रेस सेवादल और हितकारिणी स्कूल गोविंदगंज के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारत रत्न पं जवाहरलाल नेहरू की जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल, गोविंदगंज में कांग्रेस सेवादल द्वारा पं. नेहरू के जीवन पर एक प्रश्नोत्तरी (क्विज़) कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन में हितकारिणी गोविंदगंज के आठवीं से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं सहित अन्य विद्यालयों के लगभग 500 बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का सघन परीक्षण किया गया। आयोजन के द्वितीय चरण नगर निगम के सामने स्थित नेहरू पार्क में भारत रत्न पं जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर जबलपुर शहर कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष सुधीर दुबे (सोनू) की अध्यक्षता में माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित वक्ताओं ने पं नेहरू के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उनके योगदान को याद किया। इसी प्रकार तृतीय चरण में हितकारिणी स्कूल, गोविंदगंज में ही प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा की गई। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अंशुल पटेल (कक्षा 12वीं), द्वितीय पुरस्कार नितिन पटेल (कक्षा 10वीं) एवं तृतीय पुरस्कार आलोक नामदेव (कक्षा 10वीं) ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, बच्चों के बीच भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें छात्रा सोनम विश्वकर्मा, अंजलि विश्वकर्मा, ऋषभ दुबे और अभिषेक कुशवाहा ने पं. नेहरू के जीवन और कृतित्व पर अपने गहन विचार रखे। इन सभी प्रतिभागियों को



सेवादल परिवार की ओर से शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। विशेष रूप से उत्कृष्ट विचार व्यक्त करने वाली छात्रा सोनम विश्वकर्मा को सेवादल परिवार की ओर से 500 का नगद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सुधीर सोनू दुबे, महिला विंग अध्यक्ष एड. मीनाक्षी स्वामी, मप्र कांग्रेस सेवादल के महामंत्री झलेलाल जैन, सचिव पं. सतीश तिवारी, सचिव जितेंद्र यादव, सचिव पूनम सोनकर, विवेक अवस्थी, प्रशांत मिश्रा, बलविंदर मान, टीकाराम कोष्टा, रबल विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे। आयोजन में हितकारिणी सभा एवं हितकारिणी स्कूल गोविंदगंज के प्राचार्य एवं शिक्षक सहित पूरे स्टाफ का सहयोग रहा।

प्रतिभागियों ने समझा बेसिक लाइफ सपोर्ट और सीपीआर का महत्व



जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च द्वारा सेंट अलॉयसियस स्कूल में बीएलएस एवं सीपीआर जागरूकता का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) द्वारा सेंट अलॉयसियस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान की प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिनसार की बीएलएस टीम ने प्रतिभागियों को बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में विद्यालय के कुल 64 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों ने सत्र में सक्रिय रुचि दिखाई तथा व्यावहारिक प्रदर्शन के दौरान बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सेंट अलॉयसियस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की गणित विभाग की विभागाध्यक्ष विनीता माहेश्वरी एवं वरिष्ठ शैक्षणिक समन्वयक सेलेस्टिना डिसूजा बरेल का विशेष सहयोग एवं समन्वय प्राप्त हुआ। विशेष रूप से, सेंट अलॉयसियस सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य रेव. फादर वीवी डेविस के प्रति आभार व्यक्त किया गया, जिनके प्रोत्साहन एवं सहयोग से कार्यक्रम का सफल आयोजन संभव हो सका।

भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का हुआ वर्णन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सेवानिवृत्त न्यायाधीश एनबी शर्मा परिवार द्वारा दत्त मंदिर गोल बाजार में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा पुराण में पांचवें दिन कृष्ण की लीलाओं का विस्तार से वर्णन वृंदावन से पधारे संजीव कृष्ण महाराज द्वारा किया गया। महाराज श्री ने कहा एक समय यमुना का जल प्रदूषित हो गया और उसमें कालिया नाग ने अपना वर्चस्व स्थापित करना के कारण ब्रज के नर नारी गोपीकाएं यमुना जल की ओर जाने में भयभीत होने लगे ऐसे समय में भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप ने यमुना में प्रवेश कर कालिया नाग का मर्दन किया। व्यासपीठ का पूजन सामाजिक कार्यकर्ता गण शैलेश कपूर, संजय बघेल, तरुण झरिया, अशोक यादव ने किया। भागवत कथा में आज 56 भोग का अर्पण किया गया। भगवान की आरती मीनल शर्मा, संजय शर्मा, प्रियांशी शर्मा, ऋद्धि शर्मा द्वारा की गई।



आज रखा जाएगा भगवान श्री जगन्नाथ का अर्जी पात्र

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

माहेश्वरी मंडल, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिदेव विग्रह स्थापना समारोह के अवसर पर 15 नवंबर, रविवार को महेश भवन, गोपालबाग, दमोहनाका, जबलपुर में जय जगन्नाथ मिशन अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ का विशेष अर्जी पात्र स्थापित किया जाएगा। इस अर्जी पात्र में श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं, इच्छाएं एवं प्रार्थनाएं लिखकर समर्पित कर सकेंगे। अर्जी पात्र में प्राप्त सभी अर्जियां विधिवत भगवान श्री जगन्नाथ के श्रीचरणों में जगन्नाथपुरी, ओडिशा में समर्पित की जाएंगी। जय जगन्नाथ मिशन अन्तर्राष्ट्रीय के संस्थापक डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि जो भक्त किसी कारणवश जगन्नाथपुरी पहुंचकर महाप्रभु के समक्ष अपनी अर्जी प्रस्तुत नहीं कर पा रहे हैं, वे इस आयोजन स्थल पर पहुंचकर अपनी मनोकामनाएं अर्जी पात्र में समर्पित कर सकते हैं। इस अवसर पर शरद काबरा, रामजी अग्रवाल, बृज बिहारी शर्मा आदि ने श्रद्धालुओं से पहुंचने की अपील की है।

खलरी गांव में तेंदुए की दहशत खेतों में जाने से कतरा रहे किसान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खलरी गांव में तेंदुए की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत है। बीते एक सप्ताह से गांव के आसपास खेतों में तेंदुआ लगातार देखा जा रहा है। इसके चलते ग्रामीण खेतों में जाने से भी डर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद वन विभाग का कोई अधिकारी-कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। वहीं, वन विभाग का कहना है कि सूचना मिलने के बाद गांव के आसपास लगातार पेट्रोलिंग कराई जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 4 बजे स्कूल के पास तेंदुआ दिखाई दिया। लोगों ने लाठी-डंडे लेकर उसे भगाया। इसके बाद वन विभाग को फोन कर सूचना भी दी, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीणों के मुताबिक, तेंदुआ अक्सर स्कूल के पास दिखाई दे रहा है। यहां रोजाना सैकड़ों छात्र-छात्राएं पढ़ने आते हैं। ऐसे में तेंदुए के पकड़े नहीं जाने पर किसी बड़ी घटना की आशंका बनी हुई है। फिलहाल खेतों में काम का समय होने के कारण किसानों की आवाजाही भी लगातार बनी हुई है।

कथित टिप्पणी के विरोध में कांग्रेसियों ने घेरा भाजपा विधायक का कार्यालय

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। किसानों को लेकर भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा की कथित टिप्पणी के विरोध में शनिवार को कांग्रेसियों ने सिहोरा विधायक कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विधायक के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार किया गया एजेंडा भी कार्यालय में चस्पा किया। ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारियों का कहना था कि विधायक ने बातचीत के लिए शाम 4 बजे का समय दिया था, लेकिन तय समय पर वे कार्यालय में मौजूद नहीं मिले। इससे नाराज कांग्रेसियों ने विरोध जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता किसानों को नशेड़ी और जुआरी बताकर उनका अपमान कर रहे हैं, जबकि किसान बिजली, पानी और पराली प्रबंधन के लिए मशीनों की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। कांग्रेसियों ने कहा कि किसानों की समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय उनके खिलाफ टिप्पणी करना उचित नहीं है। प्रदर्शन में पार्षद रमेश पटेल, आलोक पांडे, पूर्व पार्षद शिवकुमार गर्ग, केके कुरारैया, संतोष पांडे आदि मौजूद रहे।



बीएमडी एचसीए में बाल दिवस पर सजा रंगारंग 'बाल मेला'

स्टुडेंट्स ने खुद सजाए लजीज व्यंजन, नेल आर्ट और हस्तकला के स्टॉल





जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बाबू मनमोहन दास हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दीक्षितपुरा में बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के मनोरंजन, उत्साह और उनके सर्वांगीण विकास को समर्पित एक भव्य बाल मेले का आयोजन किया गया। इस रंगारंग उत्सव का मुख्य उद्देश्य छात्र छात्राओं को अपनी छिपी हुई प्रतिभा को मंच प्रदान करना, उनकी रचनात्मकता को निखारना और उन्हें किताबी ज्ञान से परे व्यावहारिक जीवन के बहुमूल्य अनुभव सिखाना था।

स्वादिष्ट व्यंजनों और स्टॉल्स की रही धूम

मेले का सबसे बड़ा आकर्षण बच्चों द्वारा खुद लगाए गए विभिन्न आकर्षक स्टॉल रहे। उन्होनें अपनी उद्यमी सोच का परिचय देते हुए चाट, फुल्की, मोमोज और अन्य लज़ीज़ व्यंजनों के स्टॉल सजाए, जहां खाने-पीने के शौकीनों की खासी भीड़ देखने को मिली। इसके साथ ही, सेहत के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखते हुए पौष्टिक एवं हेल्दी फूड्स के स्टॉल भी लगाए गए। इन सबके अलावा कॉस्मेटिक, आकर्षक नेल आर्ट, सुंदर क्रोशिया आर्ट, मनमोहक ड्रॉइंग और हस्तकला (हैंडीक्राफ्ट) से जुड़े स्टॉल्स ने सभी आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने खरीदारी, बिक्री और पैसों के लेन-देन का व्यावहारिक ज्ञान भी बहुत आसानी से सीखा।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में हितकारिणी विद्या परिषद के मंत्री एड. जयेश सिंह राठौर, हितकारिणी विद्या परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. केके हूंका, और कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय देवताल गढ़ा के शासी निकाय अध्यक्ष शिवदत्त मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बाल मेले में विद्यालय की प्राचार्य माधुरी शुक्ला, उप-प्राचार्य डॉ. सचिन पेंडेके और प्रधानाध्यापिका नमिता सोनी का योगदान रहा। अतिथियों ने बच्चों के स्टॉल्स पर जाकर उनकी कला, मेहनत और व्यावसायिक कौशल की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया।

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मनाया गया बाल दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बाल दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में बाल दिवस के महत्व को रेखांकित करने के साथ-साथ उनमें आनंद, उत्साह एवं आपसी सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने कहा कि भारत में प्रतिवर्ष 14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है। कार्यक्रम में विभिन्न खेलों जिसमें डार्टिंग, सेव योर बैलून एवं पेन कैपिंग प्रमुख रहे। प्रतियोगिताओं में पेन कैपिंग में महक चौरसिया, सेव योर बैलून में सोमानी काछी एवं डार्टिंग में इशिता सेन विजेता रहीं। विजेता छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन महाविद्यालय की उप-प्राचार्य व सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, प्रेमलता चौबे, विजय दहायत, प्रीति नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।



बम का पार्ट बनाते समय मशीन की चपेट में आया कर्मचारी

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया के ए-4 नॉन फिलिंग सेक्शन में शनिवार सुबह काम के दौरान कर्मचारी तेजभान सिंह की उंगली मशीन की चपेट में आने से कट गई। वे बम का एक पार्ट बना रहे थे। इस घटना के बाद साथी कर्मचारियों ने उन्हें फैक्ट्री के ओएफके अस्पताल पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि तेजभान सिंह मशीन पर बम का कंपोनेंट तैयार कर रहे थे। इसी दौरान लीवर दबाते ही उनकी उंगली मशीन की चपेट में आ गई। हादसे के बाद सेक्शन में मौजूद कर्मचारियों और फैक्ट्री प्रबंधन ने तत्काल मदद पहुंचाई।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**